परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
1.	**क) सचिवालय सामाजिक सेवा**	मंत्रालय के दक्ष कार्यकरण हेतु स्थान का आधुनिकीकरण करना तथा सूचना और प्रौद्योगिकी सहायता भी उपलब्ध कराना। कार्यालय उपकरणों का रख–रखाव तथा लेखन–सामग्री का प्रापण।	**17.00**	**1.40**	मंत्रालय के पुराने और अप्रचलित कम्प्यूटर्स/फोटोकापी मशीनों को बदलना। भीड़भाड़ युक्त कार्य परिवेश बदलने के लिए यूनिटों/ अनुभागों में रखे पुराने अभिलेखों का डिजिटीकरण। कार्यालय भवनों का आधुनिकीकरण। कमरों का नवीकरण (लेख प्रको"ट और रिकार्ड कक्ष आदि)। स्कीमों की समीक्षा और मूल्यांकन के सम्बन्धमें सहायता प्रदान करने का लिए एक व्यावसायिक शी"र्ा उपलब्ध करना।	10 कम्प्यूटर (9 डेस्क टॉप और 1 लैपटॉप),6 फोटोकापी मशीनों की खरीद की गई। पी एण्ड बी तथा एस एण्ड एफ अनुभागों के आधुनिकी करण के प्रस्ताव को प्रकिया पर कार्रवाई चल रही है। 18 कंप्यूटर, 6 मल्टी फंकशनल प्रिंटर्स पैरासेनिक और 2 फोटोकपियर व"र्ा 2011–12 में खरीदे गए। उन्य कार्यालय उपकरणों की आवश्यकता के आधार पर खरीद की गई।	15.33	**1.18**	सामान्यतः योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय को वहन करने के लिये किया जाता है। नये
	ख) केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सीएसएल)	शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं तथा नीति आयोजकों को सूचना तथा अनुसंधान सेवाएं उपलब्ध कराना। इस प्रकार के सभी उद्देश्यों के लिये यह मुख्य संदर्भ ग्रंथागार है।	1.55	2.40	पुराने सर्वर को बदलना, नये उच्च क्षमता वाले सर्वरों को खरीद करना। 18वीं, 19वीं माध्यम से स्वतः और 20वीं शताब्दी की दुर्लभ पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित करना, भू–तल के संग्रह क्षेत्र का विस्तार करना, आर. के पुरम के पुस्तकालय में क्यों के विकास के लिए दुर्लभ पुस्तकों अल्मारियों को खरीद करना, ढांचागत सुधार, का अंकीकरण,	सी पी डब्लयू डी के माध्यम से आधुनिकीकरण चलता रहा। व"र्ा 2012 में सामयिक (मासिक/तिमाही/छमाही/वा"र्ाक) पत्रिकाओं के लिए अभिदान जारी रहा। केन्द्रीय ग्रंथागार मे फैंकिंग मशीन स्थापित की गई। एलईडी टीवी और लैपटाप खरीद ने की प्रकिया चल रही है। डाटा बेस के उन्नयन के लिए एन आई सी एस आई को अग्रिम	0.48	0.02	सामान्यतः योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय को वहन करने के लिये किया जाता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पुस्तकों का अनुरक्षण जी ओ आई अधिसूचना और संरक्षण, बी.एल लंदन से साइक्रोफिल्मरोल को खरीद करना।	कार्रवाई चल रही है।			
2.	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**	क्षेत्रीय सीमाओं के पार मौलिक संस्कृति तथा सांस्कृतिक संबंधों का प्रसार तथा स्थानीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना और उसे बढ़ाना।	--	**17.00 (टी एस पी के प्रवधान सहित)**	विभिन्न स्कीमों के लहत, सांस्कृति कार्यक्रम, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि का आयोजन करना।	रा"ट्रीय और अंर्तरा"ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलायों का सुदृढ़करण, संर्बधन और उनका प्रदर्शन करना।	**0.00**	**29.07**	38–91 (अनुमानित एन ई और टी एस आई सहित)
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों में कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान–प्रदान।			लगभग 420 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनसे बड़ी संख्या में कलाकार लाभान्वित होंगे।	400 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे देश भर में सांस्कृतिक विविधता का प्रसार करने के लिए मेलों, उत्सवों, सांस्कृतिक उत्सवों में तैनात किए गए अनेक कलाकार लाभान्वित हुए।			
(ii)	प्रलेखन	विशेष रूप से लुप्त हो रहे कलारूपों के समुचित परिरक्षण हेतु विभिन्न लोक जनजातीय कलारूपों का प्रलेखन।			कार्यक्रम समिति के परामर्श के अनुसार विभिन्न लोक तथा जनजातीय कलारूपों, सदस्य राज्यों के उत्कृष्ट कलाकारों की कृतियों का प्रलेखन किया गया और प्रकाशनार्थ अनुसंधानोन्मुखी परियोजनाओं	31.12.2011 तक 106 से अधिक प्रलेखन कार्य शुरू किए गए हैं।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					का कार्य शुरू किया जाएगा।				
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता का संवर्धन करना है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न भागों से लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शन का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस परेड में विद्यालय के बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।	प्रत्येक व"र्ा जनवरी में आयोजित किया जाता है।			
(iv)	कुरूक्षेत्र उत्सव	यह उत्सव महाभारत से संबंधित एक पावन स्थल, कुरूक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु बहुत ही उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को, अपने उत्पादों का प्रदर्शन और उनकी बिक्री का अवसर प्राप्त होता है।	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा सरकार के सहयोग से दिनांक 02 से 06 दिसम्बर, 2011 तक कुरूक्षेत्र में 'कुरूक्षेत्र उत्सव– गीता जयन्ती समारोह – 2011' आयोजित किया।			
(v)	गुरू शिष्य परंपरा	हमारे तेजी से लुप्त हो रहे कलारूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करने के लिए।			इस वर्ष के दौरान लगभग 20 गुरू तथा 100 शिष्य लाभान्वित होंगे।	वर्ष 2011–12 (दिसम्बर 2011 तक) के दौरान इस स्कीम के तहत 53 से भी अधिक यूनिट/केन्द्र शिष्यों को लाभान्वित करेंगे।			
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का			लगभग 114 रंगमंच समूह अपने नाटक प्रस्तुत करेंगे और रंगमंच के संवर्धन में 1000	इस वर्ष जेडसीसी ने रंगमंच शो के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ मेलजोल करना।			से अधिक कलाकार और बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। रंगमंच संबंधी कौशल को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएंगी।	जैसे रंगमंच शो, रंगमंच उत्सव, कार्यशालाएं उत्सव आयोजित किए। इस स्कीम के तहत 108 से अधिक नाटकों का मंचन किया गया।			
(vii)	युवा प्रतिभावान कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कलारूपों में युवा प्रतिभावान कलाकारों को तलाशना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना।			उदीयमान कलाकारों और आम जनता को पर्याप्त संख्या में शामिल करके प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी और लगभग 83 लोक कला रूपों का चयन करने का प्रस्ताव है।	उदीयमान कलाकारों और आम जनता को पर्याप्त संख्या में शामिल करके प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।			इस उद्देश्यार्थ समाचार– पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराया जाएगा और अन्य सांस्कृतिक संगठनों तथा शिक्षा संस्थाओं से भी सम्पर्क किया जाएगा।
(viii)	शिल्पग्राम	स्थापित किये गये शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इसके कार्यकलापों			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होगें और बड़ी संख्या में लोगों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाने का प्रस्ताव है।	46 कार्यक्रम और नियमित शिल्प प्रदर्शनी–व–विक्रय कार्यकलाप आयोजित किये गये।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		को बढ़ावा देना है।							
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव – ऑक्टेव	पूर्वोत्तर के प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य समान्यतः लोगों को और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों को देश के मुख्य भाग से घनिष्ठ मेलजोल बढ़ाने में सहायता करना है। इससे पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा शेष भारत के बीच दूरी को कम करने में सहायता मिलेगी।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, शिल्कारों इत्यादि सहित पूर्वोत्तर के लगभग 400 कलाकार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।	पूर्वोत्तर उत्सव 'ऑक्टेव' फरवरी–मार्च, 2012 के दौरान किए जाएंगे।			
3.	**संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली**	यह अकादमी राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संगीत, नृत्य और नाटक के संवर्धन और विकास के लिये; मंचन कलाओं में प्रशिक्षण के मानकों के अनुरक्षण के लिये; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्री के रखरखाव, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रचार–प्रसार के लिये तथा उत्कृष्ट कलाकारों को महत्व प्रदान करने के लिये कार्य करती है।	**7.80**	**11.50**	यह अकादमी भारत की मंचीय कलाओं को बढ़ावा देने के लिये समर्पित है और यह इस उपलब्धि को हासिल करने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रवृत्तियां प्रदान करने और प्रलेखन के माध्यम से युवा पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों तथा विख्यात कलाकारों के मंचन कार्यक्रमों की व्यवस्था करती है।		**7.80**	**18.98**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संबंध में सर्वेक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन और प्रचार–प्रसार, प्रकाशन तथा यूनेस्को – कन्वेंशन – परियोजना कार्यान्वयन	मंचन कलाओं की दुर्लभ परंपरा की रिकार्डिंग का संकलन तथा परिरक्षण, मंचन कलाओं के सैद्धान्तिक तथा शैक्षिक ज्ञान का विकास तथा मंचन कलाओं पर साहित्य प्रकाशित करना।			750 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो रिकॉर्डिंग, 10 ऑडियो सी डी, 10 वीडियो सी डी तथा 3000 फोटोग्राफ, 60 घंटे की आडियो तथा वीडियो डबिंग करना। 5000 फोटोग्राफ जोड़े जाएंगे। चार राज्यों में मानचित्र तैयार करने की परियोजना। एक राष्ट्रीय सम्मेलन, दो क्षेत्रीय सेमिनार तथा 6 पुस्तकें, 8 पत्रिकाएं और 12–समाचार–बुलेटिन, एक वार्षिक रिपोर्ट। विश्वकोश के लिए 5 अध्येताओं को काम में लगाया जाएगा। 5 राज्यों में सांस्कृतिक मानचित्रण के लिये सर्वेक्षण, इनके संबंध में 10 फिल्में बनाने सहित 5 एलीमेंट का डोजियर बनाने जिससे अकादमी की अभ्यर्थिता के लिये प्रतिनिधि सूची तैयार की जा सके। पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में आईसीएच उत्सव में भारतीय प्रस्तुती का	60 घंटे की ऑडियो तथा 324 घंटे की वीडियो रिकॉर्डिंग, 7940 बी एण्ड डब्ल्यू और रंगीन फोटोग्राफ, एक अनुसंधान कार्य में सहाया प्रदान की गई। स्वैच्छिक संगठनों/व्यक्तियों को वित्तीय सहायता की संस्वीकृति, संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी की गई निधि के आधार पर की जाएगी।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					आयोजन करना।				
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय भूमि की खरीद और भवन निर्माण। मंच कलाओं का पुस्तकालय और अभिलेखागार। मंच कला पर विशेषीकृत पुस्तकालय।	अकादमी के विद्यमान संग्रहालय संगीत वाद्ययंत्रों, कठपुतली, मुखौटा तथा अन्य कला वस्तुओं का एक अलग भवन/परिसर का अधिग्रहण करके मंचन कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय में विकास करना। अकादमी के स्वयं के मौजूदा समृद्ध संग्रह के अतिरिक्त देश में इधर–उधर स्थित दुर्लभ वस्तुओं के संग्रह को अधिग्रहित करके दक्षिण भारत में एक समानांतर अभिलेखागार सहित अकादमी की मंचन कलाओं के आडियो–विडियो और फोटोग्राफी रिकार्ड के लिये अलग से अभिलेखागार विकसित करना। मंचन कलाओं से संबंधित अकादमी के मौजूदा विशिष्ट पुस्तकालय			कठपुतलियों, मुखौटों तथा अन्य कला वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए रविन्द्र भवन में उपलब्ध स्थान के उन्नयन के लिए एनएमपीए के लिए डीडीए से भूमि प्राप्त होने की सम्भावना है। मौजूदा अभिलेखीय संग्रह का डिजिटीकरण, संगीत नाटक अकादमी के गुवाहाटी, तिरूअनंतपुरम आदि केन्द्रों में विषयवार अभिलेखागार स्थापित करना। समाचार–पत्र, क्लीपिंगों, सेमीनार पेपरों, दुर्लभ पुस्तकों आदि का डिजिटीकरण।	अमूर्त कला रूपों का अनुरक्षण (भारतीय मंच कला सम्पदा को अनुरक्षित करने के लिए इस सम्पदा के सम्बन्ध में सूचना और ज्ञान की एक समग्र प्रणाली को संग्रहालय, अभिलेखागार और पुस्तकालय की सुविधाओं से एकीकृत करके किया जाएगा।)			संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी की गई निधि के आधार पर लागू किया जाएगा। नियमित कार्यक्रम नियमित कार्यक्रम

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		का विस्तार करना और इसकी सभी सामग्री का डिजीटीकरण करना तथा इसे ऑनलाइन उपलब्ध कराना।							
(iii)	अकादमी के विशिष्ट क्षेत्रों तथा रूपों के लिए अकादमियों के राष्ट्रीय संस्थान तथा केन्द्र : कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली; कुटीयट्टम केन्द्र, केरल, छाऊ केन्द्र, बारीपदा/ जमशेदपुर, अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएं, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल और सत्रिय केन्द्र, गुवाहाटी।	बेहतर और विशिष्ट पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक उत्कृष्टता वाले कत्थक नृर्तक तैयार करना, कुटीयट्टम को अकादमी के परियोजना समर्थन से स्तरोन्नत करना तथा उनका विकास करना, पूर्वी क्षेत्र के छाऊ नृत्यों की जारी परियोजना के समर्थन का विकास करना तथा इसे स्तरोन्नत करना, अकादमी के परम्परागत लोक नाटक रूपों में प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना – कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का भागवत मेला, विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक स्तर के मणिपुर नृत्यों का सृजन करना, सत्रिय नृत्य			कत्थक पर नृत्य सेमीरार के 3–4 नए निर्माण, कत्थक केन्द्र रिपर्टरी कंपनी का विस्तार, कत्थक के 3 उत्सव, कत्थक महोत्सव आयोजित करना। कुट्टीयन की चल रही परियोजना, जिसमें प्रशिक्षण, निर्माण, अनुसंधान और मंच प्रस्तुतियां शामिल है और जिनसे संस्थानों, बहुत से कलाकारों और उध्येताओं को सीधेलाभ प्राप्त होगा। छाऊ नृत्यों के समर्थन को जारी परियोजना, जिसमें प्रशिक्षण, निर्माण, अनुसंधान और मंच प्रस्तुतियों शामिल हैं, से शहरी और अर्द्ध–शहरी क्षेत्रों के लगभग 300 कलाकार और अध्येता लाभन्वित होंगे। कठपुतली कलीा के लिए	मंच कलाओं के लिए रा"ट्रीय स्तर के संस्थानों का विकास करना, प्रशिक्षण और मंच प्रस्तुतियों का उच्च मानक स्थापित करना, दर्शकों की बड़ी संख्या का आधार और अकेडिमक आधार मृजित किया जाएगा, महत्वपूर्ण मरम्परा को नई पीढ़ियों द्वारा अनुरक्षित और अभ्यास किया जाएगा! उत्सवों को श्रृंखला–पुतुलयात्रा–उत्सव और भारतीय कठपुतली कला को प्रदर्शनी, गुवाहाटी, शिलौग (22 अप्रैल से 1 मई 2011 तक) में आयोजित किए जाएंगे। यह स्कीम चालू है और लक्ष्य			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		तथा सम्बद्ध संगीत तथा रंगमंच परम्पराओं की अकादमी की परियोजना के समर्थन का विकास।			संगीत, ग्वालियर केंद, नई दिल्ली, ओडिसी नृत्य और संगीत भुवनेस्वर और पारंपरिक मंच, वाराणसी, पुतुलयात्रा और प्रदर्शनी, गोपलीला आदि में प्रशिक्षण के लिए विकास शील परियोजनाओं को स्थापित करना।	प्राप्त करने के लिए इसे निर्धारित तरीकों से क्रियान्वित किया जाएगा।			
(iv)	उत्सव, कार्यशालाएं तथा राष्ट्रीय प्रदर्शनियाँ : 1. एस. एन. ए. उत्सव, कार्यशालाएं और प्रदर्शनियां 2. राज्य अकादमियों, संगठनों, केन्द्रीय सरकार के संगठनों और प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से चलाए जाने वाले कार्यक्रम	क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर सजीव अभ्यास में मंच कला परंपराओं का परिरक्षण, संवर्धन और विकास तथा राष्ट्रव्यापी विचारों, संकल्पनाओं तथा तकनीकों के आदान–प्रदान में सहायता करना।			नाट्य परंपरा, बृहदेसी,नृत्य लोक को श्रंखला और संगम श्रृंखला और संगम श्रृंखला, प्रपद, ठुमरी, संस्कृति मंच के पारंमरिक उत्सव, रवीन्द्र नाथ टैगोर की 15 वीं जयंती का समारोह, राज्य सरकार/अकादमियों और मंच कलाओं के क्षेत्र में केंद्रीय संगठनों के सहयोग से 25 कार्यक्रम आयोजित किए गए। पारंपरिक कठपुतली मंच, फिल्म आदि के पाक्षिके कार्यक्रम भी किए गए।	इन सगोष्ठियों और उत्सवों के माध्यम से संगीत, नृत्य और नाटक का संवर्धन तथा प्रचार–प्रसार लम्बे समय तक चलेगा, जिससे देश की सांस्कृतिक परम्परा को सुदृढ़ करने में पर्याप्त सहायता मिलेगी। रंग संगम, अह्मदाबाद, बादल सरकार को श्रृद्धञ्जलि, एनएसडी के गुरू शरण सिंह को श्रद्धाजंलि, ध्रुपद उत्सव, कोलकाता, दिल्ली में डॉ. भुपेनहजाशिका को श्रृद्धांजलि, कोलकाता, और उपकरण निर्माण का लेखीकरण, ढोल, डमाऊ और श्रीनगर में उत्तरा खंड का हुडका का आयोजन किया गया।			यह एक चाल योजना है स्कीम है और इसका कार्यक्रम कार्यकारी बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर बनाया जाएगा। रबीन्द्र प्रणति, मंच उत्सव, देहरादून, रबीन्द्र नाथ की स्मृति का आह्वान, नृत्य नाट्य, नृत्यांजलि, डॉ. भूपेनंहजारिका

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	और प्रायोजित कार्यक्रम (नई स्कीम)। 3. मेघदूत थियेटर कॉम्प्लेक्स में नियमित कार्यक्रम।								को श्रृद्धांजलि।
(v)	पुरस्कार, सम्मान तथा पारितोषिक : एस एन ए शिक्षावृत्ति तथा पुरस्कार (अकादमी रत्न सदाशयता और पुरस्कार) बिस्मिल्ला खाँ युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार	मंच कलाओं में उत्कृष्टता तथा अविच्छिन्न योगदान को मान्यता प्रदान करना तथा प्रतिष्ठित वृद्ध कलाकारों को सहायता प्रदान करना। अकादमी पुरस्कार शिक्षावृत्ति तथा अकादमी पुरस्कार (शिक्षावृत्ति 30 जीवित व्यक्तियों तक सीमित है)। 35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों के लिए उस्ताद बिस्मिल्ला खां युवा पुरस्कार सृजित किया गया है। पुरस्कार में 25000 रु. की राशि दी जाती है।			33 अकादमी पुरस्कार तथा 2 शिक्षावृत्तियां और 33 युवा पुरस्कार, युवा कलाकारों को दिए जाऐगें। युवा कलाकारों को 33 पुरस्कार।	अपनी मंचलका को और अधिक विकसित करने के लिए कलाकारों को सम्मान। युवा पुरस्कार 2010, फरवरी, 2012 में दिए जाने का निश्चित किया गया है, टकादमी रत्न सदाशयता और पुरस्कार, भारत के माननीय रा"ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा, उसके पश्चात् दिल्ली में, सप्ताह पर्यन्त, उत्सव, 22 से 31 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा! युवा कलाकारों को रा"ट्रीय मान्यता।			एफओआई और चीन में सेमीनार मेंसेमीनार/प्रदर्शनी ककका आयोजन, चचीन में शिष्टमंडल भेजना ब्राजील और मैक्सिको में भारत के उत्सव का आयोजन करना।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 1. अंतर्राज्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 2. भारत एशियाई सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम (नई स्कीमें)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण।			30 राज्यों/संघ शासित राज्यों को शामिल करते हुए 20 आदान–प्रदान कार्यक्रम। इसमें विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान भी शामिल है। पड़ोसी देशों के राष्ट्रीय अकादेमी जिन्होंने मुख्य एशियाई उत्सवों में 6 समूह प्रयोजित किए हैं, के साथ में संयुक्त प्रस्तुति।	2 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों भारत के सांस्कृतिक सम्बन्धों, में प्रगाढ़ता लाने के लिए और विचारों, अवधारणाओं, तकनीकी, रूपों और का आदान–प्रदान, जिससे देश को गौरवमयी छवि का निर्माण हो सके।			
(vii)	प्रशिक्षण और मंचन सहायता – परम्परागत, लोक नृत्य तथा जनजातीय मंचन कलाओं के संबंध में प्रशिक्षण और परिरक्षण, युवा कलाकारों को प्रोत्साहन और सहायता। कठपुतली कला का परिरक्षण,				मंचन कलाओं के विभिन्न रूपों में 50 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिये 10 और प्रशिक्षण कार्यरूप प्रारंभ किए जाएंगे। युवा संगीतकरों और नर्तकों 5 उत्सव, उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम तथा केन्द्रीय क्षेत्रों में युवा निर्देशकों के 3 उत्सव, भिन्न–भिन्न राज्यों में, 2 मंच कार्यसालाएं निर्माण छूट, वित्तीय राज्य–सहायता।	नृत्य प्रतिभा, विशाखा पदृनम, संगीत प्रतिभा, नैनीताल, भांड पाथेर पर कार्याशाला, श्रीनगर c1-10 अक्तूबर, 2011, रंग प्रतिभा, क्षेत्र के सांस्कृतिक संस्थानों को बड़ो संख्या को समर्थन/सहायता दी जाएगी। यह एक चालू स्कीम है और कार्यकारी बोर्ड को सिफारिशों पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।			उत्सवों के लिए 30 संस्थानों को सहायता दी जाएगी और कठपुतलियों तथा विभिन्न कार्यक्रमों पर पदर्शनी। बाल मंच के 50 समूहों को वित्तीय सहायता।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बाल रंगमंच को सहायता।								
4.	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा रूपंकर कलाओं का संवर्धन	**6.76**	**7.00**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना न्यूय के लिए किया जाता है।		**6.76**	**6.84**	
(i)	दृश्य तथा रूपंकर कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। कला विकास/कला प्रोत्साहन, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आवक प्रदर्शनी, कला को राष्ट्रीय प्रदर्शनी, दीनाले प्रदर्शनी कला संचार और प्रसार अभिलेख और स्लाइड व्याख्यान और सेमीनार,	अकादमी के मुख्य उद्देश्य देश के कला कार्यकलापों विशेष रूप से समकालीन कला के क्षेत्र में, कला के विकास के लिए कलाकार–समुदाय को अवस्थापना सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।			राष्ट्रीय प्रदर्शनी–1 सीईपी –5 के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रमों का आदान–प्रदान –1 बहिर्गमी प्रदर्शनी–5 आवक (इनकमिंग) प्रदर्शनियाँ–4 चल प्रदर्शनी–3 शिविर तथा कार्यशालाएं–10 व्याख्यान तथा सेमिनार–38 ल.क.अ. दीर्घा प्रदर्शनियाँ–250 कला संगठनों को सहायता अनुदान–25 कलाकृतियों का संरक्षण/पुनरूद्धार–150 12वां ट्रेनाले भारत –1 रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती–टैगोर को कृतियों को प्रदर्शनी–2 टैगोर के प्रकाशन/पोर्ट फोलियो–2, छात्रवृत्तियाँ–40 अध्येतावृत्ति –1	प्रदर्शनियांः राष्ट्रीय –1 सीईपी–2 के तहत शिष्टमंडल के आदान–प्रदान का कार्यक्रम (शिष्टमंडल ने चीन का दौरा किया और उच्चाधिकार प्राप्त चीन के शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया)। सी ई पी –1 के तहत बंगलादेश के दौरा किया वर्हिगमीप्रदर्शनी–1 54 अंर्तराष्ट्रीय कला प्रदर्शनियां जिनका शिर्षक ''ला बीनाले'' था, वेनिस, इटली में आयोजित की गई। टावक प्रदर्शनियां–3, चल प्रदर्शनी–शिविर और कार्यशालाएं–2,व्याख्यान और सेमीनार–25, एल.के.ए. वीथि काल वस्तुओं का संरक्षण/जीर्णोद्धार, रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	शिविर और कार्यशालाएं। मुख्यालयः राजय आकदमी और कला संगठनों को अनुदान, मुख्यालय कलावीथि और ए.सी.व्यय, पुस्तकालय को पुस्तकों को खरीद, वार्हगमी प्रदर्शनी विशेष प्रदर्शनियां, लोक जनजातीय और पारंपरिक कला, कल्य संरखण और पुनरूज्जीवन कला सर्वेक्षण, पूर्वोन्तर कार्यक्रमों के अतिरिक्त, कला उत्सव और ढांचागत				प्रकाशन–25 क्षेत्रीय कार्यक्रम–30 व्याख्यान–40 राष्ट्रीय कला उत्सव–1 आक्टेव –1 अंतर्गत पूंजीगत कार्य –3 गढ़ी स्टूडियो, नई दिल्ली और क्षेत्रीय केन्द्र, चेन्नई का जीर्णोद्धार और फेज का कार्य।	सीईपी के तहत, बंगला देश के कालाकारों द्वारा रेजींडिसी में काग्रक्रम बंगला तुली प्रदर्शनी–1, रबीन्द्रनाथ की स्मृति में सेमीनार–1, टैगोर को अध्येता वृत्ति पर प्रकाशन/पोर्टफोलियो–1 3–4 प्रकाशन प्रक्रिया के अंर्तगत हैं, क्षेत्रीय कार्यक्रम–7, व्याख्यान –43, आक्टेव के अंर्तगत, पूर्वोत्तर के राष्ट्रीय कला उत्सव–1, पूंजीगत कार्य–3, गढ़ी स्टूडीयो, नई दिल्ली और क्षेत्रीय केंद्र, चेन्नई का नवीकरण और फेज–II का कार्य प्रस्तावित है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सुविधाएं रबीन्द्रनाथ टैगोर को 150वीं जयंती के कार्यक्रम, अध्येता वृत्तियां, छात्रवृत्तियां और प्रकाशन और प्रलेखन, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्रों के कार्यक्रम, कोलकाता शिलाग, गढ़ी में नए क्षेत्रीय केंद्रों को स्थापना, प्रदर्शनि की खरीद, प्ररिसम्पत्तियां, ओवरहेड वेतन आदि के सृजन हेतु अनुदान।								

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
5.	**साहित्य अकादमी**	भारतीय साहित्य का 24 भाषाओं में प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य करना।	7.00	10.50	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना सम्बन्धी खर्चों के लिए प्रयोग किया जाता है।		5.25	12.11	
(i)	**पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन**	एक ही स्थान पर भारत के लेखकों और साहित्यिक कार्यकलापों के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना तथा पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र बनाना।			विदेशी प्रकाशनों सहित 24 भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रहेगी। विभिन्न भाषा वर्गो के सूचीपत्र के प्रतिपरिवर्तन का प्रस्ताव किया गया है। अकादमी की हिन्दी वेबसाइट और अंग्रेजी वेबसाइट पर सूचीपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। पुस्तकालय की नई कंप्यूटर प्रणाली को क्षेत्रीय कार्यालयों के पुस्तकालय से जोड़ा जाएगा विभिन्न प्रकाश के काग्रक्रम /सेमीनारों के श्रव्य टेपों को सचीबद्ध करने को प्रारंभिक प्रकिया का कर्या प्रगति पर है।	विदेशी प्रकाशनों सहित 24 भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रहेगी। विभिन्न भाषाओं में पुस्तक सूची डाटा के प्रति–परिवर्तन के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया गया। भारतीय लखकों का 'किसका –कौन' का पुनरीक्षित रूपांतरण जो पहले ही प्रारंभ कर दिया गया था, उस पर पुस्तकालय में एसी प्रणाली को अनुरक्षित रखा गया है।			जैसी ही सूचीकरण का कर्य समाप्त हो जाएगा, उसी समय सूचीग्रंथों का डिजिटीकरण कर दिया जाएगा, लेखकों पर 10 वृत्तचित्र बनाए जाएंगे। 'जिसका –कौन' का पुनरीक्षित रूपांतरण जो भारतीय लेखको पर है, इस पर पहले ही वर्तमान वर्ष में कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। 2011 के अंर्तगत, पाण्डुलिपि तैयार हो जाने को आशा की जा रही है।
(ii)	**प्रकाशन स्कीम**	भारतीय साहित्य के			भारतीय साहित्य नामक	द्वि–मासिक और छमाही			बंगाली, डोगरी,

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अकादमी प्रसार के बुनियादी उद्देश्य को पूरा करना और बहुभाषी सोसाइटियों को अन्य भाषा से भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि के संग्रह।			द्वि–मासिक साहित्यक पत्रिकाओं का प्रकाशन हिंदी और अंग्रेजी में तथा छमाही पत्रिका 'संस्कृत प्रतिभा' (संस्कृत) का प्रकाशन जारी रहेगा। भारतीय साहित्य के विश्वकोश के संशोधित संस्करण का प्रकाशन, भारतीय साहित्य 1954–2000 की राष्ट्रीय पुस्तक सूची की दूसरी श्रंखला को महत्व की अन्य साहित्यक पुस्तकों के प्रकाशन सहित जारी रखना है।	साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन जारी रहा। केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान के सहयोग से 'कथा भारती' नामक नई प्रकाशन श्रंखला शुरू की गई है।, भारतीय साहित्य (1954–2000) की राष्ट्रीय पुस्तक सूची की द्वितीय श्रंखला के संबंध में उन्होंने अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत कर दी हैं।			कन्नड़, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, नेपाली, उड़िया, राजस्थानी, तामिल और तेलगू के लिए उन्हेंने अपनी प्रविष्टियां पहले ही प्रस्तुत कर दी हैं। छपाई के कार्य को चार–चारणों में करने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	**साहित्यिक समारोह तथा कार्यक्रम** **प्रशासनिक कार्यक्रम का आधुनिकीकरण और इसमें सुधार**	महान लेखकों की जयंतियाँ मनाना। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ आदि के लिए लेखकों को लेखकों, संबंधित व्यक्तियों और पुस्तकों इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान करने संबंधी कार्यक्रम आयोजित करके समय–समय पर इकटठा होने के लिए एक मंच प्रदान किया जाएगा।			अकादमी विभिन्न क्षेत्रों में 50 साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करेगी। 10 मनुष्य और पुस्तके, 5 अस्मिता, 10 कवि संधि, 5 काव्य संध्या, 20 मुलाकात, 10 कथा संधि,20 मेरी खिड़की से, 5 आविष्कार, 5 आविष्कार, 5 व्याख्यान, आगन्तुक लेख को द्वारा, अन्य साहित्यिक सम्मेलन आदि 175 सेमीनार और 125 साहित्यिक मंचों को आयोजन, देश के विभिन्न भागों में किए जाएंगे।	लेखकों और व्यक्तियों को, साहित्य पर विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए स्थान सुलभ कराया जाएगा, अकादमी ने साहित्यिक मंच बैठकें, मनुष्य और पुस्तकें, अस्मिता, कविसंधि, काव्य संस्था, मुलाकात, कथा संधि, मेरी खिड़की से, विदेशी आगन्तुकों, द्वारा आविष्कार व्याख्यान और अन्य साहित्यिक बैठकें आदि।			यह अनुमान है कि 75 सेमीनार और 125 साहित्यिक मंच, इस वर्ष के दौरान आयोजित किए जाएंगे।
(iv)	**लेखकों को अवार्ड प्रदान करना**	भारतीय भाषा के युवा तथा पुराने लेखकों को अपने क्षेत्रों से भिन्न क्षेत्रों में दौरों को सुकर बनाना, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय लेखकों को अन्य देशों में भेजना और विदेश के लेखकों के प्रतिनिधिमंडल की भारत में मेजबानी करना, अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय			अकादमी की स्कीम के तहत युवा लेखकों को अपने स्वयं के क्षेत्र से भिन्न देश के अन्य भागों का दौरा करने के लिये यात्रा अनुदान प्रदान किया जाएगा। अकादमी विभिन्न सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में भागीदारी करेगी। अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को वार्षिक पुरस्कार दिये जाएंगे। पुस्तकों के लेखकों/कापीराइट धारकों को	विदेशी लेखक/शिष्टमंडल जो सीईपी के तहत उन देशों में नियुक्त किए गए, जिनसे भारत के उभय पक्षीय सम्बन्ध हैं। भारतीय लेखक/शिष्टमंडल ने भी विदेश के देशों का दौरा पारस्थरिकता के आधार पर किया। अकादेमी ने सक्रिय रूप से विभिन्न देशों के अत्सवों, सहयोग, पुस्तक मेलों आदि में भाग लिया। 24 भारतीय भाषाओं में साहित्य अकादमी			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भाषाओं में विशेष गुणवत्तामूलक साहित्यिक कृतियों को प्रोत्साहित करना और इनके लिये प्रशंसा स्वरूप पुरस्कार प्रदान करना, भारतीय साहित्य में विख्यात लेखकों के योगदान को महत्व प्रदान करते हुए मानद अध्येतावृति प्रदान करना।			रॉयल्टी और पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। स्थानीय लेखकों के लिये स्कीम के तहत अनुदान जारी रखा जाएगा। जीवित अध्येताओं, विख्यात लेखकों इत्यादि को इस स्कीम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	पुरस्कार देना जाारी रहा।			
(v)	**अकादमी के प्रकाशन/पुस्तक प्रदर्शनी का संवर्धन**	साहित्यिक पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से अकादमी के प्रकाशनों को विज्ञापित करना। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना और उनमें भाग लेना।			3.00 करोड़ रू. के विक्रय लक्ष्य को हासिल करने के लिए अकादमी, राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेगी। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में यह अनंतिम शहर/कस्बा आधारित पुस्तक प्रदर्शनियों में भी भाग लेगी। सेमिनार/साहित्यक कार्यक्रमों के दौरान पुस्तक प्रदर्शनियां भी लगाएगी।	अकादमी ने जिला/शहर/कस्बे स्तर पर आयोजित की गई पुस्तक प्रदर्शनियों, पुस्तक मेलों/समारोहों में भाग लिया है। कुछ पुस्तकों का उनमोचन, एम.डी विश्व विद्यालय में, इंडिया टाइम्स और पुस्तककैफ में किया गया। अपन प्रकाशन के विक्रय को बढ़ाने के किए अकादमी लगभग 90 पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेगी।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	**अनुवाद स्कीम, क्षेत्रीय साहित्यिक अध्ययन परियोजनाएं, भाषाओं का विकास, अध्येतावृति : कुमार स्वामी और प्रेमचंद, भारतीय भाषाओं में अनुवाद की राष्ट्रीय पुस्तक सूची, भारतीय काव्य का विश्वकोश, विख्यात भारतीय पुस्तकें इत्यादि**	अकादमी का मुख्य कार्यकलाप अनुवाद है। 'शब्दना' अनुवाद केन्द्र को अनुवादकों के प्रशिक्षण तथा कार्यशालाओं का आयोजन करके कार्यरत अनुवादकों को प्रशिक्षित करने तथा अन्तर–भाषिक शोध और अनुवाद करने के लिए व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, अंतर–भाषिक शोध तथा अनुवाद के लिए अनुवादकों का रजिस्टर तैयार करना तथा अनुवादों के शीर्षकों को चिन्हित करना, और भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में उनका प्रकाशन।			अकादमी द्वारा मान्य 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार जारी रहेंगे। केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के सहयोग से शुरू की गई ''कथा भारती'' स्कीम से संबंधित कार्य को जारी रखा जाएगा। केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, हैदराबाद को अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के लिये अधिक आंकड़े उपलब्ध किये जाएंगे। ये केन्द्र अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं और गैर–मान्यता प्राप्त भाषाओं में अनुवाद कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। लगभग 30 पुस्तकों को अनूदित किया जाना है। बालसाहित्य का एक भाषा से दूसरी में अनुवाद करने का कार्य जारी रहेगा।	अनुवाद केन्द्र कोलकाता की शाखा और बंगलौर में 'सबंदना' क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी में 10 पुस्तक के प्रकाशन करने वाले हैं। बंगलौर केंद्र ने पहले ही पर्याप्त संख्या में मध्ययुगीन पुस्तकों का अनुवाद अंग्रेजी और दक्षिण की भषाओं में किया है। गतिविधियों का केन्द विन्दु पूर्वोत्तर क्षेत्र है। 24 भाषाओं के उत्कृष्ट अनुवादकों के लिए पुरस्कार जारी रहेंगे। वर्ष 2011–12 के दौरान लगभग 30 पुस्तकों का अनुवाद और प्रकाशन किया जाएगा। बाल–साहित्य का एक भाषा से दूसरी में अनुवाद का कार्य जारी है।			8 कार्यशालाएं और 4 क्षेत्रीय सेमीनार आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं की सस्यता, प्रति वर्ष 1लाख रू. का भाषा सम्मान प्रदान करके दी जाती है। इस स्कीम के तहत 10 सेमीनार और 5 कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। जनजातीय भाषा और लाकगीतों पर एक कार्यक्रम देश के विभिन्न भागों में आयोजित किया जाएगा।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
6.	**भारत महोत्सव**	चुनिंदा बाहरी देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करना ताकि और अधिक समझ और सहयोग बढ़ सके।	**3.75**	––	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियां, साहित्यिक सेमिनार, मंचकला/प्रस्तुतियां/सेमीनार/ कार्यशालाएं, साहित्यिक कार्यकलापों का आयोजन।	आईसीसीआर और देश के बाहर संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले भारतीय महोत्सवों में, संस्कृति मंत्रालय, सांस्कृतिक काग्रक्रमों आदि में सहयोग करता है।	**0.00**	**0.00**	
7.	**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए)**	आई जी एन सी ए की स्थापना भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति में की गई थी। इसे कलाओं के क्षेत्र में शोध, शैक्षिक रूचि तथा प्रसार के केन्द्र के रूप में परिकल्पित किया गया था।	––	**25.00**			**0.00**	**22.50**	
(i)	**बहु–विषयक शोध का संवर्धन तथा विविध कलाओं के बीच महत्वपूर्ण संवाद**	इसके शोध कार्यक्रम को बढ़ाना तथा मूल पाठों, सन्दर्भ पुस्तकों, शब्दावलियों, शब्दकोशों, वृहतकोशों, भारतीय कलाओं के तुलनात्मक इतिहास, मूल शब्दों के विश्वकोष, अन्तर–उपभाषा, अन्तर–विषयक शब्दावलियों तथा शब्दकोषों का			निम्नलिखित आयामों का अध्ययन : (क) पहचान के बहु आयामी स्तर तथा कलाओं में उनकी अभिव्यक्ति (ख) भाषा तथा सांस्कृतिक विविधता (ग) बुद्धिमत्ता की परंपरा, पारिस्थितिकी, संसाधन प्रबंधन एवं सतत् विकास	(क) शोध एवं फील्ड अध्ययन। (ख) दृश्य–श्रव्य प्रलेखन। (ग) सम्मेलन, सेमिनार तथा कार्यशालाएं। (घ) प्रदर्शनी एवं मल्टीमीडिया समारोह। (ड.) फिल्मों, सी डी,			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रकाशन, कला और विज्ञान के बीच संबंधों की खोज, भारत तथा विश्व की कलाओं के बीच आयामों और संबंधों की खोज, पूर्वोत्तर तथा इसके सांस्कृतिक आयामों पर विशेष मुख्य बल।			(घ) धार्मिक पहचान, परम्पराओं तथा सामासिक संस्कृतियों का संगम (ङ) अन्तर–संस्कृति संवाद (च) भारतीय कला तथा संस्कृति में महिलाओं का योगदान	दृश्य–श्रव्य रिकॉर्डिंगों का निर्माण।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**संसाधन वृद्धि और आधुनिकीकरण**	इंदिरागांधी राष्ट्रीय कला केंद्र को कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में सेवा करने के लिए इसकी लिखित, मौखिक, श्रव्य, दृश्य रूपी मौलिक साधन सामग्री के भण्डार को बढ़ाएं और इसके दूसरे अनुभागों के अनुसंधान तथा प्रकाशन गतिविधियों को सहायता करें, और तकनीकी औजारी तथा प्रणाली को अन्नत और आधुनिक करके स्थापित करें। संसाधन सामग्री के निर्माण में कई प्रकार से वृद्धि करें। प्रौद्योगिकी का उन्नयन करें और प्रदर्शों और प्रदर्शनियों के लिए स्थायी दीर्घाओं को स्थापित करें।			(क) निम्नलिखित की खरीद करना (i) पुस्तकों (ii) जनर्लस (iii) दुलर्भ पुस्तकें (iv) व्यक्तिगत सग्रहों की खरीद (ख) आन्तरिक डिजिटल फोटोग्राफी और स्लाइड खरीद द्वारा स्लाइड संग्रह (ग) पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग (घ) सांस्कृतिक अभिलेखीय सामग्री का अधिग्रहण (ड़) निम्नलिखित का आधुनिकीकरण (i) डिजिटल पुस्तकालय सूचना पद्धति (ii) टीका–टिप्पणी सूची ग्रन्थ इन्डेक्स (iii) रेपरोग्राफिक्स यूनिट (iv)श्रव्य–दृश्य उपकरण (च) सांस्कृतिक सूचनाएं (छ) दीर्घाओं का सृजन	(i) पुस्तकालय में पुस्तकों, जर्नलस, पत्रिकाओं की वृद्धि। (ii) रेपरोग्राफी, कम्प्यूटर सैंटर और मीडिया प्रोडक्शन में नवीनतम प्रौद्योगिकी उपकरणों से पुस्तकालय का आधुनिकीकरण। (iii) पाण्डुलिपि, आन्तरिक भण्डार आदि का डिजिटीकरण। (iv) पूर्वोत्तर से अभिलेखीय सामग्री का संग्रह। (v) दीर्घाओं का सृजन।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	**सांस्कृतिक मानचित्र कला और आईजीएनसीए के उपस्करों का आधुनिकीकरण**	भारत के विविध समुदायों में प्रचलित कला और शिल्पों की परंपराओं के विशिष्ट पहलुओं के साथ उसके पारिस्थितिकी तथा सांस्कृतिक रूप का चित्र तैयार करना।भवन का अत्याधुनिक डिजाइन/नक्शा और संरचना को ध्यान में रखते हुए, कार्यलय को फर्नीचार और उपकरणों से युक्त करना।			(i) प्रकोष्ठ का सृजन। (ii) शोध एवं फील्ड अध्ययन। (iii) एटलस तैयार करना, फोटोकापी मशीन, फैक्स मशीन, मेज, अलमारी का प्रापण, कार्य स्थलों की स्थापना करना तथा सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण और उपस्कर प्रदान करना।	आधुनिक उपस्करों को संस्थापित करना, कार्य परिणाम में वृद्धि करना तथा बेहतर कार्य दशाएं पैदा करना।			
8.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**7.70**	**13.50**			**7.70**	**24.50**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना सम्बंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**संबंधित क्षेत्रों में और स्थानीय स्तर पर रंगमंच कार्यशाला और अंशकालिक**	विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें			सघन रंगमंच कार्यशालाएं–2 सहयोगात्मक रंगमंच कार्यशाला– 40 रंगमंच कार्यशाला को सहायता–10 अंशकालिक पाठ्यक्रम – 2	60 मंच कार्यशालाएं आयोजन किया गया।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पाठ्यक्रमों तथा संकाय एवं स्टाफ के लिए अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करना।	रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			अंशकालिक कार्यशालाएं – 8				
(ii)	**दिल्ली और दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करना**	बच्चों का व्यक्तित्व का उनकी अर्थ में प्रकटन करके विकास करना।			दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर बाल रंगमंच कार्यशालाएं – 42 निर्माण प्रबोधक बाल रंगमंच कार्यशालाएं–36 अनु. जाति/अनु. जनजाति के बच्चों के साथ रंगमंच कार्यशाला – 2 अंशकालिक रंगमंच कार्यशाला–4	दिल्ली और दिल्ली के बाहर 10 कार्यशालाएं आयोजित की गई।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	**गांवों में पारंपरिक समूह का सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन**	3 वर्षीय उच्च नाट्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाना तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यमान रंगमंच से छात्रों को अवगत कराना।			परंपरिक समूहों के साथ कार्यक्रम –5, विद्यार्थियों द्वारा मंच प्रस्तुति, सहयोगात्मक, मंच कार्यशाला–10, सप्ताहांत मंच समूह द्वारा प्रस्तुति–45, विदेशी दौरे–4	पारंपरिक समूहों के साथ में कार्यशालाएं आयोजित की गईं, छात्र अध्येताओं और सहयोग समूहों द्वारा भी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। विदेशी दौर–विद्यार्थी, निर्माण कार्यकलाप (चीन का दौर) किया गया। प्रदर्शनि और प्रदर्शनियां आयोजित की गईं।			
(iv)	**लोक, जनजातीय कला तथा शैक्षिक दौरों का संवर्धन**	छात्रों को रंगमंचीय तथा संगीत रूपों से संबंधित विद्यमान लोक तथा जनजातीय कला से परिचित कराना।			परम्परागत समूह के साथ कार्यशाला – 2 और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक दौरे।	2 निर्माणोन्मुखी कार्यशालाएं आयोजित की गई, छात्रों के लिए 3– दौरों का भी आयोजित किया गया।			
(v)	**बच्चों के लिए वयस्क मंचन कला की रंगमण्डली का निर्माण**	इसका उद्देश्य बच्चों में रंगमंचीय निष्पादन को बढ़ावा देना है।			बच्चों के लिए नए नाटकों का मंचन – 2 सभागार में प्रदर्शन–40, रविवार क्लब कार्यशालाएं–30, प्रत्येक समूह के साथ में सत्र (सेसन), ग्रीष्म मंच कार्यशाला, दिल्ली के बाहर दौरों की कार्यशाला और अन्य गतिविधियां, टी आई ई अभिनेता और शिक्षक प्रशिक्षण।	दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विद्यालय प्रदर्शन–39, कार्यशाला केंद्रों की संख्या–8, रविवार क्लब कार्यकलाप–8, प्रत्येक समूह के साथ सेसन–30 यूरोपियन सूनियन संस्कृत उत्सव का आयोजन एन एस डी के सहयोग से, टी आई कंपनी, कोलकाता में किया गया।			
(vi)	**रंगमण्डली**	भारत तथा विदेश में			दिल्ली और दिल्ली से बाहर	ग्रीष्म मंच उत्सव 204–8			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कम्पनी का विस्तार **राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव और समानांतर रंगमंच उत्सव, राष्ट्रीय बाल रंगमंच उत्सव और बाल संगम/जश्ने बचपन का शेष कैम्पस की स्थापना, 5 क्षेत्रों में नाट्य विद्यालय स्थापित करना, इनमें पूर्वोत्तर क्षेत्र, बंगलौर, जम्मू और कश्मीर महाराष्ट्र/गोवा– प्रत्येक में एक नाट्य विद्यालय स्थापित किया जाएगा।**	भारतीय नाटकों का प्रसार।			नाटकों का मंचन –105 नए निर्माण शो–3, ग्रीष्म अत्सव में शो –25 शीत उत्सव में शो –20, समूहों के साथ बी आर एम सहयोगी मंचन कार्यक्रम में भागीदारी –38 राष्ट्रीय मंच उत्सव – भारत रंग महोत्सव आयोजित करना। अक्तूबर–नवम्बर, 2011 में जश्ने बचपन/बाल संगम–राष्ट्रीय बाल मंच उत्सव का आयोजित करना। आर आर सी बंगलौर चैप्टर का पिरचालन और उत्तर पूर्व क्षेत्र में नाट्य विद्यालय खोलने का कार्यप्रारंभ करना।	नाटकों के शो–35, प्रायोजित कार्यक्रम के तहत दिल्ली की संलग्न मंच प्रस्तुतियां–8, बी आर एम के साथ भागीदारी –नाटकों के शो–12, नवम्बर, 2011 में राष्ट्रीय बालमंच उत्सवका आयोजित किया गया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में, मंच प्रलेखन केंद्र का परिचालत सम्बन्धी काग्र प्रगति पर है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
9.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला वीथि (एन जी एम ए)**	भारतीय लोगों में दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति समझ और संवेदनशीलता पैदा करना तथा विशेष रूप से समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।	4.25	9.00			3.45	6.44	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना सम्बंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
	संग्रहालय का उन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण	अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप संग्रहालय में समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।			अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलूरू में उत्कृष्ट कलावस्तुओं को प्रदर्शित करके आधुनिक कला संग्रहालय का सुव्यवस्थित अनुरक्षण। 15 विशेष प्रदर्शनियां, सभागार में कला से संबंधित कम से कम 500 फिल्मों की स्क्रिनिंग की जाएगी। 150 दौरे आयोजित किये जाएंगे। संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार को कला आरेख क्लब आयोजित किया जाता है। ग्रीष्म कला कार्यशाला आयोजित की जानी है। प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा संचालित कला तथा कला अभ्यास पर 10 सेमिनार आयोजित की जाने हैं। विशेष प्रदर्शनियों के 6 सूची–पत्र तथा 10 पोस्टर रिलीज़ किए जाने	संग्रहालय के सुव्यवस्थित प्रदर्शी के अनुरक्षण के अतिरिक्त, 16 विशेष प्रदर्शनियां जो भारतीय समकालीन कलाकारों और विदेशी कलाकारों दोनों के सम्बन्ध में सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत थी, वर्ष के दौरान एन जी एम ए, नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलूरू में आयोजित की गईं। कला पर एन जी एम ए द्वारा साधारण जन समुदाय और विद्यार्थियों के लिए 650 फिल्म शो आयोजित किए गए। विभिन्न विद्यालयों के लिए वीथि दौरों का आयोजन किया गया। कला और कला अभ्यास पर प्रसिद्ध कलाकारों/कला आलोचको द्वारा 13 व्याख्यान एन जी			भारतीय और विदेशी शिष्टमंडलों के विभिन्न प्रयोजित समूहों के दौरे आयोजित किए, पत्रकार–सम्मेलन, पत्रकार प्रिविव आयोजित किए गए। एक मुख्यस्थित कलासंदर्भ पुस्तकालय में, कला के संदर्भो के लिए 23,000 पुस्तकों संग्रह विद्यार्थियों और अध्येताओं तथा

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					हैं। एन जी एम ए में संग्रहालय वस्तुओं से परिपूर्ण एक दुकान की स्थापना, मुम्बई और बंगलौर में कला संदर्भ पुस्तकालय का आधुनिकीकरण तथा कला संग्रह का डिजिटीकरण किया जाएगा। कलाकृतियों के संरक्षण तथा पुनरूद्धार और रिज़र्व कलेक्शन की कंडीशनिंग तथा क्लीनिंग का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाना है। लगभग 150000 कला प्रेमियों के इस संग्रहालय का दौरा किये जाने की संभावना है।	एम ए बंगलौर में आयोजित किए गए। विभिन्न प्रकार के स्मृतिचिन्ह, 16 प्रकार के मग, फ्रिज मैगनेट, पेपरवेट, टी–शर्ट, पुस्तक–चिन्ह और यू–क्लिप, जिन में चाबी चैन लगी थी, 20 प्रकार के ग्रीटिंग कार्ड, प्रसिद्ध कलाकारों के 6 पोर्टफोलियो 3 संदर्भ सूचीग्रंथ, कला कृतियों के निर्माण के 6 प्रकार विक्रय के लिए एनजीएसए को संग्रहालय दूकान पर उपस्थित किए गए।			ललित कला के अध्येताओं के लाभ के लिए अनुरक्षित है। कलावस्तुओं के उचित रख–रखाव और रिकार्ड के प्रत्येक सत्यापन को सुनिश्चित करने के लिए निरोधात्मक और संग्रहो उपाय इस दौरान में किए गए हैं।
10.	**एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता**	इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। भाषा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।	**8.45**	**7.10 (टी एस पी के लिए प्रावधान)**			**6.34**	**5.25**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**पुस्तकालय प्रणाली का विकास**	मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान के संवर्धन के लिए संस्थाओं को स्थापित करना, तैयार करना और उनका रख–रखाव करना।			जर्नल और पुस्तकों के साथ रीडर का संबंध बनाए रखने के लिए पुस्तकों, जर्नल आदि का अधिग्रहण और उनका परिरक्षण व रखरखाव। पुस्तकों का अधिग्रहण – 2200 खण्ड सीरियल की खरीद – 300 टाइटल 2500 पुस्तकों और जर्नलों की सूची तैयार करना और प्रलेखन करना बाइडिंग/मेन्डिग – 1500 पुस्तकें और जर्नलस से सम्बन्धित कार्य किया जाना है।	कुल 2750 पुरूष और 3408 महिला पाठक जिनमें 139 विदेशी पाठक सम्मिलित हैं, को पुस्तकालय के सुविधाएं प्रदान करके सेवा को गई।			
(ii)	**संग्रहालय तथा प्रयोक्ता सुविधा का विकास**	ऐसी पाण्डुलिपियों को परिरक्षित करना जिनमें पुरालेखों, सिक्कों, उत्कीर्णों तथा अत्यधिक मूल्यवान अश्मलेखों का समृद्ध संग्रह है।			एम.एस.एस. की और अन्य अभिलेखीय सामग्री–वर्तमान और पूर्व कालिक–दोनों की सूची तैयार करना और प्रलेखन।	119 भारतीय तथा 60 विदेशी आगंतुकों/अनुसंधान अध्येताओं ने पुस्तकालय का दौरा किया।			
(iii)	**दुलर्भ पुस्तकों, एमएसएस का अनुरक्षण और संरक्षण एवं रेपरोग्रैफिक इकाई का विकास।**	जीर्ण–शीर्ण (भंगुर) और कमजोर पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और सोसाइटी के संग्रहालय और पुस्तकालय में रखी हुई अन्य प्राचीन वस्तुओं के संरक्षण के लिए प्राचीन उपाय करना।			दुर्लभ पुस्तकों, पत्रों, एमएसएस आदि को कार्य सम्बन्धी प्रक्रिया और सर्विस विभाग की अनुरक्षित करना, 3000 माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश।	संग्रहालय और अन्य विभागों को दुर्लभ पुस्तकों, एमएसएस चित्रकारी आदि।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	**प्रकाशन कार्यक्रम**	उच्च शैक्षिक स्तर का प्रकाशन निकालना जिसके लिए सोसायटी अध्येता जगत में प्रसिद्ध है। बिबलियोंथिका इण्डिका श्रृंखला के तहत पुस्तकों के प्रकाशन पर विशेष बल दिया जाता है।			प्रकाशन : – पुस्तकें – 15 पत्र–पत्रिकाएं –4 मासिक बुलेटिन 11 और बुकलेट्स – 7 इस वर्ष के दौरान प्रकाशित की गई।	8 पुस्तके, जिनमें 3 पुर्नमुर्दण शामिल थे, 3 पत्र, 7 मासिक बुलेटिन और 4 पुस्तिकाएं प्रकाशन की गईं।			
(v)	**शोध कार्य में संवर्धन**	विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण प्रदान करना, सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशाला आदि आयोजित करना।			विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने, प्रशिक्षण प्रदान करने और सेमिनार तथा कार्यशालाएं आयोजित करने के लिये – परियोजनाएं – 45 सेमिनार – 15 व्याख्यान – 35 प्रदर्शनी/कार्यशालाएं – 4	समीक्षाधीन अवधि के दौरान 36 परियोजनाएं, 16 बाहरी, सेमिनार, 20 व्याख्यान, और 3 प्रदर्शनियां/कार्यशाला आयोजित की गई।			निरंतर चलने वाली प्रकिया है।
11.	**सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली**	संस्कृति के साथ शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में कार्यरत अकादमियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य है।	**3.45**	**10.00**			**2.55**	**11.48**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**विद्यालय के छात्रों में संस्कृति का**	विद्यालय के शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों इत्यादि के लिए देश के विभिन्न			विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 4000 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया	3144 शिक्षक/प्रशिक्षकों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रचार	भागों में विभिन्न सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे–प्रबोधन प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदि आयोजित करना। सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के स्कूली विद्यार्थियों तथा बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुनर्वास तथा बस्ती कालोनियों के बच्चों तथा शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाएं।			जाएगा। 4000 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाना है। 3000 छात्रों को सामुदायिक तथा विस्तार कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षित किया जाना है। देश के विभिन्न राज्यों में 200 सांस्कृतिक क्लबों की स्थापना। भारतीय कला और संस्कृति के संबंध में 50 व्याख्यान आयोजित किये जाएंगे। पुनः मुद्रण सहित 20 प्रकाशन प्रकाशित किये जाएंगे। 1000 शिक्षा किटें तैयार की जाएंगी।	1480 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। 22565 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। देश के अनेक राज्यों में 124 संस्कृति क्लब स्थापित किए गए। भारतीय कला और संस्कृति के संबंध में 40 व्याख्यान आयोजित किये जाएंगे। पुनर्मुद्रण सहित 13 प्रकाशन प्रकाशित किए गए। 941 शिक्षा किटें तैयार की गई।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सी टी एस एस)**	10–14 वर्ष आयु वर्ग में उत्कृष्ट युवा बच्चों को मंचकला और अन्य कलाओं के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करके उनको सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य है।			सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत छात्रवृत्तियां 520 प्रदान की गई जिसमें 20 छात्रवृत्तियां विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए अरक्षित थी, वे भी शामिल हैं।	पूर्वोत्तर सहित देश के सभी भागों से 493 बच्चों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई हैं। छात्रवृत्ति धारकों के लिए 4 सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए गए हैं।			पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन केन्द्रीय चयन विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है।
12.	**विशिष्ट मंच कला परियोजनाओं (नृत्य, नाटक और मंडलियाँ) के लिए व्यावसायिक समूहों और व्यक्तियों को वित्तीय सहायता**	गुरू–शिष्य परंपरा का संवर्धन तथा मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।	**1.55**	**28.00 (टी एस पी के लिए प्रावधान)**	सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों/संगठनों के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किये गये हैं तथा प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	लगभग 716 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता दी गई है।	**0.57**	**29.44**	इसमें महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत प्रावधान तथा अनु0 ज0 जा0 जनसंख्या के लिए 20 प्रतिशत प्रावधान शामिल है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
13.	**गांधी शांति पुरस्कार**	भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के भाग के रूप में अहिंसा और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवर्तन के लिए वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की है।	**1.55**	––	इस पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता का चयन निर्धारित प्रक्रिया कोड के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक जूरी द्वारा किया जाता है।	गांधी शांति पुरस्कार के चयन के लिए वर्ष के दौरान नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।	**0.00**	**0.00**	2005 से गांधी शांति पुरस्कार नहीं दिया गया है। प्रत्येक नामित व्यक्ति से संबंधित प्रस्ताव तैयार किया जाता है तथा इन्हें एक पुस्तिका में संकलित किया जाता है जिसे पुरस्कार प्राप्त करने वाले का चयन करने के लिये जूरी को प्रस्तुत किया जाता है।
14.	**राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एन सी एफ)**	राष्ट्रीय संस्कृति निधि का उद्देश्य विरासत के संरक्षण, परिरक्षण और विकास के लिये सार्वजनिक और प्राइवेट भागीदारी का विकास करना है।	––	**0.01**	मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के तहत विभिन्न प्रकार के उत्सव समारोह, फिल्म निर्माण तथा अन्य श्रेणियों के कार्यक्रम आयोजित करने के लिये भारत बाला प्रॉडक्शन प्राइवेट लि0, ओसियन कला सोसायटी, मैसर्स	भारतीय जहाजरानी कारपोरेशन ने महावल्ली पुरम के शोर मंन्दिर में शौचालयों के निर्माण के लिए 40 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के सहमति प्रदान कर दी है। भारतीय जहाज रानी कारपोरेशने,	**0.00**	**0.00**	एनसीएफ की अक्षय निधि 19.50 करोड़ रू. है। इससे प्राप्त ब्याज को गौण अक्षय निधि में रखा

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					दर्पण, प्रसिद्ध प्रतिष्ठान, ओएनजीसी, इंटेक इत्यादि सहित विभिन्न संगठनों/व्यक्तियों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के प्रस्ताव वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिये प्राप्त हुए हैं।	शोर मंन्दिर, महाबल्ली पुरम के भू–बरिदृश्य और उसके परिसर को चार–दीवारी पहचान चिन्ह के लिए क्रमश, 29.00 लाख रूपये और 25.00 लाख रूपये प्रदान करने के लिए सहमत हो गई है। भगवान बुद्ध को शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए, भगवान बुद्ध से सम्बन्धित मंदिर के मूलढ़ाँचे को सुद्रढ़ के लिए श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर परियोजना।			जाता है। गौण अक्षय निधि से प्राप्त ब्याज का उपयोग प्रशासन और स्थापना व्यय के लिये किया जाता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
15.	**जयन्ती/वर्षगांठ समारोह**	महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा घटनाओं की जयन्तियां तथा वर्षगांठ मनाना।							
15.1	**भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण की 2550वीं वर्षगांठ मनाना**	भगवान बुद्ध के जीवन और समय के विशेष पहलुओं का प्रसार करना और लोगों तथा विशेषतः युवा पीढ़ी को ऐसी आत्मा से परिचित कराना जिसने सफलतापूर्वक लोगों का ध्यान मानव उत्थान के लिए अहिंसा की ओर आकृष्ट किया।	0.30	--	भगवान बुद्ध की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किये गये और लार्ड बुद्धा की शिक्षाओं का प्रचार–प्रसार करने के लिये अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु लार्ड बुद्धा से सम्बद्ध परियोजनाओं के लिये निधियां प्रदान की गई।	विद्यालय भवन खण्ड के निर्माण के लिए 30 लाख रूपये की व्यवस्था चल रही है।	0.30	0.00	
15.2	**लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती मनाना**	रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री के नाम से पीठ स्थापित करना।	0.01	2.00	इस अवधि के दौरान पुरूषों और महिलाओं के लिये अलग–अलग दो तकनीकी संस्थानों की स्थापना की जाएगी।	इस उद्देश्यार्थ 2.00 करोड़ रू. की राशि पहले ही जारी कर दी गई है।	0.00	0.00	
15.3	**प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम, 1857 की 150वीं वर्षगांठ मनाना**	स्तम्भ (3) हमारे महान नायक/नेता जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन को न्योछावर कर दिया, उनके बलिदानों को उजागर करने और उनको श्रृद्धांजलि अर्पित करने के लिए। लोगों को, विशेष	0.40	2.00	वर्ष के दौरान महान नायकों/नेताओं को स्मृति में एनआईसी द्वारा यथा अनुमोदित, कार्य के अवशिष्ट मदों के कार्योंको प्रारंभ किया जा रहा है, लोगों को शिक्षित किया जाना है। चिन्हित की गई निधि अनुमोदित	कार्यकारी अभिकरणों द्वारा एनआईसी द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं के कार्य किए जा रहे हैं।	0.31	0.00	इन परियोजनाओं को पूरा किया जाना निधियों की उपलब्धता पर निर्भर है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		रूप से युवा पीढ़ी को, अपने स्वतंत्रता संघर्ष के संबंध जागरूक करने, उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना की भरने और विगत 60 वर्षों को राष्ट्र की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालने के लिए।			परियोजनाओं को अवशिष्ट मदों के कार्य में व्यय हो रही है। व्यय कर दी जाएगी।				

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
15.4	**खालसा विरासत परियोजना को वित्तीय सहायता**	लोगों विशेषतः युवा पीढ़ी में खालसा विरासत की घटनाओं से भावना पैदा करने के लिए उसकी महत्वपूर्ण घटनाओं के मुख्य पहलुओं का प्रसार करना।	––	6.00	पंजाब सरकार को तिमाही आधार पर खर्च की गई राशि के पुनर्भुगतान के रूप में केन्द्र सरकार के 1/3 हिस्से (योजनागत) के भाग के रूप में खालसा विरासत परियोजना हेतु निधियां दी जारी हैं।	दिसम्बर, 2011 तक, केन्द्र सरकार के हिस्से के रूप में पंजाब सरकार को 1.19 करोड़ रूपये की राशी जारी कर दी गई है।	0.00	1.19	
15.5	**गुरू–ता–गद्दी की त्रि–शताब्दी**	श्री गुरू ग्रंथ साहिब की गुरू–ता–गद्दी की त्रि–शताब्दी के भाग के रूप में आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो का अवसंरचना विकास करने के लिए लक्षित।	0.01	––	इसको पूरा करने के लिए सतह परियोजना का प्रावधान प्रस्तावित है।	आनन्द पुर साहब और तलवंडीसाबो के अवसंरचनात्मक विकास कार्य, समारोह के एक भाग के रूप में किया जा रहा है।	0.00	0.00	
16.	**अन्य स्कीमें/संस्थाएं**								
क.	**केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ तिब्बती अध्ययन का केंद्रीय विश्वविद्यालये**	तिब्बत और भारत के हिमालय की सीमा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया।	7.60	5.80			5.70	4.35	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**पुस्तकालय का**	1. तिब्बती संस्कृति और			1500 पुस्तकों और	1500 पुस्तकें और पत्र,			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास	परंपरा को परिरक्षित करना। 2. तिब्बती भाषाओं में परिरक्षित प्राचीन भारतीय विज्ञान और साहित्य का पुनरूज्जोवन प्रदान करना।			कम्प्यूटर/उपकरण की खरीद की जाएगी।	ई–दस्तावेज और अन्य उपकरण क्रय किया जाने हैं।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**प्रकाशन और मुद्रण**	अध्येताओं तथा अन्य व्यक्तियों के लिए तिब्बती संस्कृति पर मुद्रित सामग्री प्रदान करना।			12 पुस्तकें प्रकाशित की जानी हैं।	6 पुस्तकें प्रकाशित की गईं।			
(iii)	**दुर्लभ बौद्ध पाठों का अनुसंधान, पुररूज्जीवन और अनुवाद इकाइ, भाषा प्रयोगशाला और अन्य प्रयोगशाला की स्थापना, बौद्धिक सम्पर्क को प्रोत्साहन, विद्वानों, सम्मेलनों और सेमिनारों का आदान–प्रदान, दरभंगा संस्थान को महायान बौद्धसंस्कृति श्रृंखला पाठ की पुर्न सपादन और प्रकाशन परियोजना।**	भारतीय सीमा क्षेत्र के विद्यार्थियों, जिन्होंने तिब्बत में उच्चतर शिक्षा प्राप्त की है, को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना।			प्रथम और द्वितीय द्विवार्षिक जर्नल प्रकाशित किया जाना है और अनुसंधान उद्देश्यों के लिये 2 स्थलों का दौरा किया जाना है। 7 पुस्तकों का अनुवाद करके पुररूज्जीसन के लिए पूर्ण करना है। बौद्ध/तिब्बती भाषाओं और संस्कृति के संवर्धन के लिए विभिन्न अन्य कार्यक्रम, जिनमें सेमीनार, अनार–विश्वविद्यालय सम्मेलन शामिल हैं, किए जाएंगे। एमबीएसएसटी, दरभंगा का पुर्न संपादन कार्य जारी रहेगा।	वार्षिक जर्नूल प्रकाशित किए गए, दुर्लभ बौद्ध पाठ के 18 अध्यायों का पुनः सम्पादन किया गया, 1300 पृष्ठों को अनूदित करके पुनरूज्जीवन दिया गया (तिब्बती और संस्कृति), दो राष्ट्रीय/अंर्तराष्ट्रीय सेमीनार/संग्रहालय बैठकें आयोजित की गई हैं, अध्येताओं के आदान–प्रदान के तहत, 2 सेमीनार भी आयोजित किए गए हैं। विश्व कोष और तमनीकी शब्दाबलियों के संकलन का कार्य जारी है, इसमें तिब्बती चिकित्सा में 1000 प्रविष्टियां जोड़ी जा रही हैं, तिब्बती संस्कृति का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।			एमबीएसएसटी दरभंगा संस्थान के कार्य को पुनः सम्पादित करने की प्रक्रिया जारी है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ख.	**केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह**	बौद्ध विचारों और साहित्य की शिक्षा के प्रसार के माध्यम से छात्रों के बहुपक्षीय व्यक्तित्व का विकास करना और बौद्ध अध्ययन आदि से संबंधित अनुसंधान कार्यों और दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संग्रह, संरक्षण, अनुवाद तथा प्रकाशन के संबंध में उन्हें आधुनिक विषयों से अवगत कराना।	5.00	7.50			3.75	4.58	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
	भवन निर्माण	प्रेक्षागृह, अतिथि–भवन, 20 आवासीय क्वार्टरों तथा डी.पी.एस. ज़न्सकार के लिए भवन का निर्माण।			सीआईबीएस और डीपीएस ज़न्सकार के लिये भौतिक अवसंरचना का निर्माण।	सीआईबीएस और डीसीएस ज़न्सकार के भवन निर्माण।			यह निर्माण कार्य चरणबद्ध रूप में सीपीडब्ल्यूडी और राज्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	वर्तमान गोनपा/मठीय विद्यालयों के लिए प्रावधान। दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों का प्रकाशन, परम्परागत लद्दाखी कला और संस्कृति का परिरक्षण। हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोश का संकलन	विद्यार्थियों के लिए शिक्षक नियुक्त करके और वजीफा देकर गोनपाओं के शैक्षिक कार्यकलापों में सहायता प्रदान करना।			50 गोनपा/मठीय विद्यालय चल रहे हैं। दिल्ली पब्लिक स्कूल जान्सकर के उन्नयन के लिए स्नातक शिक्षक पदों के वेतन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उनको दी गई अनुमति की पद्धति के अनुसार, 4 अनुसंधान कर्त्ता पीएचडी और अध्येतावृत्ति लद्दाखी कला और संस्कृति का संरक्षण, पुनश्चयी पाठ्यक्रम आयोजित करना, पुस्तकालय आदि के लिए पुस्तकों का अधिग्रहण। हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोष के संकलन का कार्य प्रगति पर है। बौद्ध दर्शनशास्त्रीय पाठ का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद करने से संबंधित कार्य को प्रारंभ करने का प्रस्ताव किया गया है।	शिक्षा की मठीय पद्धति का अनुसरक्षण और संबर्धन 50 गोमपा/मठीय विद्यालयों को चलाक, आधुनिक शिक्षा के साथ में सास्कृतिक शिक्षा 767 विद्यार्थियों को दी गई, 350 की संख्या में पुस्तकें और 55 प्रकार के जर्नल/पत्रिकाएं, संग्रहालय के संग्रह मं जुड गईं। हिमालयो कला और संस्कृति का अनुरक्षण और संरक्षण, कंप्यूटरीकरण, नेटवर्किंग सम्बन्धी कार्य एलएएन का विकास करके, हिमालयी कला और संस्कृति के संर्वधन और संरक्षण के लिए सेवा प्राशिक्षण कार्यक्रम से सम्वन्धित प्रस्तुकों का अधिग्रहण संग्रहालय के लिए किया गया। हिमालयी बौद्ध संस्कृति से संबंधित विश्व कोष बनाने का कार्य प्रगति पर है।			हिंदी –तिब्बती और तिब्बती–हिंदी शब्द कोष परियोजना से संबंधित संकलन का कार्य संस्थान में कंप्यूटरीकरण, इंटरनेट और नेटवकिंग, बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग का कार्य, शाखा विद्यालय, सी आइ बी एस, लेह में प्रारंभ हो गयाहै। आचार्य, शास्त्री और मध्यमा के 9 वर्षीय, श्रेणी बद्ध पाठ्यक्रम जारी रहेंगे और पी एच डी के संबंध में, एक वर्ष तक इस पाठ्यक्रम बढ़ा दिया जाएगा।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ग.	**गांधी स्मृति और दर्शन समिति**	विभिन्न सामाजिक–शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके महात्मा गांधी के जीवन, मिशन और विचारों का प्रचार करना।	4.52	9.00			2.98	5.04	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप **1. शैक्षिक संस्थानों के साथ नियमित कार्यक्रम** **क) स्कूलों में गाँधीवादी विचारधारा का प्रचार–प्रसार** **ख) गांधी ग्रीष्मकालीन स्कूल** **2. युवाओं के लिए कार्यक्रम** **3. महिलाओं के लिए कार्यक्रम** **4. स्मृति कार्यक्रम**	महात्मा गांधी के विचारों तथा उनके द्वारा अभिनिर्धारित किये गये राष्ट्रीय कार्यकलापों के प्रोत्साहन के लिये कार्यक्रमों की योजना बनाना और उसे लागू करना।			क) शैक्षिक संस्थाओं के साथ बच्चों के कार्यक्रम जैसी प्रश्नोतरी, वार्तालाप और सामाजिक और सामाजिक तथा विकास के विभिन्न मुद्दों पर प्रतियोगिता आयोजित करना जिनसे 30,000 से अधिक भारतीय तथा विदेशी बच्चों इसका लाभ उठा सकें। (ख) लाभ से वंजित बच्चों के साथ–साथ दिल्ली और अन्य राज्यों में गांधी ग्रीष्मकालीन विद्यालय। (ग) 15,000 से अधिक युवाओं तक युवा कार्यक्रमों की पहुँचा महिलाओं के कार्यक्रमों में 10,000 महिलाओं को शामिल करना। (घ) जगरूकता कार्यक्रम के लिए 10,000 लोगों तक	कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण में बहुत से बच्चों को सहायता मिली। युवाओं से संबंधित काय्रक्रमों का आयोजन विभिन्न राज्यों में किया गया। महिलाओं के कार्यक्रमों के माध्यम से, समिति देश के विभिन्न राज्यों को महिलाओं तक पहुँच बनाने और उनको कार्यक्रमों में शामिल करने में सफल रही। क्षमता–निर्माण के बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए गए।			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	5. जीएसडीएस में नियमित कार्यक्रम				पहुँचना। लगभग 2000 विपन्न बच्चों को प्रशिक्षण करना।				
	पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रचार–प्रसार, अवसंरचना, कार्यक्रम	ऐसे कार्यकलाप शुरू करना जो महात्मा गांधी के जीवन, कार्य और विचारों की बेहतर समझ पैदा करें।			समिति के कार्यकलापों में निम्नलिखित प्रकाशनों के माध्यम से, बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और समाज के अन्य वर्ग के लोग शामिल किए जायेंगे– 1– वार्षिक रिपोर्ट. 2– 'यमुना', जी.एस.डी.एस. बच्चों का समाचार–पत्र, जी.एस. डी.एस. परिसर का विकास यिका जाएगा और चम्मारन में गांधी विरासत के पुनरूज्जीवन के कार्य को प्रारंभ किया जाएगा।	इन प्रकाशनों के माध्यम से, महात्मा गांधी के विचारों तथा अन्य सामाजिक मुद्दों को, लगभग 20,000 बच्चों, युवाओं और समाज अन्य विशष मोड़ों के लोगों तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पहुँचाया गया। समिति को पूर्वोत्तर के कार्यकलापों को जारी रखा गया है।			समाज के अभाव ग्रस्त वर्ग के लिए जीवन यापन के अवसरों में सुधार करने के लिए पूर्वोत्तर के बच्चों को भागीदारी के कार्यक्रम।
घ.	**नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार**	प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व ख्याति को पुनः प्राप्त करना और पाली भाषा, साहित्य और बौद्धशास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान शुरू करना।	**1.80**	**3.00**			**1.85**	**2.25**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**पुस्तकालय सेवा में सुधार और विकास**	पाली, बौद्ध दर्शनशास्त्र, प्राचीन इतिहास, संस्कृति तथा वास्तु कला, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि की नई पुस्तकें खरीद कर पुस्तकालय का विकास करना।			पाली, बौद्ध दर्शन, प्राचीन इतिहास इत्यादि से संबंधित लगभग 1000 पुस्तकें खरीदने की आशा है।	स्कीम को आवश्यकता की पूर्ति के लिए पाठ्य पुस्तकों की पुनः खरीद करने की आशा है।			
(ii)	**जुआंग जुंग स्मारक हॉल का विकास**	एक्स ज़ेड एम के बाहर और अन्दर चित्र, भित्तिचित्र जैसी सृजनात्मक कृतियां लगाना तथा भू–सौंदर्यकरण इत्यादि करना।			जुआंग जंग की जीवनी से जुड़े विभिन्न चित्र तथा भित्तिचित्र संरक्षित करने के लिए एक अलग भवन का निर्माण करने के प्रस्ताव के अतिरिक्त नियमित अनुरक्षण एवं विकास कार्य किए जाएंगे।	जुआंग जंग की जीवनी से संबंधित बहुत से चित्र और भित्ति चित्त स्मारक में एकत्र किए जा रहे हैं।			
(iii)	**सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, कार्यशाला, सेमिनार और सम्मेलन**	बौद्ध विचारों के संवर्धन और विस्तार के लिए अन्तर–संस्था में आदान–प्रदान के आधार पर सेमिनार, कार्यशाला आदि का आयोजन।			विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं, संगोष्ठियों इत्यादि से प्राप्त शैक्षिक और सांस्कृतिक सामग्री मुद्रित कराई जाती है और इसे विद्वानों तथा अनुसंधानकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाता है।	लगभग 8 कार्यशालाएं, सेमिनार और कईसीईपी के आयोजन किए जाने हैं।			पूर्वोत्तर भारत में बौद्ध जीवन दर्शन की कार्यवाही को भी वर्ष 2011–12 में किया जाएगा।
(iv)	**(i) वार्षिक स्थापना दिवस और समारोह तथा विशेष दीक्षान्त समारोह**	प्रत्येक वर्ष 20 नवम्बर को एन एम एम स्थापना दिवस का आयोजन तथा विशेष दीक्षान्त समारोह। मैधावी छात्रों की सहायता।			स्थापना दिवस मनाने के लिये महाविहार का यह एक नियमित कार्यकलाप है। इससे विदेशी और भारतीय विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।	अंतर–राज्य क्षेत्र के बहुश्रुत अध्येता, उच्च शासकीय पदाधिकारी, अवसर के महिमा मंडल के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। भारतीय और विदेशी छात्रों को			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ii) महावीरा के मैधावी छात्रों के लिए छात्रवृति अवार्ड					इससे लाभ होगा।			
(v)	**पुराने और नए प्रकाशनों का मुद्रण तथा प्रलेखन प्रदर्शनी**	इसका मुख्य उद्देश्य पहले आयोजित किये गये सेमिनारों की कार्यवाहियों और अनुसंधान आधारित सामग्रियों का मुद्रण तथा पुनः मुद्रण करना और प्रदर्शनी आयोजित करके तथा इसका प्रलेखन करके भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को प्रोत्साहित करना और प्रचार–प्रसार करना।			वार्षिक और लेखा रिपोर्ट का मुद्रण, सेमिनार कार्रवाई और पुरानी पुस्तकों का पुनर्मुद्रण कार्य किया जाएगा। नालन्दा और बौद्ध दर्शन के सिद्धांत के आधार पर एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी।	पूर्व सेमीनार, पाली पाठ आदि को कार्रवाई से संबंधित मुद्रण।			
(vi)	**पाली–हिंदी शब्दकोश परियोजना**	योजना का मुख्य उददेश्य विशेष पाली–हिंदी शब्दकोश बनाना है।			वर्ष 2011–12 के दौरान पाली–हिन्दी शब्दकोश के खण्ड–।। को प्रकाशित किये जाने की संभावना है।	3 ख्याति–प्राप्त अध्येताओं को नियत पारिश्रमिके आधार पर शब्द–कोष को तैयारी के लिए नियुक्त किए गए हैं।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ङ	**मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता**	19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, सांस्कृति, राजनैतिक और आर्थिक आंदोलन के अध्ययन सहित मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन और कार्यों का अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करना।	1.08	6.00			0.64	3.67	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**पूर्वोत्तर सहित अनुसंधान परियोजना, अध्येतावृत्ति और अन्य संवर्धनात्मक कार्यकलाप**	अनुसंधान कार्यकलाप तथा राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का भारत तथा एशियाई देशों में प्रसार करना।			यह संस्थान पूर्वोत्तर सहित विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में 25 पूर्णकालिक आवासीय अध्येतावृत्तियों की व्यवस्था करेगा और सेमिनार दौरों के आधार पर अनुसंधान परियोजनाओं के लिये 30 परियोजना अध्येतावृति पर कार्य करेगा तथा सेमिनार आयोजित करने के लिये अन्य निकायों की सहायता करेगा, विरासत भवन से एक प्रलेखन केन्द्र चलाया जाएगा।	मौलाना अब्दुल कलाम आजाद संस्थान ने लगभग 10 पुस्तकें और एक जर्नल का प्रकाशन किया। (2) योजना के अनुसार, संस्थान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार और एक मौलाना आजाद व्याख्यान का आयोजन किया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित करने के लिए संस्थान ने दूसरे संस्थानों से भागीदारी भी की। संस्थान ने, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को वित्तीय सहायता दी है।			सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान की राशि का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय में किया जाता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**प्रकाशन/पुस्तकों की प्राप्ति**	विभिन्न विषय क्षेत्रों में अध्येताओं के शोध कार्य को प्रकाशित करना			10 पुस्तकें तथा एक जर्नल का प्रकाशन किया जाएगा।	5 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। 1 जर्नल का प्रकाशन प्रक्रियाधीन है। बाह्य परियोजना अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत की गई अनुसंधान पांडुलिपियों के प्रकाशन का कार्य प्रारंभ किया गया है और प्रक्रियाधीन है।			प्रत्येक माह में एक पांडुलिपि को जारी करने का योजना बद्ध प्रयास। डी.टी.पी प्रक्रिया से 3 भागो का प्रकाशन।
(iii)	**मौलाना आजाद संग्रहालय नए परिसर और भवन का उन्नयन सी पी डब्ल्यू द्वारा प्रारंभ किए गए कार्य को शीघ्र निपटाने के लिए नियमित जानकारियां देना।**	संग्रहालय ने कोलकाता के लोगों पर अपना प्रभाव छोड़ा है। मौलाना आजाद के भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में सहयोग के साथ–साथ स्मारिकाओं के संग्रह को दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया है।			मौलाना आजाद के संबंध में तथा उनके जीवन तथा समय से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों की दृश्य और अभिलेख सामग्री, एलसीडी, टीवी, स्मारिकाओं इत्यादि को शामिल करके संग्रहालय को सुदृढ़ करना और इसका विकास करना। यह संग्रहालय एक स्वतंत्र परियोजना को लागू करेगा।	(1) संग्रहालय को सुव्यवस्थित रूप में रखा गया है। (2) संग्रहालय आमन्युकों को दौरे और वृत्त चित्रों के फिल्म प्रदर्शन उपलब्ध कराएगा (3) दुर्लभ पुस्तकों तक पहुँच बानने का कार्य प्रगति पर है (4) अभिलेखीय सामग्री से संबंधित परामर्श/संपर्क करने के लिए दौरे। नमक की शील (साल्टलेक) पर सुविधाएं प्रदान करने के कार्य में सुधार।			निधि की उपलब्धता और कलावस्तुओं का आसानों से प्राप्त होना।
च.	**कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई**	भारतीय कला, विशेषतया नृत्य और संग्रहालय के क्षेत्र में पारंपरिक मूल्यों के परिरक्षण के लिए स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का एक सांस्कृतिक	**4.50**	**3.00**			**3.38**	**2.00**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संस्थान।							
(i)	**रंगमंच स्तरोन्नयन तथा संग्रहालय**	राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्तरोन्नत श्रव्य तथा प्रकाश व्यवस्था उपस्कर प्रदान करना।			ध्वनि ओर स्टेज प्रबंधन में अत्याधुनि प्रौद्योगिकी स्थापित करने के लिए कूथाबंलम का नवीकरण।	सिविल कार्य, साउंड उपस्कर, रंगमंच उपस्कर, एचवीएसी कार्य प्रगति पर हैं।			
(ii)	**संग्रहालय परियोजना**	भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत को आंतरिक झलक दिखाने के उद्देश्य से एक विशेष परियोजना की अवधारणा की गई है।			श्रीमती रूक्मिणी देवी से संबंधित सभी दुर्लभ व्यक्तिगत वस्तुओं को संग्रहीत करने के लिए एक संग्रहालय और दक्षिण भारतीय कला रूपों तथा संबंधित कलावस्तुओं को प्रदर्शित करने के लिए शोकेश में रखना।	संग्रहालय के रख–रखाव में सहायता के लिए बनाए गए संग्रहालय ने सर्वोत्तम हल निकालने में समय लगाया। मैसर्स एका प्रतिष्ठान से इस परियोजना के लिए परामर्श लिया गया। सिविल कार्य प्रगति पर हैं।			
(iii)	**नृत्यनाटिका का प्रलेखन**	अभिलेखीय उददेश्यों के लिए कृष्णा पर आधारित नृत्य नाटिका का प्रलेखन			अभिलेखीय उद्देश्यों के लिए रूक्मिणी देवी द्वारा निर्देशित कृष्णा विषय पर नृत्य नाटिकाओं के छः प्रकरणों का प्रलेखन किया जाएगा।	रामायण के इन तीन भागों का कार्य फरवरी 2011के दौरान पूरा किया गया।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	**अनुसंधान एवं प्रलेखन**	परम्परागत कला रूपों को और आगे बढ़ाना तथा इस क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिये युवा पीढ़ी को प्रशिक्षित करना			श्रीमती रुक्मिणी देवी नृत्य नाटक और अन्य समसामयिक संगीत/नृत्य कला रूपों के अनुसंधान के एक भाग के रूप में विभिन्न स्रोतों से दुलर्भ एवं बहुमूल्य पुस्तकों का संग्रह किया जाएगा, प्रशिक्षण सत्र में विद्यार्थियों के क्षेत्रीय दौरे शामिल हैं।				
(छ)	**नामग्याल तिब्बती विद्या–शास्त्र अनुसंधान संस्थान, सिक्किम**	यह संस्थान सिक्किम सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन है और इस मंत्रालय से नियमित सहायता अनुदान प्राप्त करता है। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य छोस (बुद्ध का सिद्धांत) के ज्ञान का प्रसार करना है।	0.62	**0.11 (टी एस पी के प्रावधान सहित)**	संस्थान के अभिलेखागारों में परिरक्षित सेमिनल पाठों का अनुवाद तथा प्रकाशन इसके अनवरत कार्यक्रम हैं।	इस संस्थान ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसके वर्तमान में जारी कार्यक्रमों को लागू किया गया है।	0.47	0.38	
(ज)	**क) मंच, साहित्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को अध्येतावृति**	इस स्कीम के तहत संगीत, नृत्य, रंगमंच, दृश्य कला, साहित्य तथा लोक एवं देशी कला के पारम्परिक रूपों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है।	2.35	**7.50 (टी एस पी के प्रावधान सहित)**	200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जानी है।	200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की गई हैं।	0.64	3.87	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ख) युवा कार्यकताओं को छात्रवृत्तियाँ	इस स्कीम के तहत भारत में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हेतु उत्कृष्ट प्रतिभा के युवा कलाकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है।			400 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जानी हैं।	400 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई हैं।			
(झ)	(i) **विशिष्ठ कला व्यक्तियों को वित्तीय सहायता** (ii) **राष्ट्रीय कलाकार कल्याण निधि की स्थापना**	कला के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले और 58 वर्ष और से अधिक आयु तथा अत्यधिक जरूरतमंद हालातों में रहने वाले कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।रूग्ण (बीमार) कलाकारों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने का लक्षय।	**2.35**	**6.50 (टी एस पी के लिए प्रावधान)** **1.00**	पेंशन स्कीम के अन्तर्गत 2900 पुराने कलाकारों को सहायता प्रदान की जानी है। विख्यात कलाकारों को उनकी चिकित्सीय/स्वास्थ्य एवं अन्य उद्देश्यों के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	3128 पुराने कलाकारों को पेंशन अनुदान, समीक्षाधीन अवधि में प्रदान किए गए हैं। इस स्कीम को अभी कार्यान्वित किया जाना है।	**2.14**	**6.00**	
(ञ)	**सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल**	विश्व के अन्य देशों के साथ पारस्परिक आधार पर सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन	**0.90**	**––**	इस निधि का मुख्य उद्देश्य सांस्कृति करारों के अंतर्गत विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के सांस्कृतिक दौरों की मेजवानी करना है। वर्ष 2011–12 के दौरान विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक करारों के तहत नये सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों पर हस्ताक्षर/कार्यान्वित किया जाएगा।	(i) बंगलादेशी शिष्ट मंडल के लिए व्याख्यान सभागार किराए पर लेना. (ii)सचिव (संस्कृति) के आमंत्रण पर 6 से 9 अप्रैल, 2011 तक बंगलादेशी शिष्ट मंडल का दौरा। (iii) जून, 2011 में बंगलादेशी शिष्टमंडल का दौरा किया गया जो टैगोर की 150वीं जयंती समारोह के संबंध में था। (iv) वेनिक, सचिव (संस्कृति)	**0.02**	**0.00**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						का दौरा भारतीय मंडप के उद्घाटन के संबंध में किया गया (v) सचिव (संस्कृति) आस्ट्रेलिया का दौरा (vi) भारत के दौरे पर आए बंगलादेशी शिष्टमंडल के लिए होटल, ताजमहल को भुगतान किया गया। (vii) माननीय संस्कृति मंत्री के लिए, उनके फ्रांस दौरे के लिए उपहारों की खरीद दारी।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(त)	**जनजातीय/ लोक कला के लिए वित्तीय सहायता**	जनजातीय सांस्कृतिक कला का संवर्धन और प्रचार करना। प्रलेखन और उत्सवों सहित सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करके जनजातीय/लोक कला की समृद्धता के बारे में जागरूकता पैदा करना।	––	**0.25 (टी एस पी के प्रावधान सहित)**	इसके लिये कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं है। सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए व्यक्तियों/संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	इस स्कीम को समीक्षा समिति की सिफारियों के आधार पर बन्द कर दिया गया है। हालांकि, वर्तमान मामलों में 11व्यक्तियों/संगठनों को सहायता प्रदान की गई है।	**0.00**	**0.02**	2008.09 से स्कीम को बन्द कर दिया गया है। तथापि, अनुदान प्राप्त कत्ताओं के आवेदन प्राप्त होने पर वर्तमान मामलों को निपटाया जाएगा।
(थ)	**हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता**	हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, प्रसार और परिरक्षण करना।		**1.50 (टी एस पी के प्रावधान सहित)**	पात्र आवेदनों के प्राप्त होने तथा विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सिफारिशों के अध्यधीन।	गौर सरकारी संगठनों के 11 संगठनों को सहायता अनुदान जारी किया गया है। संशोधित स्कीम को विज्ञापित कर दिया गया है और इसके संदर्भ में आवेदन प्राप्त हुए हैं। सहायता अनुदान प्रदान करने के संबंध में विचार करने के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समिति की बैठक संयोजित की जाएगी।	**0.00**	**0.11**	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित किये जाने वाले प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता तथा संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।
(द)	**बौद्ध/तिब्बती संगठनों के**	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति व परंपरा के वैज्ञानिक	––	**1.00**	पात्र आवेदकों की आवेदन प्राप्ति और विशेषज्ञ सलाहकार	पूर्व वर्ष से संबंधित 61 गैर सरकारी संगठनों को अनुदान	**0.00**	**0.94**	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास एवं परिरक्षण हेतु वित्तीय सहायता	विकास तथा संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान का भी संवर्धन एवं प्रचार करना।			समिति की संस्तुति के आधार पर दी जानी है।	जारी किया गया है।			किये जाने वाले प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता तथा संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ध)	**शताब्दी एवं वर्षगाँठ स्कीम**	महत्वपूर्ण हस्तियों और घटनाओं की शताब्दी/वर्ष गांठ मनाने के लिए स्वयंसेवी संगठनों की वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.80	––	महत्वपूर्ण हस्तियों और घटनाओं की शताब्दी/वर्ष गांठ मनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बहुत से स्वयं सेवी संगठनों को पहचान कर ली गई है।	महत्वपूर्ण हस्तियों और घटनाओं की शताब्दी/वर्ष गांठ मनाने के लिए गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों के लिए 0. 51 करोड़ रूपये को राशि जारी कर दी गई हैं।	0.51	0.00	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	i. गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती का आयोजन	भारत के प्रसिद्ध व्यक्तियों की शताब्दियों के आयोजन हेतु सांस्कृतिक संगठनों/गैर–सरकारी संगठनों, और एमआईसी द्वारा अनुमोदिन अन्य संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	––	50.00	गुरू रबीन्द्र नाथ टैगोर की स्मृति में, वर्ष के दौरान, एनआईसी द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों को किया जा रहा है। उनुमोदित परियोजनाओं के लिए चिन्हित की गई निधि को इन कार्यक्रमों पर व्यय किया जा रहा है। व्यय यिका जाएगा।	(i)रबीन्द्र चित्रकाली, रचनावली, विचित्र परियोजना के लिए उद्घाटन समारोह, विभिन्न कलाकारों और एचसीआई ढाका को इंडो–बांगला के संयुक्त कार्यक्रमों के लिए, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों, एनजीएमए को प्रदर्शनी के लिए, 3 अकादमियों को और देश के बाहर उच्च आयो, विभिन्न राज्य–सरकारें को, समाचार–पत्रों और प्रकाशकों, एनएफडीसी के विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों आदि के अनुमोदित समारोहों के कार्यक्रमों के लिए निधि जारी की गई।	0.00	18.16	राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति ने 3 सितम्बर को दो प्रस्तावों का अनुमोदन कर दिया था, जिनको लागत 100.70 करोड़ रूपये थी और 26 मई, 2011 को दूसरी बैठक में इस के द्वारा 7 प्रस्तावों का अनुमोदन किया, जिनकी लागत 36 करोड़ रूपये थी। इसमें से, निधि को पहली किस्त के रूप में अब तक केवल 2.25 करोड़ रूपये जारी किया गया है। दिसम्बर, 2011 तक किसी भी उल्लेखनीय प्रत्यक्ष उपलब्धि की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।
	ii. स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयंती का आयोजन	इन लोगों द्वारा आम लोगों के बीच किये गये साहित्यिक एवं धार्मिक योगदान सहित कला एवं संस्कृति का प्रसार करना।	––	20.00	राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति (एनआईसी) द्वारा अनुमोदित विभिन्न प्रस्तावों का कार्यान्वयन किया जाएगा। जिससे 2011–12 में संपूर्ण भारत में, उनके द्वारा कला और संस्कृति के क्षेत्र में किए गए योगदान को प्रतिविम्बित किया जा सके।	(ii) सभी प्रस्ताव उन्हें लागू किए जाने के पूर्व, राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति (एनआईसी) द्वारा अनुमोदित किए जाने चाहिए।	0.00	12.33	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(न)	**राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए स्वयं सेवा संगठनों की वित्तीय सहायता**	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	**1.50**	––	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए बहुत से स्वयंसेवी संगठनों की पहचान कर ली गई है।	इस स्कीम के अंतर्गत (योजनेत्तर) 0.24 करोड़ रूपये स्वयंसेवी संगठनों के लिए जारी किया गया है।	**0.24**	**0.00**	
(प)	**सांस्कृतिक संगठनों को भवन अनुदान**	नृत्य, संगीत, ललित कला, इंडोलॉजी और साहित्य के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों को भवन निर्माण और सामग्री खरीदने के लिए अनुदान देना।	––	**6.00**	सांस्कृतिक गतिविधियों में लगे हुए व्यक्तियों/संगठनों के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं है तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों और प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	20 संगठनों को सहायता प्रदान की गई है।	**0.00**	**0.60**	विज्ञापन दिए गए हैं और सुपात्र मामलों के निधि जारी करने के लिए विशेषज्ञ समितियाँ आयोजित की जाती हैं।
(फ)	**राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता**	राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थाओं/संगठनों को वित्तीय सहायता देना।	**3.10**	**4.00**	यह अनुदान राष्ट्रीय स्तर के आर के मिशन, इन्टेक एवं स्पिक मैके और जैसी अग्रणी संस्थाओं को दिया जाएगा।	आर के मिशन को योजनागत और योजनेत्तर गति विधियों के लिए अनुदान दिया गया था और अन्य जिनमें इनटैक और स्पिमैकी शामिल हैं, उनको योजनागत अनुदान के तहत तिधि जारी की गई है।	**2.12**	**1.99**	
(ब)	**सांस्कृतिक संगठनों का विकास (सांस्कृतिक समारोह**	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार एवं परिसंवाद आयोजित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यकलापों में	––	**5.40 (टी एस पी के प्रावधान सहित)**	विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुसार संगठनों को अनुदान दिया जाना है।	इस स्कीम के अंतर्गत 457 मामलों को अनुमोदन प्रदान किया गया है।	**0.00**	**5.28**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अनुदान स्कीम)	लगे हुए राष्ट्रीय ख्याति के स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान प्रदान करना।							

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(झ)	**त्वांग मठ**	परम्परागत बौद्ध कलाओं एवं संस्कृति के परिरक्षण हेतु मठ वासियों को शिक्षित करना और बौद्ध सांस्कृतिक अध्ययनों के केन्द्र के रूप में कार्य करना।	––	0.01	मठ अपने संग्रहालयों के रख–रखाव के साथ–साथ अनवरत कार्यक्रम जारी रखेगा। सैंड मंडल एवं बटर स्कल्पचर जैसी लुप्त हो रही कलाओं को मठों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करके इन्हें पुनर्जीवित किया जाएगा।	मठ ने अपने चल रहे कार्यक्रमों को अनवरत जारी रखा।	0.00	0.75	इस मठ की गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, पूर्वोत्तर क्षेत्रको आबंटित निधि से की जाती हैं।
(ञ)	**तिब्बत हाउस, नई दिल्ली**	तिब्बत हाउस का मुख्य उद्देश्य, तिब्बती संस्कृति का संवर्धन, परिरक्षण और संरक्षण करना, तिब्बत और गैर–तिब्बती कलाकारों व शिल्पकारों के बीच विचारों और तकनीक के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना है।	––	0.50	तिब्बत हाउस संग्रहालय के अनुरक्षण सहित अपने वर्तमान में जारी कार्यक्रमों को कार्यान्वित करना जारी रखेगा।	तिब्बत हाउस ने तिब्बती बौद्ध अध्ययन और संस्कृति की जागरूकता के लिए अपने कार्यक्रम–समन्वय से संबंधित गतिविधियों को लागू किया है और अपने संग्रहालय का भी अनुरक्षण किया है।	0.00	0.38	
(ट)	**केन्द्रीय हिमालयी संस्कृति अध्ययन संस्थान, दाहुंग, अरूणाचल प्रदेश**	भारत की बौद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रोत्साहन एवं परिरक्षण करना।	0.00	0.01	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति से संबंधित पूर्व–स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अवसंरचनात्मक एवं भवन संबंधी सुविधाओं का कार्य शुरू किया जाएगा।	यह संस्थान, पूर्वोत्तर निधि की अवसंरचात्मक और भवन–निर्माण परियोजना के तहत अनुदान प्राप्त करता रहा है। शौक्षिक कार्य कलाप जारी रहे हैं।	0.00	5.26	शिक्षा प्रदान करना एक सतत प्रक्रिया है। योजनागत निधि का आबंटन पूर्वोत्तर क्षेत्र निधि के तहत किया जाता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(र)	**जलियांवाला बाग स्मारक का विकास**	इस स्मारक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इसके स्तर और महत्त्व के अनुरूप इसके वृहत विकास का कार्य शुरू करना।	0.50	0.40	स्मारक के उन्नयन हेतु विकास कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।	यह स्मारक अनुरक्षण अनुदान, योजनेत्तर और उन्नयन तथा विकास कार्यों के लिए योजनागत मदों के तहत प्राप्त करता रहा है।	0.00	0.00	दिसम्बर, 2011 तक कोई भी अनुदान जारी नहीं किया गया है।
(ल)	**मानवता की अमूर्त विरासत एवं सांस्कृतिक विविधता के परिरक्षण और संवर्धन की स्कीम (यूनेस्को अधिवेशन में उठाई गई बात)**	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण पर यूनेस्को अधिवेशन में उठाई गई बात की बाध्यता को पूरा करने के लिये।	---	0.50	सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए व्यक्तियों/संगठनों के लिये कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं है एवं इन्हें प्रस्तावों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	संबंधित संस्थानों/स्वयंसेवी संगठनों को इस स्कीम के तहत सहायता अनुदान अभी जारी किया जाना है।	--	0.00	
(व)	**भारतीय संस्कृति एवं विरासत के बारे में जागरूकता के संवर्धन एवं प्रोत्साहन हेतु योजनागत स्कीम**	मंचन कलाओं एवं थियेटरों के माध्यम से संस्कृति एवं विरासत के संवर्धन से संबंधित कार्यकलापों को शुरू करना।	--	0.01	भारतीय संस्कृति के विकास और प्रसार के लिए गैर–सरकारी संगठनों और गैर–लाभार्थी संस्थानों को वित्तीय सहायता देने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।	इस स्कीम 2011–12/2012–13 में लागू करने के लिए संशोधित दर दी गई है। संशोधित स्कीम में इसके 3 घटक हैं। 2 घटकों के तहत अनुदान इस में जारी किए जाने की आशा है।	--	0.00	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(श)	**सांस्कृतिक विरासत स्वयंसेवी (सीएचवी) स्कीम/सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व काग्रक्रम**	युवा लोगों की सामाजिक भागीदारी तथा नागरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी को सुनिश्चित करके उन्हें सीमान्तीकरण तथा उपेक्षा से बचाना।	---	**0.01**	यह स्कीम मंत्रालय के माध्यम से कार्यान्वित की जाएगी। स्कीम में संशोधन किया जा रहा है।	नई स्कीम का शुभारंभ दिनांक 19 नवम्बर, 2011 को, एक समारोह में अनुमोदित क्रियान्वयन अभिकरणों (एजेंसियों) के माध्यम से माननीया संस्कृति मंत्री ने कर दिया है।	--	**0.00**	
(स)	**सांस्कृतिक उद्योगों के लिए प्रमुख/अग्रगामी स्कीम**	सृजनात्मक अभिव्यक्ति, पारंपरिक डिजाइनों की व्यापक विविधता तथा शिल्पों की अनंत विविधता को सांस्कृतिक उद्योग उत्पादों में बदलना।	--	**0.49**	अपने क्षेत्रों में स्थित सांस्कृतिक उद्योगों के लिए पायलेट सर्वेक्षण पूरा करने के लिए जेड सी सी को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस स्कीम को क्रियान्वित करने के लिए अन्य सुविधाऐं भी प्रदान की जाएंगी।	2 जेडसीसी से उपयोगिता प्रमाण–पत्र प्राप्त न होने की वजह से समीक्षाधीन अवधितक उन्हें आगे निधियां जारी करना रोक दिया गया है।	--	**0.00**	
(कक)	**बहुउद्देशीय सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता। इसमें बच्चों के लिए परिसर शामिल हैं। (दिनांक 07. 05.2011 को इसका पुनः नामकरण टैगोर परिसर कर दिया गया है)।**	हमारे जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना, युवाओं को समाज में सौन्दर्य बोध तथा नैतिक दृष्टि से क्या अच्छा है, के प्रति भावुक बनाना; युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध कराना तथा एम. पी. सी. सी. के माध्यम से मंच कला और साहित्य का संवर्धन करना।	--	**5.50**	एम पी सी सी स्कीम को पुररूज्जीवन देने तथा इसको पनुः सेशोधन करके लागू करने कके प्रस्ताव के कारण, नई परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त निधि की आवश्यकता होगी।	राष्ट्रीय मूल्यांकन समिति ने 13 प्रस्तावों के लिए सिद्धान्त रूप में अनुमोदित कर दिया है।	--	**0.00**	
(खख)	**ज्ञान संस्थाओं**	इसमें अध्येताओं/शिक्षाविदों	--	**1.50**	15 टैगोर अध्येतावृत्तियां 25	15 टैगोर राष्ट्रीय अध्येता	---	**0.06**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	में नम्य नियोजन सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति के लिए स्मीक)।	के संस्थाओं में परियोजनाओं तथा संस्थाओं के मुख्य उद्देश्य से सम्बंधित अनुसंधान कार्य को शुरू करने के पार्श्विक संचलन तथा उन्हें नई सृजनात्मकता से समृद्ध करने की परिकल्पना की गई है।			टैगोर अनुसंधान वृत्तियां अवार्ड की जानी हैं।	वृत्तियों के चयन की प्रगति अपने अंतिम पड़ाव पर है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(गग)	**साहित्यिक कार्यकलापों में लगी हुई संस्थाएं/व्यक्ति**	साहित्यिक कार्यकलापों के विकास में लगे हुए अखिल भारतीय स्तर के सभी संगठनों को सहायता प्रदान करना।	0.10	––	संस्थाओं/व्यक्तियों को सहायता प्रदान की जाएगी।	एतिहासिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता को 10 लाख रूपये की राशि जारी कर दी गई है। एक लाख रूपये को राशि को अभी जारी किया जाना है।	0.10	––	
(घघ)	**अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यकलाप और इन्डो–फॉरेन फ्रेंडशिप सोसायटी को अनुदान**	फ्रैंडशिप सोसायटी के द्वारा भारतीय संस्कृति के सदभाव को मजबूत करने और भारत और विदेशाी संबंधित देशों के मध्य सम्बंधों को मजबूत करने के लिए नजदीकी दोस्ती और सांस्कृतिक सम्पर्क स्थापित करना।	1.00	––	भारतीय मिशन, इंडाफारेन फ्रेंडशिप सोसाइटी की भारतीय संस्कृति के प्रसार के लिए अनुदान देने के लिए प्रधिकृत हैं।	एमईए को विदेशों में फ्रेंडशिप सोसाइटी के तहत भारतीय संसकृति का विदेशों में प्रसार करने के संबंध में 63 मिशनों का अनुदान जारी करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।	1.38	––	
(ड.ड.)	**विदेशों में भारतीय साहित्य**	6 यूएनओ भाषाओं में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना।	––	0.45	6 यूएनओ भाषाओं में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना।	(i)सुश्री नमिता गोखले, परियोजना परामर्श दाता को दिनांक 3.5.2011 को आईएलए में अयोजित सलाहकार समिति को बैठक के संबंध में भुगतान किया गया। (ii) सुश्री नमिता गोखले,	––	0.00	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						परियोजना परामर्श दाता को दिनांक 8.5.2011 को आईएलए में आयोजित सलाहकार समिति की बैठक के संबंध में भुगतान किया गया।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(चच)	**मंचन कलाओं हेतु राष्ट्रीय केन्द्रों की स्थापना करना**	मंचन कला हेतु सांस्कृतिक शो की मेजबानी करना।	––	0.01	नई स्कीम को शुरू करने हेतु एक सांकेतिक प्रावधान किया गया है।	इस स्कीम को 2012–13 से लागू करने के संबंध में स्कीम के ब्यौरा तैयार कर लिए गए हैं।	––	0.00	
(छछ)	**राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन** **दांडी से संबंधित परियोजनाएं**	पुनरूद्धार, अनुरक्षण, संरक्षण एवं विकास के लिये साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में गांधी विरासत स्थल पोर्टल की स्थापना तथा गांधी विरासत स्थलों का विकास एवं गांधी जी के लेखनों/प्रकाशनों आदि का परिरक्षण भी करना।	––	3.00	''गांधी विरासत'' सामग्री की, इसके प्रबंधन के लिए और संरक्षण पक्रिया विज्ञान आदि के लिए पहचान, संग्रह और सूचना का मूल्यांकन।	4.00 करोड़ रूपये की समग्र निधि, गांधी विरसत स्थल पोर्टल की स्थापना के लिए जारी ाकी गई है।	––	3.00	
(जज)	**अंतर्राष्ट्रीय कला परिषदों एवं सांस्कृतिक एजेंसियों का संघ (आईएफएसीसीए)**	60 देशों के संस्कृति मंत्रालय और कला परिषदें आईएफएसीसीए की सदस्य हैं।	0.05	––	आईएफएसीसीसए में शामिल होने के लिये वार्षिक तौर पर अंशदान किया जाता है।	समीक्षाधीन अवधि के दौरान, इस संघ के लिए अभी अभिहान दिया जाना है।	0.00	0.00	
	एजेंसिया	आईएफएसीसीए के सदस्य				समीक्षाधीन अवधि			
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन मुख्यतः देश की निर्मित विरासत के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण तथा प्राचीन स्मारकों एवं स्थलों के	287.00	152.00			222.03	113.64	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पर्यावरणीय विकास हेतु कार्यरत है।							स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
i	प्राचीन स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण : पर्यावरणीय विकास सहित उनका रखरखाव और अनुरक्षण।	केन्द्रीय स्तर पर संरक्षित प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण हेतु।			केन्द्रीय रूप से संरक्षित लगभग 1700 स्मारकों में संरचनात्मक संरक्षण कार्य, रासायनिक परिरक्षण तथा प्राथमिकता आधार पर बागवानी अभियान, प्रतिबद्धताएं एवं उपलब्ध जनशक्ति एवं वित्तीय संसाधन।	स्मारकों का बेहतर संरक्षण और परिरक्षण और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ाना। स्मारकों की क्षीणता को रोकने के लिए वैज्ञानिक संरक्षण। संरक्षण–कार्य, एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है।			प्राकृतिक आपदाएं।
ii	पर्यटकों को मूल सुख सुविधाएँ प्रदान करना।	प्राचीन स्मारकों में मूल सुख सुविधाओं का विकास, जिसमें प्रसाधनों, पेयजल सुविधाओं आदि का विकास करना शामिल है।			स्मारको, जिनमें विश्व विरासत स्मारक और स्थल, शामिल है, में बेहतर आगन्तुक सुविधाएं तथा अन्य सुख–सुविधाएं जिनमें सूचना केन्द्र, जन–सुविधाएं, आधुनिक टिकट काउंटर, अच्छे संकेतक, पेयजल सुविधाएं इत्यादि शामिल हैं, विशेष रूप से 19 विश्व विरासत स्मरक और 116 टिकट वाले स्मारकों में प्रदान की जाएगी।	विश्व विरासत स्मारकों एवं स्थलों सहित विभिन्न स्मारकों पर अच्छी पर्यटक सुविधाएं तथा अन्य सुख–सुविधाएं प्रदान करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने कई परियोजनाएं चला रखी हैं।			
iii	उत्खनन एवं अन्वेषण	पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन तथा गांव–दर–गांव सर्वेक्षण तथा समस्योन्मुख सर्वेक्षण के			1. 18 पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन और 20 पुरावशेषों अन्वेशण है। 2. समस्योन्मुख सर्वेक्षण।	कॉलम 5 में वर्णित सभी कार्य जारी हैं क्योंकि ये सतत रूप से जारी रहने वाली परियोजनाएं हैं।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		तहत पुरातत्व विषयक अवशेषों का अन्वेषण।			3. आई आई टी, कानपुर के साथ सहयोग से लाथिया, जिला गाजीपुर के उत्खनन स्थल पर पेनीट्रेटिंग रैडार सिस्टम (जीपीआर) का प्रयोग करते हुए पुरातत्वीय खोजें। 4. मशीनों, उपकरणों और संयंत्रों की खरीद। 5. मन्दिर वास्तुशिल्प का सर्वेक्षण। 6. भवन सर्वेक्षण परियोजना। 7. विश्वविद्यालयों/शोध संस्थानों को उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता। 8. प्रकाशनों के लिए वित्तीय सहायता। 9. पानी के अन्दर पुरातत्वीय विंग। 10. एपीग्राफीकल सर्वेक्षण, अभिलेखों का फोटो प्रलेखन इत्यादि।				
iv	पुरातत्वीय स्थल संग्रहालयों का विकास	पुरातत्वीय संग्रहालयों का रखरखाव/विकास			1. 10 अन्य संग्रहालयों का चरणबद्ध आधुनिकीरण/ उन्न्ययन 2. पिपराहवा और ललिता गिरि में नई संग्रहालय की खोलना। 3. 10 स्थल संग्रहालय की	चलू प्रक्रिया स्वतः स्पष्ट है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					दीर्धाओं का पुनर्गठन 4. ब्रोचर/लोकप्रिय साहित्य के प्रकाशन। 5. 44 स्थल संग्रहालयों का अनुरक्षण। 6.2 स्थल संग्रहालयों को लाल किला, दिल्ली में स्थात्ररित करना।				
v	i. प्रकाशन	1. अकादमिक एवं सूचनार्थ श्रंखला के तहत प्रकाशन।			नया मुद्रण अकादमिक 1. भारतीय पुरालेख–एक समीक्षा– 3 अंक 2. उत्खनन रिपोर्ट– 4 अंक सूचनार्थ 1. गाईड बुक्स– 2 अंक 2. विशेष प्रकाशन पुर्नमुद्रण सूचनार्थ 1. गाईड बुक्स –2 अंक 2. कोई अन्य प्रकाशन (स्टाक बाह्य) विशेष श्रृंखला ब्रोचर्स। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सर्किल और शाखा कार्यालयों	नया मुद्रण अकादमिक 1. भारतीय पुरालेख– एक समीक्षा– 3 अंक 2. उत्खनन रिपोर्ट–4 अंक सूचनार्थ 1. गाईड बुक –2 अंक 2. विशेष प्रकाशन पुर्नमुद्रण सूचनार्थ 3. गाईड बुक –2 अंक 4. कोई अन्य प्रकाशन (स्टाफ बाह्य) ब्रोचर्स भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सर्किल और शाखा कार्यालयों			उदाहरणों के साथ पांडुलिपियों की प्राप्ति नहीं और पाठ के लिए अनापत्ति तथा सक्षम प्राधिकारी के अनुमति के अधीन है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ii. सांस्कृतिक जागरूकता	हमारी समृद्ध विरासत के बारे में आम लोगों में जागरूकता पैदा करने तथा ज्ञान के प्रसार हेतु एएसआई के सर्किल एवं शाखा कार्यालयों द्वारा विश्व विरासत तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन किया गया।			के माध्यम से विश्व विरासत और दूसरे महत्वपूर्ण दिवसों को फोटो प्रदर्शनियां, प्रश्नोत्तरी/निबंध, चित्रकारी प्रतियोगिता, कार्यशाला और दूसरी सांस्कृतिक घटनाओं को विद्यालय/कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए समारोह के रूप में मनाना।	के माध्यम से विश्व विरासत और दूसरे महत्वपूर्ण दिवसों को फोटो प्रदर्शनियां, प्रश्नोत्तरी/निबंध, चित्रकारी प्रतियोगिता, कार्यशाला और दूसरी सांस्कृतिक घटनाओं को विद्यालय/कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए समारोह के रूप में मनाना।			
vi	राष्ट्रीय प्राचीन स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन	(क) मिशन का उद्देश्य मुख्य कार्यकलापों को करना है जैसे राज्य सरकारों और विश्वविद्यालयों के नियंत्रण के अन्तर्गत संग्रहालयों, ए एस आई के संग्रहालय स्थलों में फैली हुई वस्तुओं का प्रलेखन। (ख) असंरक्षित स्मारकों और स्थलों पर डाटा सग्रंहण। (ग) विभिन्न अभिलेखीय सस्थानों/संगठनों और प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित करने वाले			1. एएसआई के 42 स्थल संग्रहालयों में रखी गई प्राचीन वस्तुओं का प्रलेखन कार्य करना जिनमें लगभग 1 लाख प्राचीन वस्तुएं शामिल हैं। 2. एएसआई के 24 सर्किलों के स्क्ल्पचर शैडों में रखी गई लगभग 50 हजार प्राचीन वस्तुओं का दस्तावेजीकरण। 3. एएसआई के केन्द्रीय प्राचीन वस्तु संग्रह में रखी गई लगभग 1 लाख वस्तुओं का दस्तावेजीकरण। 4. 29 राज्यों एवं 6 संघ शासित प्रदेशों के अंतर्गत 251 पुरालेखीय संग्रहालयों में रखी	1. दो टेम्पलेट्स नामत : विरासत एवं स्थल तथा एंटीक्विटीज तैयार की गई हैं। 2. द्वितीय स्रोतों से प्राप्त असंरक्षित भवन विरासत एवं स्थलों पर सूचना वाली लगभग 80 हजार सूचियों का प्रलेखन किया गया है। #) लगभग 3,50,000 एंटीक्विटीज का प्रलेखन किया गया है। 3. भवन विरासत एवं स्थलों पर लगभग 35,000 फोटो नेगेटिव को डिजिटाइज्ड किया गया है। 4. पोर्ट ब्लेअर में क्षेत्रीय			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संस्थानों के अभिलेखीय चित्रों का डिजिटीकरण।			गई प्राचीन वस्तुओं का दस्तावेजीकरण। 5. 35 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों में द्वितीय स्रोतों अर्थात प्रकाशित एवं अप्रकाशित दोनों की असंरक्षित भवन विरासतों पर डाटा एकत्रित करना। 6. एएसआई के डाटा बैंक में निहित 4 लाख प्राचीन पंजीकृत वस्तुओं का डाटा बेस तैयार करना तथा उसे डिजिटाइज्ड करना। 7. एएसआई के 24 सर्किलों, 6 शाखाओं, 2 मन्दिर सर्वेक्षण परियोजनाओं एवं 1 भवन सर्वेक्षण परियोजना में उपलब्ध पुरालेखीय ड्राइंग का डिजिटाइजेशन करना। 8. 3675 केन्द्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों एवं स्थलों का डाटा बेस तैयार करना। 9. राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों के 10 अलग–अलग स्थलों पर संग्रहालय में कार्यरत व्यक्तियों हेतु कार्यशालाओं का आयोजन करना।	प्रशिक्षण सह समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					10. स्कूली बच्चों हेतु विरासत जागरूकता पर आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन 29 राज्यों की राजधानियों एवं 6 संघ शासित प्रदेशों में किया जाएगा। 11. क्षमता निर्माण के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 29 राज्यों के संबंधित राज्य अधिकारियों तथा गैर–सरकारी संगठनों के लिये विरासत संरक्षण एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।				
18	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों और उनके पूर्ववर्ती निकायों के स्थायी महत्व के वर्तमान–भिन्न अभिलेखों का संरक्षक है। अभिलेख प्रबंधन कार्यकलापों तथा उनके स्थायी परिरक्षण और भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग हेतु नोडल एजेंसी।	**15.90**	**5.00**			**13.83**	**3.84**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
(i)	अभिलेख	i) सार्वजनिक अभिलेखों			10,000 फाइलों/रिकार्डो का	1,11,242 रिकार्ड फाइलों			सामान्यतः

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रबंधन कार्यक्रम का विस्तार	का प्रापण। ii) फाइलों का मूल्यांकन। iii) सार्वजनिक रिकार्डों का सर्वेक्षण एवं निरीक्षण iv) अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण। v) अभिलेखीय सलाहकार बोर्ड की बैठक आयोजित करना। vi) सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम, 1993 पर डी. जी. ए. की 9वीं तथा 10वीं रिपोर्ट का संकलन। vii) डी. आर. ओ. के लिए आर. एम. में प्रबोधन पाठ्यक्रम आयोजित करना। viii) मंत्रालय/विभाग/ कार्यालयों के डी. आर. आर. के निरीक्षण।			प्रापण। रिकार्डों की 10,000 फाइलों का मूल्यांकन। विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 40,000 मूल्यांकन किये गये रिकार्डों को वार्षिक रूप से जारी की जाने वाली अनुसूची–। की बैठक में 10 रिकार्डों को बनाए रखने के लिये पुनरीक्षा हेतु स्थान्तरित किया जाएगा तथा इसके बाद अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी। 12 वीं एवं 13वीं डीजीए रिपोर्ट का संग्रह कार्य पूरा किया जाएगा। 7 पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 12 डीआरआर का निरीक्षण किया जाएगा।	का मूल्यांकन। दिसम्बर, 2010 तक स्थान्तरित की गई कुल फाइलों की संख्या–1,24,763, प्रत्यक्ष रूप में सत्यापित की गई फाइलें–66,101, एनएआई में प्राप्त रिकार्ड फाइलें में से जो प्रबंधन प्रक्रिया में हैं 27,418 फइलें, सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम पर परामर्शी समिति की रिपोर्ट सचिव को प्रस्तुत कर दी गई है। संस्कृति मंत्रालय पुनः बातचीत करने का प्रस्ताव किया है। रिकार्ड बनाए रखने की 2 अनुसूचियों का मूल्यांकन किया गया। अब तक 6 विभागोय निरीक्षण किए जा चुके हैं। सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम 1973 और सार्वजनिक रिकार्ड नियम, 1977 से संबंधित डीजीए को 12वीं रिपोर्ट का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। 13वीं डीजीए रिपोर्ट के लिए एफआर प्राप्त हो गए हैं। पुनश्चर्या पाठ्यक्रम			योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						आयोजित किए गए, 24 डीआरओ/आरओ नामन–पत्र प्राप्त हो चुके है।।			
(ii)	मरम्मत एवं रेप्रोग्राफी का विस्तार	अभिलेखों की मरम्मत, पुस्तकों/खण्डों की जिल्दसाज़ी/सुरक्षा माइक्रोफिल्मिंग की तैयारी, सुरक्षा माइक्रोफिश फिल्मों की तैयारी, माइक्रोफिल्मों की पाज़ीटिव प्रिंटिंग, मांग के अनुसार विद्वानों को प्रतियों (ज़ेरॉक्स/फोटो/रीडर/माइक्रो फिल्म) की आपूर्ति। माइक्रोफिल्म का कार्य बाहर से कराना/एनएआई में उपलब्ध नेगेटिव माइक्रोफिल्म रोल की पोजिटिव माइक्रोफिल्मिंग का कार्य बाहर से कराना।			1,10,000 शीटों की मरम्मत की जानी है। 80 पुस्तकों/ 200 खण्डों और 1000 विविध खण्डों की जिल्दसाज़ी की जानी है, 720 रोलों की माइक्रोफिल्म तैयार करनी है, पाम, टेस्ट, और तलत पत्रियों के प्रत्येक के 100 बंडलों का अनुरक्षण, शुरूल रिकार्ड–100, जगदेव रिकार्ड–100, 1300 नदारात्मक/सकारात्मक माइक्रो फिल्म बनानी हैं। 5 लाख रिकार्ड अग्रगामी आधार पर डिजिटीकृत छायाओं के लिए तैयार करने हैं 60.000 इक्सपोजर पूर्ण किए जाने हैं। 28,000 मीटर मुद्रण किया जाना है। अध्येताओं के लिए प्रतियां भेजनी हैं। माइक्रोफिल्म, स्कैनर के माध्यम से 396000 छायाओं की स्कैनिंग की जानी है। पांडुलिपियों को डिजिटीकरण–300 छायाएं।	89900 शीटों की मरम्मत खंड–155, पुस्तकें–238 और 1413 विविध मदों की जिल्दसाजी कर दी गई। 157/खंड, 389 पुस्तकें और 1318 विविध मदों की सिलाई की गई। 1,20,565 शीटों को मरम्मत और लैमिनेशन, 725 प्रक्रिया खंडों की सिलाई और जिल्दसाजी की गई। पुस्तकालय सामग्री या दुर्लभ और महत्वपूर्ण पुस्तकों और प्रकाशन की मरम्मत और जिल्दसाजी के तहत 1,19,449 शीट की मरम्मत और लैमिनेशन, और 515 खंडों की सिलाई और जिल्दसाजी की गई। निरोधकः पाम लोक पांडुलिपियों के 689 बंडल, पेपर पांडुलिपि का संग्रहाली संरक्षण 4281 शीट 11000 पृष्ट और			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						माइक्रोफिल्म दिल्स को बाहर की एजेंसियों द्वारा नकारात्मक (–) माइक्रोफिल्म (+) करने का कार्यकराया गया।			
(iii)	पुस्तकालय का विस्तार और प्रशासन	पुस्तकों की खरीद कम्प्यूटर में डाटा एंट्री डाटा इनपुट शीटों को तैयार करना।			पुस्तकों/पत्र–पत्रिकाओं की प्राप्ति कमांक – 700, डाटा इनपुट शीट तैयार करना–700,5पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण – 700 तैयार किए गए पुस्तक कार्ड – 1500	5231 पुस्तकें प्राप्त की गई, 3049 पुस्तकों में प्राप्ति क्रमांक डाला गया, 2551 पुस्तकों को वर्गीकृत किया गया, 2788 पुस्तक की डाटा प्रविष्टि का कार्य पूरा किया गया, 7905 के संदर्भ सूची कार्ड भरे गए, 9534 पुस्तकें। पत्रिकाएं, 1725 अध्येता अपुस्तकालय में आए, 8855 पुस्तकें/पत्रिकाएं जारी की गईं।17,442 पुस्तकों के जीर्णद्वार की प्रक्रिया पूरी की गई और 3321 पुस्तकें जिल्दसजी से प्राप्त हुई और 5220 पुस्तकों को लेमिनेशन के लिए और 100 को माइक्रोफिश के लिए भेजा गया।			
(iv)	राष्ट्रीय पंजीकरण या निजी रिकार्डस (एनआरपीआर)	एम आर पी आर खण्डों का प्रकाशन			खण्ड 24 और 25 को संकलित किया गया और उन्हें पूरा कर लिया गया है।	एनआरपीआर के खंड 24 के संकलन और सम्पादन का कार्य प्रगति पर है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(v)	अभिलेखीय अध्ययन स्कूल के कार्यकलापों का विस्तार	क) अभिलेखागार एवं रिकार्ड प्रबंधन में एक वर्ष का डिप्लोमा ख) अभिलेखीय प्रबंधन एवं संबद्ध शाखाओं में अल्पावधि पाठ्यक्रम ग) मासिक बातचीत, स्कूल पुस्तकालय के परिरक्षण रिकार्ड प्रबंध और विस्तार पर कार्यशाला और सेमिनार, स्कूल पुस्तकालय का विस्तार।			(क) अभिलेख और रिकार्ड प्रबंध 2010–11 में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा किया जाना है और डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2011–12 आरम्भ किया जा रहा है। (ख) क. रिकार्ड प्रबंध में अल्पावधि के 2 पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने है। ख. रेप्रोग्राफी–2 पाठ्यक्रम ग. रिकार्ड की सर्विस और रिपेयर–2 पाठ्यक्रम घ. पुस्तकों/एमएमएस/अभिलेख के देख–भाल और अनुरक्षण के 2 पाठ्यक्रम ड. अभिलेख प्रबंध–1 पाठ्यक्रम, कैलियोंग्राफी में लघु पाठ्यक्रम का प्रारंभ–1 ग. 2 सेमिनार आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।	2010–11 पाठ्यक्रम पूण्र हो गया है और अंतिम परीक्षा तथा मौखिक परीक्षाएं आयोजित करके परिणाम 31. 10.2011 को परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। पाठ्यक्रम है 63 आवेदन थे। रूझान परिक्षण और साक्षात्कार 12/13.10. 2011 को किया गया। पाठ्यक्रम में 18 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, इसके अतिरिक्त 6 प्रायोजित अभ्यर्थी थे। रिकार्ड प्रबंध, रिप्रोग्रैफी, सर्विसिंग और रिकार्ड की मरम्मत तथा पुस्तकों/पांडुलिपियों/अभिलेखों को देखभाल और अनुरक्षण–प्रत्येक के लिए 2 पाठ्यक्रम अभिलेख प्रबंध प्रांरभ किया जाना है! मई और जूलाइ में 2 काग्रशालाएं आयोजित की गई थी। रिकार्ड प्रबंध में, विभाग के 29 अधिकारियोंने कार्यशालाओं में भाग लिया। अभिलेख और प्रबंध पाठ्यक्रम में एक वर्षीय			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						डिप्लोमा के लिए 6 माह के इंटर्नशिप प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। अध्ययन बोर्ड की एक बैठक आयोजित की जानी है।			
vi	पूर्वी क्षेत्र में एक रिकार्ड केन्द्र की स्थापना करना	क. गैर–समसामयिक रिकार्डों की प्राप्ति तथा सर्वेक्षण करना ख. रिकार्डों का मूल्यांकन करना ग. रिकार्ड रिटेंशन अनुसूची की पुनरीक्षा करना घ. इंटेक, भुवनेश्वर द्वारा रिकार्डों की मरम्मत तथा परिरक्षण			उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के गैर–समसामयिक रिकार्डों की प्राप्ति तथा संरक्षण। 2000 फाइलों का मूल्यांकन किया जाएगा। 2 रिकार्ड रिटेंशन अनुसूची की पुनरीक्षा की जाएगी। प्रति कार्य दिवस 30 शीट।	पूर्वोत्तर में सरकारी कार्यालयों का सर्वेक्षण करने के बाद, सार्वजनिक एवं ओरियंटल रिकार्डों की श्रृंखला के 384 रिकार्ड एन्ड्रू यूले कम्पनी, कोलकाता से प्राप्त किये गये। मयूरभंज एसडी नंदा से गजैट्स के नौ खण्ड प्राप्त किये गये। पेटेंट और डिजाइन की 70000 फाइलें स्थानान्तरण के लिए तैयार हैं, खान सुरक्षा, महादिनेशक, धन्यबाद और भारत सरकार स्टेशनरी कार्यालय की 2305 पुरानी फाइलों का मूल्यांकन किया गया। 21949 शीटों की मरम्मत लैमिनेशन किया गया। पी एंड डी कोलकाता की 12175 फाइलों की सूची बनाई गई।			
vii	पाण्डुलिपियों/ दुर्लभ पुस्तकों	मूल्यवान दस्तावेज प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ			अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जानी है।	18 गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान समिति की			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	के परिरक्षण हेतु एनजीओ को वित्तीय सहायता की स्कीम	राज्य क्षेत्र में व्यक्तियों/ एन जी ओ को वित्तीय सहायता देना।			समिति द्वारा संस्तुत राशि को संस्तुत संस्थाओं को जारी किया जाना है।	सिफारिशों के आधार पर अनुदान संस्वीकृत किया गया है। वर्तमान स्कीम के संशोधन के बाद कुल 85 प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जॉच करके अन्हें अनुदान समिति के सम्मुख प्रस्तत करने के लिए तैयार हें। संगठनों को 10.42 लाख रू. की राशि भी जारी की गई।			
19	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	यह भारत में कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रापण, प्रदर्शनी और शैक्षिक कार्यकलापों के महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न है।	**8.45**	**10.00**			**6.33**	**5.18**	सामान्तय योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चों के लिए होता है।
(i)	कलावस्तुओं तथा घटनाओं का फोटो प्रलेखन।	संग्रहालय संग्रह का रंगीन फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया गया। • लघु चित्र कला • मध्य एशियाई			संग्रहालय संग्रह का रंगीन फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया जाना है। • लघु चित्र कला • मध्य एशियाई पुरावस्तुएं	100% लक्ष्य की प्राप्ति की जाएगी।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पुरावस्तुएं • पाण्डुलिपियाँ			• पाण्डुलिपियाँ				
(ii)	संग्रहालय का प्रदर्शन एवं आधुनिकीकरण, मौजूदा वीथियों का पुर्नगठन। रिजर्व भण्डार का पुर्नगठन।	अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के अनुसार वहाँ वीथियों और वस्तुओं के प्रदर्शन की व्यवस्था करना।			• ज्वैलरी वीथी • केन्द्रीय एशियाई वाल पेंटिंग वीथी • पाण्डुलिपि वीथी • ब्रांज वीथी • प्री–कोलम्बियन एवं पश्चिम कला वीथी • मैरी टाइम हेरिटेज वीथी • एंथ्रोपोलॉजी • प्रिकोलम्वियन एवं पश्चिम कला • तंजाउर वीथी • डिकोरेटिव कला वीथी का पुर्नगठन • कस्ट्यूम वीथी का निर्माण	डिकोरेटिव कला–1 का नवीकरण और आधुनिकी करण का 60% कार्य पूरा हो गया है। • तंजाउरवीथी के नवीकरण और आधुनिकीकरण का 95% कार्य पूरा हो गया है। • प्रथम और द्वितीय रोतुंडा में प्रदर्शित मूर्तियों के लिए नए धात्विक संकेतक प्रदान किए गए थे। • भूतल में शेष प्रदर्शित मूर्तिधारकों की पुर्नसज्जा। • काष्ठ–उत्कीर्णन वीथी के नवीकरण और आधुनिकीकरण का 95% कार्य पूरा हो गया है। • प्रिकोलम्बियन कला			(i) दरवाजे संग्रह करने के लिए विशेष–भंडार (ii) टेस्मटाइल के लिए मोडुलर भंडारण प्रणाली (iii) काष्ठ–उत्कीर्णन भंडार का पुर्नगठन।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						अनुभाग का, पुर्नगठन संबंधी कार्य किए गए। • काष्ठ–उत्कोठनि भण्डार (डिकोरेटिव काला अनुभाग) के पुर्नगठन के कार्य किए गए।			
(iii)	वस्तुओं को प्लास्टर कास्ट में रिमॉडल करना संग्रहालय पुस्तकालय एवं शैक्षिक कार्यकलापों तथा आउटरीच कार्यक्रम हेतु पुस्तकों की प्राप्ति	शिल्प तथ्यों को और आकर्षक तथा रंगीन बनाना।			रबर सांचे तैयार करना, विक्रय एवं उपहार के उद्देश्यार्थ अनुमोदित सूची के अनुसार प्लास्टर आफ पेरिस की कच्ची सामग्री की प्रतिकृति तैयार करना। पुस्तकालय में 600 पुस्तकों की वृद्धि करना। विभिन्न प्रतियोगिताएं/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं/सेमीनार आदि आयोजित किए जाने हैं।	1428 सांचे तैयार करना और उनकी रंगाई आदि करना। संग्रहालय के पुस्तकालय में 510 पुस्तकों की वृद्धि हो गई है।			तदनुसार, समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया जाएगा।
(iv)	कलावस्तुओं का पुनरूद्धार और संरक्षण। तैल चित्रों का पुनरूद्धार/ पुरावस्तुओं/संरक्ष	• पुरावस्तुओं और कलावस्तुओं को क्षरण से बचाना। • राष्ट्रीय संग्रहालय और अन्य			**संरक्षण** • संग्रहालय के संग्रह की 1000 वस्तुओं का रासायनिक उपचार/संरक्षण	संरक्षणः • प्रयोगशाला भंडार वीथी, संग्रहालय उद्यान और राष्ट्रीय संग्रहालय के रोतुंडा में लगभग 519			कार्याशालाएं और सम्मेलन पूर्वोत्तार में कार्यशाला लेह में

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ाण में प्राशिक्षण पाठ्यक्रम, पाण्डुलिपियों के संरक्षण/ जिल्दसाज़ी हेतु उपकरणों का प्रापण।	संग्रहालयों/संस्थानों के संग्रहालय स्टाफ को संरक्षण की नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना। • प्रयोगशाला को नवीनतम उपकरणों से सज्जित रखना।			• मांग होने पर, बाहरी संस्थान जैसी संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, आदि के कला वस्तुओं का संरक्षण। **शिक्षण एवं प्रशिक्षण** • पांडुलिपियों/धातु की वस्तुओं के संरक्षण में 3 माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम • विभिन्न संग्रहालयों/कला वीथियों के क्युरेटरों के लिये धातु एवं लकड़ी से बनी हुई वस्तुओं के लिये उपचारात्मक संरक्षण पर 4 दिवसीय कार्यक्रम **राष्ट्रीय संग्रहालय की वस्तुओं का सर्वेक्षण** • एक वर्ष में लगभग 1000 वस्तुओं के संरक्षण की प्राथमिकता तथा	कला वस्तुओं की सफाई और संरक्षण • रिजर्व भंडार 419 कला वस्तुओं का सर्वेक्षण और निरोधक उपचार/संरक्षण किया गया। • कुमाऊँ और मद्रास रेजीमेंट के ध्वज/रंग का संरक्षण। • भारतीय चित्र कला के पारंगत, नामक चीन और रोम प्रदर्शनी से संबंधित 59 कला वस्तुओं को जांच की गई और उनकी स्थिति के संबंध में रिपोर्ट तैयार की गई। • संग्रहालय के कला वस्तुओं के उपचार/संरक्षण के पूर्व और पश्चात् लगभग 1053 निगोटिव तैयार किए गए।			कलावस्तुओं के संरक्षण पर कार्यशाला प्रयोगशाला का पुर्नगठन

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					निवारक संरक्षण को निर्धारित करने के लिये कला वस्तुओं की जांच करना • आवश्यकतानुसार, प्रयोगशाला के लिए उपस्कर प्राप्त करना **स्थिति रिपोर्ट** • भारत एवं विदेशों में विभिन्न प्रदर्शनियों के लिये चयनित कला वस्तुओं की स्थिति रिपोर्ट तैयार करना तथा उनकी जांच करना				
(v)	प्रदर्शनी	• प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति को लोकप्रिय बनाना • विषयक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना • सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनियाँ आयोजित करना			सिओल में, सिंधु घाटी सभ्यता पर प्रदर्शनि। रोम, इटली में बोनेल अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटना 'रेशम की डगर' (सिल्क रूट) का आयोजन किया जाएगा। 'भारतीय चित्र कला में पारंगत' का आयोजन रीट्जबर्ग संग्रहालय, स्वीट्जरलैंउ में किया जाएगा। निमंत्रण पत्रों, ब्रोशर फोल्डर,	क्रोशियन दूतावास के सहयोग से प्रदर्शनी आयोजित की गई। चीन का खजाना का आयोजन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से किया गया। प्राथमिकताएंः भारतीय लघु चित्र और राजस्थानी लघु चित्र पहले ही मुद्रित किए जा चुके हैं। दशावतार और वारामासा पर पोर्टफोलियों भी पुद्रित किए गए है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन संग्रहालय की सुरक्षा को सुदृढ़ करना	• कैटलॉग, बुलेटिन, गाईड बुक, कला प्रकाशन इत्यादि तैयार करना संग्रहालय की सुरक्षा हेतु सुरक्षा प्रबंधों को सुदृढ़ करना			विज्ञापन सामग्री आदि का मुद्रण। भण्डार में न पाए जाने वाले प्रकाशनों एवं वीथी कैटलॉग इत्यादि का पुनः मुद्रण करना इलेक्ट्रानिक निरीक्षण एवं सीसी टीवी प्रणाली, सुरक्षा उपकरणों का अनुरक्षण				
20	**राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्**	विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के लिए प्रदर्शनी, संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	27.60	22.00			20.70	16.50	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	• नवीन वीथियाँ स्थापित करना, • प्रदर्शो का उन्नयन और अद्यतन, • नई परिचालन योग्य प्रदर्शनियाँ,	देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, प्रोन्नयन करना और उसे लोकप्रिय बनाना।			बीआईटीएम में, नई वीथियां बनाइ जएंगी, एसएससी पटना में 'छाया, राष्ट्रीय विज्ञान परिषद, नई दिल्ली में आरएससी, लखनऊ आरएससी, जयपुर, डीएससी, पुरूलिया, डीएससी, ढेंकानाल, एनबीएससी, सिलीगुड़ी, डीएससी, गुलबर्गा, एनएससी मुम्बई, जीएससी, पनजिम, डीएससी, धरमपुर, आरएससी,	एनएससी, मुम्बई में 'प्रागैतिहासिक पशु' नामक नवीकृत वीथी, आरएससी, नागपुर में तारामंडल में उन्नयन, आरएससी, भोपाल में 'छतरी' नामक वीथी का मुख्य नवीकरण संबंधी कार्य, आरएससी, कालीकट में 'वास्तविक सच्चाई प्रदर्श' की स्थापना करना, एससी, वर्दवान में 'मनोरंजन विज्ञान'			एनएससीएम के तहत सभी विज्ञान केंद्रों 'सेमीनार', मेले, विज्ञान 'प्रकटन' प्रोयोगिक व्याख्यान, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, प्रसिद्ध

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	• शैक्षणिक कार्यक्रम • नई सचल विज्ञान प्रदर्शनी इकाइयाँ, नई प्रशिक्षण सुविधाएँ, • प्रमुख सिविल कार्यों सहित देश के विभिन्न भागों में स्थित 25 विज्ञान केन्द्रों की आधारिक अवसंरचना तथा मौजूदा सिबिल कार्यों सहित सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। • विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए				पुणे, आरएससी, पीलीकूला, बीआइटीएम बंगलौर आदि में सूचना प्रौद्योगिकी की व्यवस्था की जाएगी। एनसीएसएम के राष्ट्रीय स्तर के केंद्रो पर दो नई चल प्रदर्शनियों को विकसित किया जाएगा। वर्ष 2011–12 के दौरान, वर्तमान चल प्रदर्शनियों को भी विभिन्न विज्ञान केंद्रों पर आरूढ़ित किया जाएगा। पाँच शीर्षकों पर कार्यकलापोन्मुख किटों को जिनमें, एनएससी, दिल्ली और के पीएससी, कुरूक्षेत्र में एक–एक पूरा किया जाएगा। विभिन्न विज्ञान केंद्रों पर राष्ट्रीय विज्ञान सेमीनार, विज्ञान नाटक प्रतियोगिता, विज्ञान मेले/उत्सव आयोजित किए जाएंगे। बहुत से सिविल कार्य, जिनमें–नवीकरण, लिफ्ट और निगरानी प्रणाली शौचालय, चहार–दीवारी, एसी, कलावस्तुभंडार सुविधा आदि का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। विज्ञान सम्प्रेषण में एमएस	और 'जीवन विज्ञान कार्नर' वीथी का विकास, बीआईटीएम, कोलकाता में एक नई 'बाल वीथी', एसएससी, पटना में 'छ्याएं', डीएससी, ढेंकानाल में 3–डी मंच, आरएससी, धरवाड के लिए 'बायोमशीन', 'मरोरंजन विज्ञान' और 'विरासत' नामक नई वीथियां और वीआईटीएस, बंगलौर में 'जैव–विविधता' और 'उभरती हुई प्रौद्योगिकी' नामक नई वीथियां, आरएससी, पीलीकुला, आरएससी, तिरूपति और वीआईटीएम, बंगलौर में समीक्षाधीन वर्ष में 'प्रौद्योगिकी' का उद्घाटन किया जा चुका है। विभिन्न विज्ञान केंद्रों में वीथियों के नवीकरण/स्थापना का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है और 2011–12/2012 में पूरा होने की संभावना है। विभिन्न वैज्ञानिक शीर्ष कों, जैसे–'एक लेजेंड का जीवन और विज्ञान, बीआईटीएम, कोलकाता में			विज्ञान–व्याख्यान, सृजनात्मक क्षमता कार्यक्रम, विज्ञान शिविर, विज्ञान फिल्म शो, तारामंडल कार्यक्रम, आकाश निरीक्षण कार्यक्रम, अंध विश्वास विरोधी प्रयोग आदि के कार्यक्रम, समीक्षाधीन अवधि में आयोजित किए हैं। 'विज्ञान भ्रमण' और 3–डी शो, एनएससी, मुम्बई में वर्ष पर्यन्त किए जाएंगे। विज्ञान सम्प्रेषण में एमएस पाठ्यक्रम,

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	व्यवसायिक योग्यता प्राप्त करने के लिए विज्ञान सम्प्रेषण में एमएस पाठ्यक्रम				पाठ्यक्रम को जारी रखा जाएगा।	'रेडिएशन, वीआईटीएम, बंगलौर में 'सरएम. विश्वेश्वरैया, के पीएससी, कुरूक्षेत्र में 'रसायन शास्त्र' के पीएससी, कुरूक्षेत्र में 'पानी' आदि का कार्य पूरा हो चुका है और इनके उद्घाटन भी कर दिए गए हैं। आरएससी, भुवनेश्वर और डीएससी पुरूलिया और एनबीएससी, सिलीगुड़ी में 'गणितशास्त्र' पर चल प्रदर्शनि के लिए प्रदर्शी को सजावट और वीआईटीएम, बंगलौर में 'स्पेस' चल चित्र के प्रदर्शों का कार्य वर्ष 2011–12 के दौरान चल रहा है। आचार्य पीसीरे को 150वीं जयंती समारोह सभी विज्ञान केंद्रों में आयोजित किए जाएंगे। एमएसई की 22 इकाइयां, देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी प्रदर्शनियां जारी रखेंगी। वर्तमान 5 चल प्रदर्शनियां, देश का भ्रमण जारी रखेंगी। विज्ञान केंद्रों को सुव्यवस्थित करने, उप केंद्रों का अभयन,			प्रकाशन सहित प्रलेखन का कार्य चलता रहेगा। विज्ञान अध्ययन केंद्र, नेपाल और आरजीएससी, मॉरिशस का कार्य वर्ष 2011–12 और 2012–13 में प्रारंभ किया जाएगा।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						नवीकरण और भंडारण सुविधाओं का निर्माण, नलकूप, पगदंडियों का निर्माण, आगंतुकों के जलपान गृह की स्थापना, वर्षा जल एकत्र करने के हौज का स्थानांतरण, कार्यालय के लिए नया भवन, अतिरिक्त तल, विद्युत उपगृहों में छाया, निगवानी कैमरा प्रणाली की स्थापना, नए तारामंडल भवनों को बनाना आदि का कार्य एनसीएसएम के तहत विभिन्न विज्ञान केंद्रों पर प्रारंभ किया गया है।			
(ii)	मुख्य उपकरणों का प्रापण	विभिन्न आरएससी में नवीनतम उपकरणों को उपलब्ध करवाना और आधुनिकीकरण।			तारांमडल उपस्कर (अंकीय), सिंगल फिस आई लेंस पर आधारित प्रक्षेपक, टेलीस्कोप, लार्ज फार्मेट फिल्म और विभिन्न केंद्रों के लिए रोबअ का प्रपण किया जाएगा।	आरएससी, कालीकट में वर्तमान आप्टोमेके निकल तारांमडल के लिए विभिन्न मुख्य पस्कर (अंकीय तारामंडल को लगातार उन्नत किया गया), लार्ज फार्मेट फिल्म प्रक्षेपण प्रणाली के लिए तीन नई फिल्में एनएससी, मुम्बई में आरएससी, लखनऊ और विज्ञान शहर, कोलकाता में, बीआईटीएम, कोलकाता,			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एनएससी, मुम्बई, एनएससी, दिल्ली, आरएससी, लखनऊ और के पीएससी, कुरूक्षत्र के उडी प्रक्षेपण प्रणाली के लिए नई फिल्में, बीआईटीएम, कोलकाताओर विज्ञान शहर कोलकाता के लिए 'स्पार्क मंच' छोटे केंद्रों के लिए समीक्षाधीन अवधि में तारामंडल उपस्करों का प्रापण किया गया है।			
(iii)	पूर्वोत्तर राज्यों में विज्ञान केन्द्र – आर एस सी, गुवाहाटी एसआरएससी, जोरहाट और एसआरएससी, गंगटोक, मणिपुर और मिजोरम शुकंता अकादमी, अगरतला, त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र	आम जनता तथा विशेषतः संबंधित क्षेत्र के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक रूझान पैदा करना।			अवसंरचना तथा वर्तमान सुविधाओं का सुदृढीकरण। असम में नया विज्ञान केंद्र स्थापित करना, एसआरएससी, गंगटोक के विस्तार का कार्य, आरएससी, गुवाहाटी, कार्य, एसआरएससी, शिलांग, मणिपुर और मिजोरम के उन्नयन का कार्यो सुकांता अकादमी, त्रिपुरा जनजातीय स्वायत्त जिला परिषद के विकास का कार्य।	एसआरएससी, मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय के उन्नयन के कार्य प्रगति पर हैं और 2011–12 में खोल दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, एसआरएससी, गंगटोक के उन्नयन और तारांमडल स्थापित करने का कार्य 2011–12/2012–13 में जारी रहेगा। एआरएससी, जोरहाट का कार्य प्रगति पर है और जारी रहेगा।			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) शिलांग, अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी)								
21	**विज्ञान शहर**	देश के केन्द्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	––	**11.00**			**0.00**	**8.99**	
(i)	वर्तमान में जारी परियोजनाएं– आरएससी, रायपुर; आरएससी, धारवाड; आरएससी, कोयम्बटूर; आरएससी, जयपुर; आरएससी, पिलीकुला, मंगलौर;	सामान्यतः आम जनता में तथा विशेषतः विद्यार्थियों में वैज्ञानिक रूझान पैदा करना।			वर्ष 2011–12 के दौरान प्रथम 4 परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी और अन्य परियोजनाआं का कार्य प्रांरभ किया जाएगा। जारी रहेगा।	आरएससी, रांची का कार्य पूरा हो गया है और इसको राज्य सरकार की समर्पित कर दिया गया है। आरएससी, रायपुर का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, एससी, कोयंवटोर, आरएससी, पीलीकूला (मंगलौर), आरएससी, जयपुर, एससी, पीसीएमसी, पुणे, एसआरएससी, जोधपुर, एसआरएससी, पुडुचेरी, आरएमसी, देहरादून और एसआरएससी, मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय के			पीसीएमसी, पुणे के निर्माण कार्य के लिये आदेश जारी कर दिये गये हैं।

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पीसीएमसी, पुणे; एसआरएससी पुडुचेरी, और एसआरएससी, जोधपुर, आरएससी, देहरादून, आरएससी, गुवाहाटी का विज्ञान शहर, कोलकाता में अन्वेषण सभागार (द्वितीय फेज), एसआरएससी, मैसूर, विज्ञान केंद्र, नरसिंगनाथ (उड़ीसा), एसआरएससी, उदयपुर(त्रिपुरा), आरएससी, राजामुंद्री (आंध्रप्रदेश) गुवाहाटी तथा आरजीएससी,					उन्नयन के कार्य प्रगति पर है और 2011–12 में खोल दिए जाएंगे। इनके अतिरिक्त, एसआरएससी, गंगटोक में उन्नयन और तारांमडल की स्थापना का कार्य जारी रहेगा। निर्माण कार्य और प्रदर्शनियां जाारी रहेंगी। विज्ञान शहर में विज्ञान अन्वेंषण सभागार संबधी कार्य (द्वितीय केंद्र) प्रगति पर है और 2011–12 में जारी रहेगा।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	मारीशस का द्वितीय चरण।								
22	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**	जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मानव जनसंख्या पर अनुसंधान कार्यकलाप के प्रति प्रतिबद्ध है। इसके कार्यकलापों में नृजातीय सामग्रियों तथा प्राचीन मानव कंकाल संबंधी अवशेषों का संग्रहण, परिरक्षण, अनुरक्षण, प्रलेखन और अध्ययन शामिल हैं।	17.85	10.00 **(टी एस पी के प्रावधान सहित)**			13.94	5.89	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	प्रलेखन और प्रचार–प्रसार कार्यकलाप 1– सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के पुस्तकालयों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के लिये हिन्दी भाषा प्रकाशनों की प्राप्ति के लिये	7 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा केन्द्रीय राष्ट्रीय पुस्तकालय कोलकाता में मानव विज्ञान संबंधी पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना तथा संग्रहालय के सुदृढ़ीकरण और इसे क्षेत्रीय रंग प्रदान करते हुए इसका अनुरक्षण।			ज्ञानआयोग की सिफारिशों के अनुरूप, सर्वेक्षण ने कोलकाता के अपने नवनिर्मित भवन में, मानवविज्ञान के लिए एक राष्ट्रीय पुस्तकालय स्थापित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके परिणाम स्वरूप, दक्षिण–पूर्व एसिया में मानवशास्त्रीय विज्ञान सबसे बड़ा पुस्तकालय स्थापित होने का मार्ग प्रशास्त हो सकेगा। 2,00,000 से अधिक आगंतुक जिनमें अध्येता,	क्षेत्रीय पुस्तकालयों से नेट वर्किंग सुविधा को बढ़ाने के लिए, पुस्तकालयों का कार्य सर्वेक्षण के तहत, सक्रिय प्रक्रिया के अंर्तगत चल रहा है। राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय पुस्तक और जर्नल, पेपर्स का प्रामण, पुस्तकालय के लिए किया जा चुका है। एसआरसी, मैसूर ने, ओटी में एक दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डिपोजिटरी और जेडएएम को			चकदाह (पश्चिम बंगाल) में 'अंडमान एवं इसके निवासी' विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र में 'एनएसआई संग्रहालय : मुद्दे एवं

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विशेष अभियान चलाया गया। कार्यकलाप 2– योजनाबद्ध ढंग से पुस्तकालयों की सेवाओं की आउटसोर्सिंग करना। कार्यकलाप 3– मौजूदा वीथियों, संग्रहालयों का संरक्षण।				विद्यार्थि और सामान्य व्यक्ति गरिमा युक्त व्यक्ति शामिल थे, देश के मानव विज्ञान संग्रहालयों में आए। पूर्वेत्तर के 1,00,000 से अधिक लोग प्रत्येक स्थान की प्रदर्शनियों का दौर करेंगे। सर्वेक्षण की वेबसाइट का उन्नयन। यह आशा की जा रही है कि सर्वेक्षण लगभग 3 लाख मूल्य की पुस्तकों की विक्री करेगा। प्रदर्शनि मे लगभग 3–4 लाख आगंतुकों के आने की आशा है। 16 कि.मी. दृश्य वृत्ति चित्रों को बेटा–कैम फार्मेट में स्थान्तरित करने और 1,000 से अधिक श्रव्य कैसटों के कार्य को जारी रखना है। उदयपुर के नए भवन में, क्षेत्रीय मानव विज्ञान संग्रहालय का सजावट और पोर्टब्लेयर के संग्रहालय का उन्नयन तथा जगदल पुर में नया संग्रहालय बनाने का लक्ष्य है। संग्रहों का सुदृढ़ीकरण	स्थापित करने को संभावना का पता लगाने के लिए डब्ल्यू आरसी, उदयपुर आया। क्षेत्रीय संग्रहालयों के अनुरक्षण सहित संग्रहालय के प्रदर्शों का संरक्षण और प्रलेखन जारी रहा। सर्वेक्षण के तहत सभी संग्रहालयों के विकास, मानव विज्ञान संबंधी कलावस्तुओं के अधिक मेल मिलाप वाले प्रदर्शनी सहित प्रक्रियाधीन है। बहुत से आगंतुक क्षेत्रीय संग्रहालयों को देखने आए। ए एंड ए क्षेत्रीय केंद्र मे निकोबारी मधुमक्खी का छत्ता की झोपड़ी की मरम्मत सहित लोकनृतय और गति के प्रलेखन का कार्य प्रगति पर है। एसआरसी, जगदल पुर ने अंर्तराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस का आयोजन किया। सीआरसी नागपुर का उल्लेख प्रेस अर्थात् हितवादा में एक अंग्रेजी संग्रहालय के रूप में किया गया है। ए एंड ए क्षेत्र, पोर्टब्लेयर के क्षेत्रीय संग्रहालय में स्क्रीन			चुनौतियां' विषय पर एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, मैसूर में इसके 50वें स्वर्ण वर्ष का आयोजन किया गया। 'ट्राइब्स एंड एनालॉग्स पिपुल : कंटम्प्रेरी इश्यूज' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया गया।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					देश को अमूर्त विरासत के प्रसार के लिए सभी संग्रहालयों के संग्रहालय/इथनोग्रैफिक कलावस्तुओं का सुद्रढ़ीकरण जारी रहेगा। सर्वेक्षण द्वारा आयोजित प्रदर्शनी 'मानव उत्स, जेनोम और भारत के लोग' का शेषस्थानों में जैसे–गंगटोक, पूर्वेत्तर के अगर तला में, नृ–जातीय और मानव विज्ञानी संस्कृति को आम जनता, विद्यार्थियों, अध्येताओं के समक्ष आयोजन किया जाएगा। सभी क्षेत्रीय केंद्रों की स्थानीय प्रदर्शनियों में भागीदारी और इस सर्वेक्षण के प्रधान कार्यालय में वाहरी संगठन द्वारा आयोजित और मांग होने पर, राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी में, निरंतर प्रसार के एक अंग के रूप में भागीदारी करना। कोलकाता शहर के आस–पास का क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचने के लिए सर्वेक्षण ने एक मोबाइल वैन प्रणाम	कियोस्क सूचना प्रणाली का स्पर्श करना (उस लक्ष्य को पाना)। वस्तर की उभुजा मारिया जनजाति के घोटुल का जीर्णोद्धार किया गया। द्दिवारा और बालाघाट (म.प्र.) की भारिया जनजाति पर पीटीजी का फोटोग्रैफिक कवरेज पूर्ण किया गया है। सर्वेक्षण ने एक प्रदर्शनी 'भारत की सांस्कृतिक विविधता' का आयोजन, बालेसोर उड़ीसा में किया, और श्री बप्पा रा के वृत्त चित्र निर्माण के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए ईआरसी, कोलकाता में एक बैठक का भी आयोजन किया। एसआरसी, मैसूर ने 'मानव/विज्ञान के अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण के अग्रभाग पश्चगामी और पुरोगामी' विषय पर कर्नाटक में, एक कार्यशाला की भेजबानी की एक प्रदर्शनी 'भारत में जीवन और संस्कृति' जो 15वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी के संबंध में, केंद्र के			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					करने का प्रस्ताव किया है, जिससे कि अधिकतम संख्या के लोगों तक पहुंचने की मांग की सही रूप पूरा किया जा सके।	विज्ञान और संस्कृति युवा संस्थान, कोलकाता केंद्र द्वारा आयोजित की गई थी, सर्वेक्षण ने इसमें भाग लिया।			
(ii)	फैलोशिप कार्यक्रम	इस समय सर्वेक्षण में 47 फैलो है तथा इसका उद्देश्य 67 फैलोशिप तक बढाने का है क्योंकि ये देश में जनशक्ति संसाधन विकास के महत्वपूर्ण घटक है।			फिलहाल सर्वेक्षण में 47 फैलो है। इसे कुल 76 फैलोशिप तक बढाने तथा छात्रवृति राशि बढाने का भी प्रस्ताव है। सभी चयनित फैली की तैनांती राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए की गई है, अपना कार्य जारी रखेंगे।	तैनात किए गए फैलो, क्षेत्र कार्य पर आधरित अनुसंधान अध्ययन में लगाए गए हैं। ओपातनी जनजाति का क्षेत्र कार्य पूर्ण हो गया है। पूर्वोत्तर के बच्चों की वृद्धि एंव विकास के तहत, तैनात किए गए फैलो को गारो जनजाति को डाआ प्रविष्टि में लगाया गया है। एस आर सी, मैसूव के एक अध्येता (फैलो) ने एशोसिएटेड स्टडी आफ जेमिटिक पोलिरिज्म, परियोजना के क्षेत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ को पूर्ण कर लिया है।			
(iii)	जनशक्ति प्रशिक्षण/ सलाहाकार/ कार्यकारी समितियों/	विभिन्न अनुसंधान परियोजना के कियान्वयन हेतु बैठकों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जरूरत है जिनमें कार्यकारी परिषद			विभिन्न अनुसंधान परियोजना के कियान्वयन हेतु बैठकों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जरूरत है जिनमें बाहरी विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा। सर्वेक्षण	सर्वेक्षण की कार्यकारी समिति की बैठक डब्ल्यूआरसी, उदयपुर में आयोजित की गई। मुख्य रूप से चालू। 12वीं योजना की परियोजनाएं			*रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विशेषज्ञों की बैठकें सहयोगात्मक स्कीमें– सूचना और प्रौद्योगिकी प्रकाशन	की आन्तरिक बैठकों का आयोजन करने के अतिरिक्त, बाहरी विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा।			की कार्यकारी समिति की चालू वित्तीय वर्ष में कम से कम दो बार बैठकें की जानी भी अपेक्षित हैं। राष्ट्रीय सलाहकार समिति को बैठक भी चालू वित्त वर्ष में कम से कम दो बार करना आवश्यक है। प्रशासनिक तथा सहायक स्टाफ का प्रशिक्षण। सर्वेक्षण, कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि गतिविधियों को विभिन्ना राष्ट्रीय अभिकरणों के सहयोग से आयोजन करने संबंधों कार्यकलापां को जारी रखना चाहेगा जो विभिन्न संस्थानों/विश्व विद्यालय के हित के लिए मानव विज्ञान अनुसंधान को बढ़ाने तथा आदान–प्रदान के लिए एक अनवश्त कार्यकलाप है। कार्यकलाप 1– सर्वेक्षण के प्लान अबधि के अनुरक्षण और उन्नयन के अर्थ में सर्वेक्षण के विभिन्न कार्यप्रणालियों का मंप्यूटरीकरण अपेक्षित है। प्रयोगशाला सूचना का	और आर एफ डी की तैयारी आदि। मानव विज्ञान से संबंधित मुद्दों/मामलों/प्लान परियोजनाओं से संबंधित सेमीनार/उप समिति/बैठकों/कार्यकारी परिषद/महासभा/ पशिक्षण–सत्र/कार्यशालाएं और अन्य अनुसंधान प्रशासनिक मामलो के आयोजन जो समीक्षा धीन रिपोर्ट की अवधि में सम्पूर्ण देश के विभिन्न स्थानों में आयोजित किए गए, उनमें भाग लेने के लिए सर्वेक्षण ने मुख्यालय से अलग–अलग अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया।			राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/ सम्मेलनों के आयोजन के लिये। सर्वेक्षण की वेबसाइट को अद्यतन किया जाना एक सतत प्रक्रिया है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					कंप्यूटरीकरण, वेबसाइट (द्विभाषी) उन्नयन, अनुरक्षण, प्रयोगशाला डाटा प्रबंध का कार्य अनवरत चल रहा है। क्षेत्रीय केंद्रों और मुख्यालय के मध्य में वीडियों कान्फ्रेंस की सुविधा का निर्माण करना है। सर्वर पर आधारित इंटरनेट सेवा की व्यवस्था करती है।				
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी का अधिष्ठापन सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर : डीएनए/ आरएनए पुट के माध्यम से हाई/अल्ट्रा हाई विश्लेषण प्रणाली। सर्वेक्षण द्वारा प्रोटीन एवं न्यूक्लिक एसिड तथा अन्य कार्यकलापों के लिये बीड आधारित	कोलकाता, मैसूर, नागपुर, शिलांग तथा पोर्ट ब्लेयर में पहले से विकसित बुनियादी ढांचे का अनुरक्षण। देहरादून और उदयपुर में पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी के साथ प्रयोगशाला सुविधा का विकास तथा डीएनए बैकिंग।			भौतिक मानव–विज्ञान प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में सर्वेक्षण में डी.एन.ए. प्रौद्योगिकी को समाविष्ट करना एक सतत प्रक्रिया है। सर्वेक्षण ने अधुनातन सुविधाएं सृजित करने के कार्यक्रम आरंभ किए हैं। सर्वेक्षण आनुवंशिकी तथा समुदायों की सांस्कृतिक परंपरा सहित स्वास्थ्य कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने लिए तत्पर है।	इस सर्वेक्षण की डी.एन.ए. प्रयोगशाला का वार्षिक अनुरक्षण कार्य शुरू किया गया है। उपस्कर के पिलरी–2, आटोमेटेट सैल कांउटर, एनईआरसी, शिलांग की प्रयोगशाला में स्थापित किया गया। बंगला के प्रभावी क्षेत्रों में, शैलासैमिया बीमारी के प्रति जागयकता के कार्यक्रम, समीक्षाधीन रिपोर्ट की अवधि में सी आर सी, नागपुर का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संस्पेंशन ऐरे प्रणाली शुरू की गई है। डीएनए बैंकिंग, सामुदायिक जेनेटिक्स एवं स्वास्थ्य।								
(v)	डीएनए पोलीमोर्फिज्म आफ द कंटम्प्रेरी इंडियन पापुलेशन एंड एंसिएंट स्केल्टन मैटीरियल	समकालीन डी.एन.ए. नमूनों का अध्ययन तथा डी.एन.ए. विश्लेषण। मानव जीनॉम विविधता का विश्लेषण। कार्यशालाएं, जनशक्ति का आउटसोर्सिंग।			मूल सूचना जो मानव जाति विविधता के संदर्भ में भारतीय जनसंख्या पर तैयार की जा रही है, चिकित्सा प्रयोज्यता में लाभकारी होगी।	लैब्रटैरी समीक्षात्मक अध्ययन के लिए प्रयोगशील पदार्थों का प्रापण जारी रहा। डायबिटिज टाइप–।। में माइटोकोंड्रियल जीनॉम विविधता : प्रयोगशाला का कार्य पूरा कर लिया गया है और इसकी रिपोर्ट लेखन का कार्य प्रगति पर है। डाटा और खन के नमूने जो आध्रप्रदेश और कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु की 14 जनसंख्याओं से लिए गए थे, उनका कार्य प्रगति पर है। सर्वेक्षण के अध्येताओं ने, अरूणाचल प्रदेश के क्षेत्र कार्य का प्रथम फेज संबंधी कार्य प्रारंभ कर दिया है।			इस तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम कारकों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।
(vi)	पूर्वोत्तर भारत में बच्चों की	विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत के बच्चों की			जनसंख्या मुद्दे के रूप में बच्चों की वृद्धि पूर्वोत्तर क्षेत्र में	कम्प्यूटरीकरण तथा क्षेत्रीय जांच से एकत्र डाटा का			इस तरह के वैज्ञानिक

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भौतिक वृद्धि तथा विकास– एक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा	स्वास्थ्य स्थिति के बारे में सूचना तैयार करना।			मिशन मोड परियोजना है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के समुदायों को जनजातियों के मध्य अनुसंधान टीम को वृहत क्षेत्रीय अन्वेषण कार्य शुरू करना है। कार्यशाला की जानी है। जनशक्ति की बाहर से व्यवस्था की जानी है।	विश्लेषण। तैनात अनुसंधानकर्ताओं ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के मूघालय की गारो समुदायों के बीच क्षेत्रीय कार्य का अगला चरण शुरू किया।			अनुसंधान में जोखिम कारकों की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।
(vii)	नर्मदा घाटी उत्खनन	सबमरजेन्स से पूर्व वाले मानव–विज्ञान पैलिको सामग्री की खोज में नर्मदा घाटी में वृहत उत्खनन।			उत्तरांचल के शिवालिक क्षेत्र में, कार्य शिविर स्थापित करने का कार्य पूरा हो गया है। शिवालिक क्षेत्र का अनुसंधान और उत्खनन का कार्य जारी रहेगा। देश के अन्य भागों में ऐसे ही स्थलों का पल लगाया जाएगा। यूरोपियन और अफ्रीकी समूहों के साथ में, भित्ति निधियून के प्रयत्न में सहयोग प्राप्त किया जाएगा। एकत्रित किए गए नमूनों का विश्लेषण जारी रहेगा।	नर्मदा नदी क्षेत्र से एकत्रित जीवाश्मों का विश्लेषणात्मक अनुसंधान कार्य पैलिको मानव विज्ञान प्रयोगशाला कोलकाता में जारी रहा। शिवालिक क्षेत्र में क्षेत्रीय अन्वेषण हेतु क्षेत्रीय कैम्प की स्थापना का कार्य पूरा हो गया है। शिवालिक क्षेत्र के विभिन्न भागों में तैनात किए गये अनुसंधान अधिकारी दौरे पर भेजे गए है। कुछ जीवाष्मों की खांज की गई है, जिनमें एक्चेटिक और मेधा टेरेस्ट्रियल जैसे जीवाष्म हैं। देश में रचे–बसे पूर्वजों के पौलियो पर्यावरण को सहन यिका जा रहा है।			इस सर्वेक्षण के विद्वानों द्वारा शिवालिक क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्य का प्रथम चरण शुरू कर दिया गया है।
(viii)	**नई स्कीम भारत के लोग सांस्कृतिक**	(क)कार्यक्रम/समय–सारिणी/ दिशा निर्देश तैयार करना, अध्यन क्षेत्र और क्षत्र			रिकोन्वोइटर सर्वेक्षण अनुसंधान, डाटा संग्रह, रिपोर्ट लेखन और विचारों के	रिपोर्ट लेखन और महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, ए एण्ड क्षेत्र और भारत के विभिन्न राज्यों,			क्षेत्रीय केंद्रों के अनुसंधान अध्येताओं ने

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विविधता (पांच घटक) क) मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत : मौखिक परम्परा, लोक वर्गीकरण, सामाजिक ढांचा तथा महिला–पुरूष परिप्रेक्ष्य में जैव–सांस्कृतिक अनुकूलता ख) उदयपुर के नये भवन में राष्ट्रीय सामुदायिक ज्ञान केन्द्र स्थापित करना। ग) राष्ट्रीय दृश्य मानव विज्ञान केन्द्र,	कार्य के प्रथम चरण को जारी रखनप, और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के मध्य तैनात किए गए अध्येताओं द्वारा नए क्षेत्रों में अग्रगामी (पाइलेट) अध्ययन प्रारंभ करना/कार्य क्षेत्र के द्वितीय चरण का कर्य भी जारी रहेगा। (ख) पश्चिमी भारत की अमूर्त विरासत को उजागर करने के लिए, केंद्र स्थापित करने और कार्य के डिजिटिकरण के लिए उपस्करों को प्राप्त करने के संबंध में कहम उठाना। (ग) कोलकाता के प्रधान सर्वेक्षण कार्यालय के नए भवन में दृश्य मानव विज्ञान केंद्र को स्थापना का कार्य जारी रहेगा। **उपस्करों का प्रापण** (क) 10 (दस) पारंपरिक ज्ञान स्थिति (क्षेत्र दृश्य रिकार्डिंग) निर्माण, (ख) 4 (चार) अन्य स्थितियों को			आदान–प्रदान के लिए अकादमी के सेमीनार/सम्मेलनों के प्रस्तुतीकरण में प्रकाशन योग्य फार्म का संपादन, पेपर का प्रकाशन! (ख) सामदायिक ज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना के माध्यम से पश्चिमी भारत के अमूर्त विरासत का प्रसार करना। (ग) दृश्य मानव विज्ञान के प्रलेखन और फिल्म बनाने के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र स्थापित करना। (घ) रिकोन्वाटर सर्वेक्षण, क्षेत्र अनुसंधान, डाटा संग्रह, और विचारों के आदान–प्रदान के लिए अकादमी के सेमीनार/सम्मेलनों के प्रस्तुतीकरण में रिपोर्ट लेखन, प्रकाशन योग्य फार्म का संपादन, पेपर का प्रकाशन निर्धारित वायोस्फेयर रिजर्व में व्यापक अनुसंधान को निम्न प्रकार किया जाएगा। (क) केरल में अगास्था मलाई वायोस्फोयर रिजर्व (ख)	विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल और झारखंड के जनजातीय जिलों सहित समुद्र तटीय सांस्कृतिक क्षेत्रों में तैनात किए गए अनुसंधान के डाटा का विश्लेषण संबंधी कार्य जारी रहेगा। कामाख्या पर अंतिम रूप देने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं। उदयपुर में, सामुदायिक ज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र स्थापित करने के संबंध मे डिजाइन विकसित करने के लिए प्लान परिव्य और अवधारण प्रलेख का कार्य प्रगति पर है। तैनात किए गए अनुसंधान दल 'उत्तरा' पर फिल्म बनाने के लिए हरीपुर (पश्चिम बंगाल) दौरे पर भेजा गया। उड़ीसा के पुरी और गंजम, उत्तर 24 परगने और नडिया जिलों में अवधारणा नोट बनाने और उपचार प्लान के लिए रिकोम्मोइप्र दौरे प्रारंभ कर दिए गए हैं। शांतीपुर की			ग्रहन क्षेत्र अनुसंधान के पूर्व अग्रण सर्वेक्षण कर लिया था। जोरिंगथांग सर्किल, लम्पो ग्राम, मोनया (वांग जिला अरूणाचल प्रदेश, असम के दुबरी जिला का रामरायकुटी, जिसमें बंगलादेश की सीमा तक कोई समाहित था, क्षेत्र कार्य पूरा कर लिया गया है। एनईआरसी, शिलांग से तैनात किए गए अनुसंधान अध्येताओं ने इंडी–म्यांमार सीमा, मिजोरम के क्षेत्र कार्य

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कोलकाता घ) मानव तथा पर्यावरण ड.) सीमावर्ती देशों के साथ जैव सांस्कृतिक संबंध	वृत्तचित्र दृश्य रिकार्डिंग का निर्माण। सर्वेक्षण के प्रधान कार्यालय की केंद्रीय ईकाइ द्वारा एक वृत्तचित्र सिनेमा को तैयार करना। सर्वेक्षण द्वारा तैयार की गइ मौन फिल्म में ध्वनि ट्रैक को जोड़ने का कार्य। एक कार्यशाला। (घ) यह परियोजना एस सी/एसटी के लिए चिन्हित है जिसमें, वर्ष के दौरान व्यापक संपूर्ण के स्तर पर समयबद्ध सारिणों तैयार करने की आवश्यकता है, तभी दूसरे वर्ष के दौरान आवश्यक कार्यक्रम को अगले प्लान को अवधि में जारी रखा जा सकता है।			मेघालय में निकरेक वायोस्फोयर रिजर्व (ग) अरूणाचल प्रदेश में देहांग–देगबांग बायोस्फोयर रिजर्व (घ) असम में मानस बायोस्फोयर रिजर्व का कार्य जारी रहेगा (ङ) रिकोन्वायटर सर्वेक्षण, क्षेत्र अनुसंधान, डाटा संग्रह, रिपोर्ट लेखन, और व्यापक अनुसंधान के माध्यम से विचारों के आदान–प्रदान के लिए प्रकाशन योग्य फार्म का संपादन, पेपर के प्रकाशन। अकादमी के सेमीनार/सम्मेलनों के प्रस्ततीकरण में प्रकाशन योग्य फार्म का संपादन, पेपर के प्रकाशन।	दृश्य परंपरा पर दृश्य प्रलेखन के लिए एक दल। भारत में 'पशुओं को चराने की परंपरा' पर फिल्म का निर्माण और वृत्तचित्र बनाने के संबंध में वार्तालाप के लिए ईआरसी, कोलकाता में बैठकें आयोजित की गई। प्रारंभिक जनजातीय समूह पर क्षेत्र कार्य से रंगीन प्रलेखन के संग्रह का कार्य, सीआरसी, नागर पुर में पूरा किया गया है। 'अचंक मान–अमरकंटक बायोस्फोयर के तहत, मुख्य क्षेत्र के 24 ग्रामों से संग्रह किए गए अनुसंधान डाटा का विश्लेषण रिपोर्ट लेखन का कार्य प्रगति पर है। क्षेत्र कार्य करने के लिए 3 दल बनाए गए थे और जगत सिंह पुर जिले में पोस्को स्टील परियोजना में और सुंदरगढ़ जिला तथा देश के अन्य क्षेत्रों में एसआईए माडूल परीक्षण किए गये। ईआरसी, कोलकाता से तैनात किए गए अनुसंधान अध्येताओं ने निर्धारित स्थान			को पारंभ कर दिया है। इनईआरसी ने इन परियोजनाओं पर कार्यशाला की मेजबानी की। डाटा–विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन का कार्य प्रक्रियाधीन है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						पर नेटवर्क वायोस्फोयर रिजर्व के तहत क्षेत्र को प्रारंभ कर दिया है। द्वितीय चरण का क्षेत्र–कार्य जो टूटीकोरिन में, मन्नार की खाड़ी (गल्फ आफ मन्नार) वायोस्फोयर रिजर्व के तहत किया गया था, उसकी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई।			
(ix)	**भारत के लोगः जैव सांस्कृतिक रूपांतरण (दो घटक)** क.सामुदायिकी आनुवांशिकी तथा पूर्वोत्तर भारत में स्वास्थ्य ख) जेनेटिक और स्वास्थ्य : परिवार अध्ययन	(क) कार्यक्रम, ऐसे वैज्ञानिक संगठनों के साथ में उच्च सहयोगी रहेगा जो ऐसी चिकित्सा अभ्यासों में रत हैं जिनमें वैज्ञानिक गहन और उदाहरणात्मक सूचीबद्ध कार्य किया जाना है, जिसमें बाहरी चिकित्सा क्लीनिक और सर्वेक्षण के प्रतिनिधि, दोनों को, कार्यक्रम को विभिन्न जनजातियों, समुदायों और अन्य ग्रामों तथा शहरी निवासियों में प्लान अवधि के प्रथम वर्ष में लागू करने के लिए, साथ–साथ कार्य करना होगा।			(क) हम इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर में जी 6 पी डी अकुशलता और हेमोग्लोबिनोपैथी के मुद्दे पर एक सहयोगी कार्यक्रम को प्रारंभ करना चाहते हैं। तैनात किए गए अध्येताओं द्वारा संग्रहीत हेमीग्लोविन विसंगतियों के भिन्न–भिन्न नमूनों की स्क्रीनिंग। (ख) परिवारों के अंदर, जीवन शैली बीमारियों के लिए वायो–सांस्कृतिक जोखिम कारकों का मूल्यांकन/खोजा जाना, कुछ गुणात्मक तथ्यों के विश्लेषण द्वारा किया जाना आवश्यक है। मैसूर और चाल्टेयर में क्षेत्र में जाना	सर्वेक्षण के अनुसंधान अध्येता और बाहरी परियोजना वैज्ञानिकों ने असम के बोकों क्षेत्र में जेनिटिक कार्ड, राभा समुदाय में बाँटने के लिए दौरा किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में डी एन ए संकर्षण और असांद्रीकरण का कार्य पूरा हो गया। 227 खून के नमूने एकत्र किए गए और उनको 20 डिग्री सेल्सियस पर एनईआर सी की प्रयोगशाला में रखा गया। कोहिमा के अंगामी नागाओं में क्षेत्र अध्ययन का कार्य किया गया। एमवाईएफएडीएस के तहत नमूने संग्रह करने का कार्य			इस प्रकार के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिक के संबंध में भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। जन–शक्ति की कमी के कारण, परियोजना अनुसंधान का कार्य प्रभावित हो सकता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। (ख) मानव जेनोम विविधता और संस्कृति के साथ में मेल–मिलाप और पर्यावरण, जन–स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाग डाल रहे हैं। वर्ष के दौरान जींस.चिप, प्रौद्योगिकी के संबंध मे, अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अध्यय के उद्देश्य के लिए जिस संकाय का निर्माण किया गया है, उसका प्रारंभ कर दिया जाएगा। अध्ययन इस प्रकार से डिजाइन किया जाएगा कि इस से संकाय के सदस्य उसी अध्ययन को देश की विभिन्न सांस्कृतिक/पर्यावरणीय दशाओं में प्रतिकृति के रूप में प्रस्तुत करेंगे।			जाएगा। कार्यशाला और प्रशिक्षण के माध्यम से शिष्टाचार (प्रोटोकाल) का मानकीकरण। जन–शक्ति की व्यवस्था बाहर से करना।	प्रारंभ कर दिया गया है। 800 खून और मूत्र के नमूने और गंगा डिकारा वोक्कोलिगा जनसंख्या पर अन्य डाटा एकत्र किया गया है, जिसके लिए विश्लेषणात्मक अध्ययन चल रहा है। इसी प्रकार, विभिन्न समुदायों के लिए वायो–रासायतिक विश्लेषण, खून के नमूने और डीएनए संकर्षण का कार्य जारी रहा है। एसआरसी, मैसूर सर्वेक्षण द्वारा भौतिक मानव विज्ञान पर अनुसंधान लेखन का कार्य प्रगति पर है। तैनात किए गए अध्येताओं द्वारा एकत्र किए गए डाटा का वायो–रसायन शास्त्रीय विश्लेषण, अन्य संबंधित अनुसंधान के साथ ही किया जा रहा है।			
23	**नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय**	पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित पुस्तकों, समाचार–पत्रों, अप्रकाशित संदर्भों, गैर–सरकारी पत्रों/फोटोग्राफों, फिल्मों	**9.90**	**5.50**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्य जिनमें पेंशन और सेवा निवृत्ति के लाभ शामिल हैं, के लिए प्रयोग होता है।		**7.42**	**2.75**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		तथा महत्वपूर्ण कागज़ातों के अनुवाद के लिए भी उत्तरदायी।							
(i)	अनुसंधान एवं प्रकाशन i) अध्येतावृतियां प्रदान करना ii) प्रकाशन कार्यक्रम iii) सेमिनार एवं व्याख्यान (iv) मौखिक इतिहास प्रभाग का सुद्रढ़ीकरण	तीन स्तर की अध्येतावृत्तियाँ, अर्थात् वरिष्ठ अध्येतावृत्ति, अध्येतावृत्तियाँ तथा कनिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करना तथा छात्रवृत्तियाँ और वित्तीय सहायता प्रदान करने की व्यवस्था करना। पुस्तकों, मोनोग्राफ इत्यादि के प्रकाशन कार्य को शुरू करना। आधुनिक भारतीय इतिहास के अध्ययन को प्रोत्साहित करने हेतु व्याख्यानों, सेमिनारों, संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन करना।			32 संस्वीकृत अध्येता वृत्तियों में से अध्येताओं के 20 स्थान मर गए थे। वर्ष 2011–12 में रिक्त पदों को भरने का प्रस्ताव है। इन अर्हक व्यावसयिकों कोअनुसंधान गतिविधियों के संर्वधन के लिए सहायता देना हैं। अध्येताओं के निष्कर्ष और अनुसंधान पेपर जो वे तैयार करते हैं, उनको प्रकाशित किया जाता है। अनुसंधान संबंधी दस्तावेजो को विद्वात–मंडली के लाभार्थ नियमित रूप से प्रकाशित किया जाता है। स्व. श्री राजगोपालचारी के चुनिंदा ग्रंथें प्रकाशन किया जाता है।	अध्येताओं के निष्कर्ष और उनके द्वारा तैयार किए गए पेपर्स प्रकाशन किए जा रहे हैं। पांडुलिपि को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने के लिए प्रस्तुतकर दिया गया है। स्व. श्री सी. राजा जी के चुनिंदा ग्रंथों के प्रकाशन की परियोजना का कार्य प्रगति पर है। 4 सेमीनार, राष्ट्रीय स्तर पर, 2 अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर, आयोजित किए जाएंगे। मंगलवारीय सेमीनार और अन्य व्याखन सामान्य रूप में आयोजित किए गए।			आधुनिक भारत के अध्ययन का संवर्धन और उसकी वृद्धि के लिए व्याख्यान, सेमीनार, गोष्ठी और सम्मेलन राष्ट्रीय/ अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने हैं। रिकार्डिंग और प्रसिद्ध/व्यक्तियों की स्मृतियों को सुरक्षित रखने और रिकार्डिंग और लिप्यन्तरणं के अनुरक्षण का कार्य पूरा किया गया है।
(ii)	पुस्तकालय का विकास पुस्तकों, पत्रिकाओं/	ऐसी पुस्तकों, पेम्फ्लेट, समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्मों, स्थिर फोंटोग्राफ, चलित पिक्चरों,			संग्रहालय, नई पुस्तकें, पैम्फलेट, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, माइक्रोफिल्म, स्थिर फोटोग्राफ आदि का अर्जन	पुस्तकालय, माइक्रोफिल्म और फोटोग्राफ सामग्री के अतिरिक्त, आधुनिक इतिहास और संबंधित सामाजिक			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संसाधन सामग्री का अर्जन मल्टी मीडिया पुस्तकालय	साउंड रिकॉर्डिंग और अन्य सामग्रियों के एक पुस्तकालय को तैयार करना जिसमें 'स्वाधीनता आंदोलन' के विशेष संदर्भ सहित आधुनिक भारतीय इतिहास को समाविष्ट किया गया हो।			जारी रखेगा।	विज्ञान पर ध्यान केंद्रीय करते हुए, पुस्तकों का अर्जन जारी रखेगा। पुस्तकालय को अंकीय सदस्यता वायरलेस एलएएन, उच्च और कंप्यूटर भंडार सुविधाएं जो अंकीय सामग्री के लिए आवश्यक हैं और आधुनिक परियोजना के साथ में संलग्न सेमीनार कक्ष सहित अति आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा।			
(iv)	संग्रहालय का विकास	जवाहर लाल नेहरू व्यक्तित्व, स्मरणीय, स्मृति के संग्रहालय का अनुरक्षण करना तथा उनके जीवन और भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन से संबंधित अन्य वस्तुओं का रख–रखाव।			सामान्य अनुरक्षण तथा संग्रहालय का रख–रखाव। नियमित कार्यकलाप जैसे नई प्रदर्शनियों का आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि। नए प्रदर्शों के लिए ज्योति प्लेट फार्म का जीर्णोद्धा।	यह एक अनवरत चलने वाली परियोजना है और संग्रहालय का अनुरक्षण तथा अन्य कार्यकलाप, समीक्षाधीन अवधि में यथावत किए गए हैं।			
(v)	नेहरू तारामंडल का रख–रखाव	राजधानी में केवल एनएमएस और एल का नेहरू तारांमडल ही एक तारा मंडल है जिसके कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक रूचि उत्पन्न करते हैं।			नेहरू तारामंडल अकादमिक उत्कृष्टता के एक केंद्र के रूप मे अपना रखाति का बनाए रखने और बढ़ाने के लिए बहुत सी प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी हैं। यह आधुनिक भारत के राष्ट्रीय	नेहरू तारामंडलने तारामंडल को उन्नयन कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए परियोजना व्यय की राशि 11.75 करोड़ रूपये आबंटित किए गए, जिसमें से 10.50 करोड़ रूपये वर्ष 2009–10			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	मौखिक इतिहास एवं पांडुलिपि प्रभाग, रेप्रोग्राफी सेवाएं, बाल संसाधन केन्द्रों का सुद्रढ़ीकरण				नेताओं और दूसरे प्रसिद्ध भारतीय से संबंधित कागजातों का अर्जन, रख–रखाव और अनुरक्षण जारी रखेगा। पुराने अभिलेखीय रिकार्ड/दस्तावेजों के अंकीकरण का कार्य, आधुनिकीकरण परियोजना के तहत किया गया।	में भारत सरकार द्वारा दिए गए। कार्यालय कर्मचारियों के वेतन और दैनिक व्यय भी इस शीर्ष से पूरा किया जाता है। समाचार–पत्रों और पाइवेट पेपरों को माइक्रोफिल्मिंग का कार्य एक उनवरत प्रक्रिया है। कच्ची माइक्रोफिल्म, 2 माइक्रोफिल्म कैमरा और 2 रीडर्स प्रिंटर्स और कंप्यूटरीकृत लैमिनेशन का अर्जन किया गया।			
24	**भारतीय संग्रहालय, कोलकाता**	यह संस्थान सांस्कृतिक लोकाचार और परंपरा की शताब्दियों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय और विदेशी कला की अनन्य निधियों को समाविष्ट करने वाली वीथियों के पुनर्गठन और पुनरूद्धार में संलग्न है।	**6.75**	**12.00**			**4.67**	**4.77**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय में किया जाता है।
(i)	पुरातत्व अनुभाग, मानव विज्ञान, कला अनुभाग, न्यूमिसमेटिक और इपीग्रैफी	इसके उद्देश्यों में अद्यतन व्यवस्थाओं और तकनीकों के साथ विभिन्न वीथियों और आरक्षित संग्रहों की पुनर्सज्जा, आधुनिकीकरण और पुनरूद्धार शामिल हैं।			i) वीथि का पुनरूद्धार/नवीकरण – 18 विथियां। ii) 2 नई वीथियों की स्थापना – (शेष कार्य) iii) गोदाम का	नवीकरण कार्य प्रगति पर है। पुरातत्व, कला, मानव विज्ञान वीथिों के उद्यतन करपना। लम्बी पुरातत्व वीथी, चित्रकला वीथी, सजावटी कला वीथी, चित्रकला वीथी मानव–विज्ञान			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकोष्ट की वीथियों का आधुनिकी करण और रख–रखाव।				विद्युतीकरण–1 iv) वीथि का वातानुकूलन–1 v) उपकरण खरीद–1 vi) शो केस रिडिजाइनिंग–1 vii) अग्निरोधी प्रबंध–1 viii) वृत्तचित्र–1 ix) फील्ड संग्रहण –200 x) कैटलॉग निर्माण –1	वीथी का अनुरक्षण और रख–रखाव।			
(ii)	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण	वीथियों, प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी कक्ष, भवनों, परिसर क्षेत्र आदि में सुरक्षा व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण करना।			i) पूरे वर्ष सुरक्षा एजेंसी की व्यवस्था करना और राज्य सशस्त्र पुलिस की व्यवस्था करना ii) विद्यमान फिटिंग, फिक्सचर इत्यादि को बदलना–10 iii) अत्याधुनिक एवं उन्नत सुरक्षा उपकरणों का क्रय व रखरखाव iv) पूरे परिसर क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था का विस्तार करना v) विभिन्न इलेक्ट्रानिक उपकरण/अग्नि, चोर–घंटी अलार्म, दरवाजे के फ्रेम, हैंड सेट–मैटल डिटेक्टर, क्लोज सर्किट टीवी आदि का रख रखाव–100 vi) कम्प्यूटर का क्रय–7	(i) राज्य सशस्त्र, पुलिस को गार्ड की व्यवस्था करना। (ii) प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी की व्यवस्था करना, (iii) क्लोज सर्किट टी वी का अनुरक्षण (iv) विभिन्न विद्युतीय उपकरणों का रख–रखाव और अनुरक्षण।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					vii) प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था करना –4 viii) जल–संग्रह टैंक में फिर से लाइन डालाना–1 का निर्माण ix) सुरक्षा प्रणाली का इंटरमिटेंट टेस्ट–10				
(iii)	सरंक्षण इकाई का सुदृढीकरण और आधुनिकीकरण (संरक्षण प्रयोगशाला) प्रस्तुतिकरण इकाई का विकास	पुरावशेषों का वैज्ञानिक परिरक्षण और कला वस्तुओं का पुनर्स्थापन।			i) संवेदनशील सामग्रियों का संरक्षण–वस्त्र, हाथी दांत, लकड़ी नक्काशी, पेटिंग, धातु, पत्थर, नाजुक कलाकृतियां आदि–1 ii) चल संरक्षण प्रयोगशाला और इसकी कार्यशाला का पुनर्गठन; iii) परिष्कृत उपस्करों और उपकरणों की खरीद–एक्स रे, फलूरोसें से पोरटेबल मशीन; (ख) थर्मो–हाइग्रो ग्राफ (बारिगों); (ग) यू वी मॉनीटर; (घ) जीरोक्स मशीन; (ड.) सहायक उपस्करों के साथ डी 70/80 कैमरा iv) विभिन्न प्रयोगशालाओं (कार्बनिक/अकार्बनिक) का पुनर्गठन	(i)इस इकाई ने वस्तुओं का रासायनिक उपचार किया। (ii)विभिन्न वीथियों और भारतीय संग्रहालय के परिसर के अन्य भागों में कीटनाशी अभियान चलाया। वीथीयों का आधुनिकी करण, नवीकरण, सुंदरीकरण, निभिन्न वीथियों का जीर्णोद्धार और पुर्नगठन कार्य, ढांचा संबंधी प्लान, परिव्यय डिजाइन की तैयारी, पोस्टर, बैनर, फोल्डर, ब्रोचर्स, केंद्र लाम आदि की तैयारी (ii) आंतरिक सजावट और रंमाई–पुताई सहित भवनों की ढांचागत मरम्मत की देख भाल करना।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					v) संरक्षण कार्य का कम्प्यूटरीकृत प्रलेखन; vi) संग्रहालय विज्ञान छात्रों के लिए संरक्षण, ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन vii) लेजर संरक्षण पर विशेष दीर्घकालिक परियोजना का संगठन				
(iv)	क) शैक्षिक कार्यक्रम और जनसंचार तथा सांस्कृतिक कार्यकलाप	प्रशिक्षण और शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन। अस्थायी/विशेष एवं अन्तर्राज्य आन्तरिक प्रदर्शनियों, आउटरीच कार्यक्रम का 'म्यूजिएम ऑन हवील' (म्यूजियो बस) के माध्यम से आायोजन। राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशाला का आयोजन।			i) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशाला ii) चल प्रदर्शनी, अस्थायी प्रदर्शनी iii) जनसंचार सांस्कृतिक कार्यक्रम iv) वार्षिक और स्मारक व्याख्यान श्रृंखलाएं v) प्रशिक्षण कार्यक्रम – सेवा के दौरान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और संग्रहालय अध्ययन में लघु पाठ्यक्रम, संग्रहालय प्रणाली के व्यावहारिक पक्ष vi) प्रेक्षागृह और प्रदर्शनी हॉल का विकास vii) इस्तहारों, प्रदर्शनी	संग्रहालय ने ये सभी कार्यकलाप/कार्यक्रम अनवरत चलने वाले हैं। संग्रहालय में कार्यशालाएं/सांस्कृतिक कार्यक्रम, समय–समय पर आयोजित किया जा रहे हैं। भारत के विभिन्न पुस्तक मेलों में भागी दारी। (i) पुराकालीनमूल्यवान प्रलेखित नेगेटिव का जीर्णोद्धार (ii)फोटोग्राफ रंगीन किए गए, बी आर डब्ल्यू,(iii)फोटोग्राफ का मुद्रण,(iv)कलावस्तुओं आदि का अंकीकरण (v) उपस्कर, सूपीएस, कैमरा, प्रकाश इकाइ, कंप्यूटर आदि का रख–रखाव ।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ख) वार्षिक रिपोर्ट/नए प्रकाशन की छपाई और मुद्रण कार्य ग) फोटोग्राफी इकाई का विकास और संकलनों का फोटो प्रलेखन घ) ऑडियो–विडियों स्टूडियों के विकास के लिए परियोजना				फोल्डरों, निमन्त्रण पत्रों, हैंडआउट आदि को तैयार करना viii) शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए कंम्प्यूटर तथा व्हील चेयर खरीदना ix) व्याख्यान कक्ष का पुनर्गठन तथा साज सज्जा 4– पुराने प्रकाशनों की पुनः छपाई 4– नए प्रकाशनों की छपाई, विभिन्न पुस्तकालयों में भागी दारी, उन्नत छपाई प्रौद्योगिकी में अधिकारियों को प्रशिक्षण। वार्षिक रिपोर्ट 2009–10 का अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में मुद्रण और पिक्चर पोस्ट कार्ड का पुनः मुद्रण संवेदनशील फोटो सामग्रियों की सहायक उपकरणों सहित खरीद, फोटो अभिलेखों के इमेज बैंक की स्थापना करना और उपस्करों का रखरखाव।	(vi) श्रव्य–दृश्य अपस्करों का वार्षिक अनुरक्षण और नकी मरम्मत का कार्य।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					अभिलेख शास्त्र, कला, एंथ्रोपोलॉजी, नमूनों इत्यादि पर वृत्तचित्र तैयार करना। श्रव्य/दृश्य कैसेट, कैसेट/हेड क्लीनर आदि की खरीद। आधुनिक वीडियो कार्ड और डिजिटाइजिंग एनालॉग टाइप वीडियों फिल्म के लिए साफ्टवेयर को खरीद। आडियो/वीडियो उपकरणों का वार्षिक अनुरक्षण और मरम्मत।				
(v)	वैज्ञानिक वीथियों का विकास पुर्नगठन	वैज्ञानिक वीथियों की प्रदर्शनी और प्रस्तुतीकरण में प्रस्तुतीकरण की गुणवत्ता के स्तर को उन्नत करने एवं उन्हें अन्य सांस्कृतिक वीथियों के स्तर पर लाने के लिए संग्रहालय का इन वैज्ञानिक वीथियों के नवीकरण और अद्यतन किए जाने के लिए सर्वेक्षण से संबंधित निपुणता प्राप्त व्यक्तियों के माध्यम से भी करने का प्रस्ताव है।			i) स्तनधारी जीवों की दीर्घा का विस्तृत रूप से नवीकरण (फेज i और iii) ii) कीट संबंधी वीथि का पुनर्गठन (1 फेज) iii) सिवालक वीथि के शोकेस का पुर्नगठन iv) इन्टरकॉम सुविधा की शुरूआत v) वैज्ञानिक सर्वेक्षण के तहत वीथियों का अनुरक्षण	संग्रहालय का यह अनवरत चलने वाला कार्यक्रम है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	संग्रहालय भवनों (विरासत) की विशेष मरम्मत और रख–रखाव	संग्रहालय भवनों का संरचनात्मक अनुरक्षण एवं विकास तथा अन्य अवसंरचनात्मक विकास।			(क) मुख्य संग्रहालय भवन का जीर्णोद्धार और इसके साथ–साथ सीवर प्रणाली तथा भवन के दक्षिणी छोर की पाइप लाइनों को ठीक करना, प्रथम तल के दरवाजों और खिड़कियों की मरम्मत, प्रथम तल पर तथा छतों पर पुराने प्लास्टर को हटाकर नये प्लास्टर को लगाना और आधुनिक टिकट काउंटर का निर्माण।	1.मुख्य संग्रहालय भवन के प्रवेश द्वार के नवीकरण का कार्य प्रगति पर है। 2.शिवाल्कि वीथी के नवीकरण का कार्य प्रगति पर है।			
(vii)	देश के पूर्वी तथा पूर्वोत्तर राज्यों में संग्रहालय का विकास	समग्र रूप से देश की संपन्न सांस्कृतिक विरासत की बेहतर और गहराई से समझबूझ पैदा करना और प्रशंसा करना			वर्ष 2011–12 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों के अवसंरचनात्मक विकास के निरूपण का पुनः मूल्यांकन संगठन के न्यासी बोर्ड के सदस्यों सहित तकनीशियनों, विशेषज्ञों, निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के दल द्वारा किया जा रहा है।	पूर्वोत्तर राज्यों से छात्रों ने अप्रैल 2011 से दिसम्बर 2011 तक विरासत दौरा के तहत भारतीय संग्रहालय का दौरा किया।			इस संबंध में पहले आकलन का उल्लेख नहीं किया गया था। वर्ष 2011–12 के बजट अनुमान अर्थात 20.56 करोड़ रू. की 10 प्रतिशत अनुमानित लागत है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
25	**सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद**	यह राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय है जिसमें सालारजंग प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय द्वारा समग्र विश्व से संग्रहित दुर्लभ और विविधतापूर्ण कलावस्तुओं का संग्रह है।	9.12	8.00	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।		6.84	6.00	
(i)	**परियोजना भवन**	विशेष रूप से वीथियों के विस्तार हेतु अतिरिक्त तल का निर्माण करना			वीथियों का विस्तार करने के लिये पश्चिमी तथा पूर्वी खण्ड पर अतिरिक्त तल का निर्माण।	वीथियों का विस्तार करने के लिये पश्चिमी तथा पूर्वी खण्ड पर 8 अतिरिक्त वीथियों के निर्माण कार्य प्रगति पर है।			
(ii)	विकासात्मक कार्य (वर्तमान भवन)	विभिन्न विकास कार्यो के अन्तर्गत वर्तमान भवन में – दीर्घाओं का पुनर्गठन, भंडारों में – दीर्घाओं का पुनर्गठन, भंडारों का आधुनिकीकरण, पांडुलिपियों एवं पुस्तकालयों आदि का संरक्षण।			मौजूदा भवन का विकासात्मक कार्य और वीथियों का पुनर्गठन।	प्रशासनिक कार्यालय के शौचालय का जीर्णोद्धार एवं अन्य विभिन्न कार्य। वाथियों के कार्य को अग्रेषित किया गया सिक्कों की वीथी, रोजरी वाकिंग स्टिक वीथी और गजदंत (इवारी) वीथी।			
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	टी वी कैमरों, अग्नि अलार्म और फायर हायड्रेन्ट सिस्टम द्वारा संग्रहालय की सुरक्षा का उन्नयन किया जा रहा है।			सीसी टीवी कैमरा, फायर अलार्म प्रणाली और अग्नि शमन प्रणाली की व्यवस्था करके संग्रहालय की सुरक्षा को स्तरोन्नत किया जा रहा है।	9 महीने के केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सुरक्षा पारिश्रमिक की प्रतिपूर्ति कर दी गई है और संग्रहालय की सुरक्षा को विभिन्न उपकरणों की व्यवस्था करके			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						उन्नत कर दिया गया है।			
(iv)	सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कार्यकलाप, पुस्तकालय पुस्तकों, कलाकृतियों और पांडुलिपियों आदि का संरक्षण फोटोग्राफी भूमि का अधिग्रहण	संग्रहालय पुस्तकालय में उपलब्ध कला वस्तुओं/पांडुलिपियों का संरक्षण। विभिन्नशौक्षिक गतिविधियों का आयोजन करना। फोटोग्राफी उपस्करों का उन्नयन वीथियों का निर्माण करके संग्रहालय का एरिया बढाना।			कलाकृतियों के संरक्षण और परिरक्षण का कार्य सामान्यतः किया जाता है और इन्हें प्रदर्शित किया जा रहा है तथा भंडार में भी रखा गया है। ग्रीष्म कला शिविर, संग्रहालय सप्ताह, विशेष प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशाला इत्यादि जैसे शैक्षिक कार्यकलाप किये जाएंगे। संग्रहालय के विस्तार के लिए, भूमि–अधिग्रहण का कार्य संबंधित पक्ष से प्रारंभ किया जाएगा।	स्तम्भ (5) में उल्लिखित कार्य की मदों मे प्रदेर्शी का अंकीकरण और आरक्षित संग्रह को नेट्वकिंग काय्र प्रारंभ कर दिए गए हैं।			
26	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	यह संग्रहालय मानव के जैविक और सांस्कृतिक विकास को उजागर करते हुए विभिन्न समय और स्थान पर मानव जाति की कथा को दर्शाने वाले एक	**3.10**	**9.00 (टी एस पी के लिए प्रावधान)**			**2.33**	**7.50**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		विकासशील आंदोलन के रूप में परिकल्पित संग्रहालय है।							प्रयोग होता है।
(i)	बुनियादी ढ़ाचा विकास और शिक्षा तथा आउटरीच कार्यक्रम	शैक्षिक और आउटरीच कार्यकलापों तथा ऑपरेशन भ्रंशोद्धार (साल्वेज) के माध्यम से भारत के समृद्ध और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक स्वरूपों के प्रलेखन, प्रदर्शन और प्रचार–प्रसार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बुनियादी सुविधाओं का विकास करना।			**अवसंरचनात्मक विकासः** अवसंरचानात्मक विकासः प्रलेखन केन्द्र के भवन का निर्माण, आंतरिक संग्रहालय भवन का निर्माण, बिलों का निपटान करना, चाहरदिवारी निर्माण, के कार्य को पूर्ण करना, आगंतुकों के अनुरूप सुविधाओं का विकास और प्रस्तुति स्थानों/सभागार का निर्माण/उन्नयन, स्थल विकास। **2.मुक्ताकाश प्रदर्शनी** का विकास इस वर्ष में यह संग्रहालय प्रदर्शन वस्तुओं के रूप में नये प्रकार के संग्रह स्थलों को शामिल करेगा, महानदी घाटी से प्रदर्शन वस्तुओं को प्राप्त करेगा, विभिन्न संस्कृतियों में कल्याण और अच्छे जीवन की	तृतीय चरण में 500 मीटर की चाहरदीवारी का निर्माण, पार्किंग के पास फव्वारे और कार्यालय के पास कार पार्किंग का निर्माण कार्य गेट नं.1 से नर्मदा वीथी तक जाने स्थापना के कार्य प्रारंभ किए गए। संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों के अनुरक्षण और इन्हें बेहतर बनाने का कार्य किया गया। मेघालय के पारंपरिक गारो समुदाय को मुक्ताकाश प्रदर्शनी में एक प्रदर्श के रूप में जोड़ा गया। एक दूसरी हाउस टाइप, भोटिया समुदाय के लिए, बनाने का कार्य चल रहा है। दोः विशेष आवधिक, प्रदर्शनियां जिनके शीर्षक			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पारंपारिक अवधारणाओं के संबंध में प्रस्तुति करण के लिए एक मुक्ताकाश प्रदर्शन स्थल को तैयार करना, आंतरिक प्रस्तुतिकरण/मंचन स्थल का निर्माण, सभागार उन्नयन और सभी मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में, आगंतुकों को बढ़ाना, आडियो टूर और आडिया पोस्ट की सुविधाओं का विकास करना, ब्रेल्ले में पाठ और लैविल प्रदान करना, आगंतुकों को प्रदर्शनी स्थलों पर इस्कैलेअर की सुविधा प्रदान करना, मुक्ताकाश प्रदर्शनियों के स्थल पर सूचना कियोस्क (पीसी आधारित सुविधा आगंतुकों को प्रदान करना। आइ जी आर एम एस, प्रकाश और ध्वनि 'शो' का भी विकास करेगा। आंतरिक संग्रहालय में प्रदर्शन वाथियों का विकास इस वर्ष में वर्तमान प्रदर्शनी वाथियों में अतिरिक्त विद्युतीय आकरण और आगंतुक सुविधाओं, प्रदर्श सामग्री की सुरक्षा और संरक्षण	अण्डमान और निकोबार आइसलैण्ड तथा जनजातीय घरानों का प्रलेखन थे उनको प्रदर्शित किया गया। संग्रहालय के लगभग 3 ''करो और सीखो'' शिक्षा कार्यक्रम और विश्व के देशी कलाकारों के संबंध में कार्यशाला प्रदर्शनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नामक एक विशेष कार्यक्रम अंर्तराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया। मानव विज्ञान से संबंधित शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए दो राष्ट्रीय कार्यशालाएं, जिनके शीर्षक संग्रहालय और मानव विज्ञान थे, आयोजित की गईं। समीक्षाधीन अवधि में संग्रहालय ने भोपाल और भारत के अन्य स्थानों पर लगभग 10 अस्थायी और चल प्रदर्शनियां आयोजित की हैं। समीक्षाधीन अवधि में, संग्रहालय ने लगभग 10 करो और सीखो, संग्रहालय			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					में वृद्धि करके, उन्नयन करने का प्रस्ताव है। इसके लिए सीसीटीवी और चोर–घंटी प्रणाली और अग्नि शमन उप करणों को स्थापित किया जाएगा। विकलांग व्यक्तियों का वीथियों में सुगम आवागमन के प्रावधान और वातानुकूलन प्रणाली को, दो वीथियों में उन्नत किया जाएगा। 'भारत और विश्व' विषय पर एक नई प्रदर्शनी, विभिन्न नए विषयों पर नए प्रदर्शों को रखने के लिए सैटेलाइट प्रदर्श स्थल बनाने का प्रस्ताव है। (ख) संग्रहालय शिक्षा और आउटरीच कार्यकलापः (1)क्षेत्रीय केंद्र मैसूर में सुविधाओं का विकास, भारतीय जीवन शैली पर मुक्ताकाश प्रदर्शनी का विकास। मैसूर में यह सेमीनार/गोष्ठी, शैक्षिक कार्यक्रम और क्षेत्र कार्यों का भी आयोजन करेगा। नए क्षेत्रीय केंद्रों की स्थापना के लिए भी इसका प्रस्ताव है। (2) संस्कृति क्षेत्र विशिष्ट और	के शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है, राष्ट्रीय बालरंग –2011 को आयोजित किया, अंर्तराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर्यावरण दिवस और विश्व देशज व्यक्तियों का अंर्तराष्ट्रीय दिवस, लगभग 5 कार्यशालाएं और शिविर तथा मंचकला प्रस्तुतियों के लगभग 7 कार्यक्रम और कई अन्य कार्यक्रम भोपाल और भारत के दूसरे स्थानों पर किए गए। समीक्षाधीन अवधि में 2 संग्रहालय प्रसिद्ध व्याख्यान, 1 सेमीनार/गोष्टियों का आयोजन किया गया। इस वर्ष में, संग्रहालय ने 6 पुस्तकें, 1 जर्नल, 1 वार्षिक रिपोर्ट 2009–12, त्रिमासिक समाचार–पत्र और बहुत से ब्रोचर्स, फोल्डर, पुस्तिकाएं, पोस्टर आदि प्रकाशित किए।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					विषय पर आधारित संस्कृति व्याख्या केंद्रों का सृजन और प्रबंधनः ये व्याख्या केंद्र समुदायों और क्षेत्र की ज्ञान प्रणाली के संसाधन के रूप में कार्य करेंगे। (3) अस्थायी और चल प्रदर्शनियांः विभिन्न विषयों पर आधारित कुछ और प्रदर्शनियां, जिनमें लोक और जनजातीय संस्कृतियां शामिल हैं, को प्रर्शशित करने का भी प्रस्ताव है। (4) संग्रहालय और विरासत पर आंतरिक अनुशासन प्रशिक्षणः (5) सामुदायिक ज्ञान प्रणाली का प्रदर्शनः (कलाकार शिविर, जानजाति दुःख निवारण शिविर, मंच कला, रंगमंचीय प्रस्तुति, पूनम, विद्यालय के बच्चों का बालरंग राष्ट्रीय महोत्सव, करो और सीखो आदि), प्रकाश और ध्वनि कार्यक्रम। (6) शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम/वीडियो वृत्त चित्रों के				

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					लिए सहायक इकाइयों का विकासः संग्रहालीय के लक्ष्यों और अद्देश्यों को संबंधित विभिन्न पहलुओं पर नियमित प्रकाशनों का निर्गम किया जाएगा। आडियो आधारित सामग्री के प्रलेखन के लिए, एक अलग से आडियो इकाई बनाने का भी प्रस्ताव है।				
(ii)	आपरेशन भ्रंशोद्धार	पारम्परिक संस्कृति सामग्री के भ्रन्शोद्धार तथा लुप्त हो रहे पहलुओं के लिए व्यवस्थित कार्रवाई की आवश्यकता है क्योंकि त्वरित बदलाव और तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण भारत के कई भागों में पारम्परिक सामग्री, संस्कृति, लोक तथा जनजातीय कला वस्तुओं और सदियों पुराने रीति–रिवाज और परम्पराएं भारत के बहुत से भगों में तेजी से लुप्त हो रही हैं। ऐसी सामग्रियों के भ्रंशोद्धार का व्यवक्थित कार्यक्रम संग्रहण और			i) भीमबेटका विश्व विरासत स्थल के आसपास के गांव में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन ii) एथनो–म्युजिकोलॉजी और मंचन कलाओं की वाचिक परम्परा के विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन iii) दुर्लभ कलाकृतियों का अभिनिर्धारण और भ्रन्शोद्धार iv) सांस्कृतिक सामग्री और कलाकृतियों का संग्रह v) नमूनों का संग्रह vi) रॉक कला अनुसंधान vii) सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए अध्येता वृत्ति viii) विद्यार्थियों के लिए	इस अवधि के दौरान भारत की सांस्कृतिक विरासत के संकलन और प्रलेखन के लिए भारत के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में संग्रहालय के कर्मचारियों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत का संग्रह करने और प्रलेखन करने के लिये फील्ड कार्य किया और इस प्रक्रिया में भारत के विभिन्न समुदायों से संबंधित 1650 कला वस्तुएं जो भारत के विभिन्न समुदायों से संबंधित थीं, प्राप्त हुई और नमूना भंडार में रखी गई।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रलेखन के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।			इंटर्नशिप कार्यक्रम				
27.	**अन्य कार्यक्रम (संग्रहालय)**								
क.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण में लगी हुई विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं की क्षमता का विकास करना और संग्रहालय, अभिलेखागार, पुरातत्व विभागों और अन्य समान संस्थाओं को संरक्षण सेवाएँ प्रदान करना।	**3.45**	**2.20**			**2.60**	**1.11**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना तथ्यों के लिए होता है।
(i)	अनुसंधान और विकास क्षे.त्र परियोजनाएं प्रशिक्षण सूचना संबंधन और संचार प्रयोगशाला सुविधाओं का उन्नयन	संरक्षण के स्थायी तरीकों का विकास करना संग्रह, कला कृतियों, भवन–निर्माण कला आदि का संरक्षण करना संरक्षकों और संग्रहकों का विकास करना संरक्षण सूचना का प्रसार। अद्ययन प्रगति के			संरक्षण के तरीके (हल) (10), 3600 नक्से, 3 धातु वस्तुएं, 13 थंकास, 1000 फोलियो–पुस्तकों के , 265 पेंटिंग, एक बड़ा लकड़ी का रथ (20 फुट ऊँचा), 2 टाइगर की खालें, 2 एंटीलोप (हिंरण) के शिर, 5 स्क्रोल को संरक्षित किया गया।	त्रीके (हल) प्रदान किए–5, 2133 नक्से, 2 धातु वस्तुएं, 5 स्क्रोल्स, 2 टाइगर की खालें, 2 एंटीलोप (हिरण) के शि, पुस्तकों के 7500 फोलियो, 165 पेंटिंग, 5 स्क्रोल्स, रथ का 75% कार्य पूरा किया गया। 12 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		साथ–साथ बढना।			15 संरक्षक/संग्रह को का विकास किया गया, अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रम, एम.ए.(संग्रहालय शास्त्र, संरक्षण),विभिन्न विश्व विद्यालयों से चलाए गए। लगभग 200 संरक्षण शीर्षकों, जर्नल, आफप्रिंट आदि का अर्जन किया गया। वेबसाइट पर डालने के लिए, 5% उपलब्ध सूचना संसाधनों की संदर्भ –सूची तैयार की गई। 10 रिपोर्ट/टिप्पणी/अनुसंधान पेपर निकाल गए। संरक्षण उपस्करों, लीफ कास्टर, डाट वैकूम टेबिल, क्लोरीमीटर, स्टीरियों माइक्रोस्कोप का प्रापण।	दिया जा रहा है जो 13 मार्च, 2012 को संपन्न हो जाएगा। विभिन्न विश्व विद्यालयों के 25 विद्यार्थियों से अधिक संख्या में भाग लिया। 100 से अधिकशीर्षक/जर्नल पुस्तकालय में जोड़े गए। एनआरएलसी द्वारा अभी तक प्रकाशित सभी अनुसंधान पेपर, वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए। 6 रिपोर्ट/अनुसंधान पेपर प्रकाशित किए गए। टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई है और कोलोरीमीटर एवं स्टेरियो माइक्रोस्कोप के लिए आदेश कर दिया गया है।			
(ii)	संरक्षण सेवा/क्षेत्र आधारित परियोजनाएं और तकनीकी सहायता	विभिन्न संग्रहालयों, कला वीथियों और संबंधित विभागों को संरक्षण सेवाएं प्रदान करना।			1. क्षेत्रीय अभिलेखागार, कोचीन– 5 पांडुलिपियां, 2 दुर्लभ पुस्तकें, 3 नक्शें 2. राजस्व बोर्ड उत्तर प्रदेश–600 नक्शे 3. राज्य संग्रहालय, त्रिवेन्द्रम–12 तैल चित्र 4. राज भवन, लखनऊ– चीते	जरूरतमंद सांस्कृतिक संस्थाओं को क्षेत्र आधारित परियोजनाएं प्रदान की गई तथा संरक्षण सेवाएं प्रदान की गईं।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					की खाल–1 5. शिल्प संग्रालय, लखनऊ–10 वस्त्र 6. राज भवन, शिमला–लकड़ी के बॉक्स–2 अन्य संग्रहालयों/संस्थाओं से जब भी प्राप्त होते हैं।				
(iii)	संरक्षण प्रशिक्षण	संरक्षकों, संग्रहालय अध्यक्षों और अन्य संग्रहालय व्यावसायिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना			1. जुलाई 2010 में पुस्तकालय सामग्रियों की देखभाल और रखरखाव पर कार्यशाला। 2. अगस्त 2010 में दो सप्ताह के लिए सांस्कृतिक विरासत की देखभाल और रखरखाव पर प्रबोधन कार्यशाला 3. सितम्बर 2010 से फरवरी–2011 तक कला वस्तुओं के संरक्षण पर छः माह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 4. पूर्वोत्तर क्षेत्र, डिब्रूगढ़ में मई, 2010 में एंथ्रोग्राफिकल सामग्री की देखभाल और अनुरक्षण पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी।	विद्यार्थियों/संरक्षकों, संग्रहालय अध्यक्षों, कीपर, जीर्णोद्धार करने वालों के कौशलों को बढ़ाया गया।			
	पुस्तकालय और	नई पुस्तकों, पत्रिकाओं			पुस्तकों और पत्र–पत्रिकाओं की	पुस्तकालय के डाटाबेस को			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सूचना	का अधिग्रहण, इनके इंडेक्स और पुस्तक–सूची तैयार करना तथा रखरखाव करना			खरीद। पुस्तकों का इंडेक्स बनाना और पुस्तक–सूची तैयार करना।	अद्यतन किया गया और संरक्षण से संबंधित प्रकाशनों को व्यावसायिकों तथा आम जनता को उपलब्ध कराया गया।			
(iv)	क्षेत्रीय संरक्षण प्रयोगशाला, मैसूर	दक्षिणी क्षेत्र में संरक्षण सेवाएं प्रदान करना			1. दक्षिणी क्षेत्र के विभिन्न विभागों से प्राप्त कलाकृतियों का संरक्षण। 2. जब भी इस संबंध में अनुरोध प्राप्त होते हैं तो अन्य संस्थाओं से कलाकृतियों को प्राप्त किया जाता है। 3. संरक्षण के लिये स्थापना सुविधाएं प्रदान करना 4. राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के सहयोग से संरक्षण अनुसंधान कार्यक्रम	संरक्षण कार्य पूरा किया जाएगा और नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।			
ख.	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता**	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास का चित्रण करने वाली अवधि से संगत सामग्री और आँकड़ों को इकट्ठा करने में कार्यरत समकालीन कला का संग्रहालय।	**3.70**	**14.00**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना तथ्यों के लिए होता है।		**2.78**	**6.93**	
(i)	सीपीडबल्यूडी/ एएसआई द्वारा किए जाने वाले	मेमोरियल भवन, छत का मरम्मत कार्य करना और बाहरी एवं आंतरिक			एएसआई आकलन के आधार पर दरबार हाल के डम्ब की आंतरिक सतह की मरम्मत।	एएसआई द्वारा भवन के अनुरक्षण का कार्य प्रगति पर है। चहारदीवारी को रंगाई का			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विशेष मरम्मत और नवीकरण कार्य	भाग की रासायनिक सफाई			वीथियों की प्लास्टरिंग अथवा री–प्लास्टरिंग, टिकट विक्रय काउंटर का निर्माण किया जाएगा। और अन्य रख–रखाव के कार्य किए जाएंगे।	कार्य पूरा हो गया है। पूर्वी और दक्षिणी द्वारा निकट पानी–पीने का प्लेटफार्म बनाने गया है। भूमि के नीचे के जल–भंडार के चारो ओर, लौह–श्रृंखला वाली बाड़ (अर्गला) लगा दी गई है।			
	गार्डन विकास	गार्डन को बेहतर बनाना और लॉन का सौंदर्यकरण करना			सीपीडम्ल्यूटी (उद्यान) द्वारा गार्डन के सौंदर्यकरण का शेष कार्य पूरा किया जाना है।				
	सभागार–व–प्रशासनिक खण्ड के लिये एक सौध भवन का निर्माण	अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियां लगाने और सेमिनार, पुस्तकालय सुविधाएं इत्यादि की व्यवस्था करने के लिये अतिरिक्त स्थान प्रदान करना			इस वर्ष के दौरान, सौध–भवन के निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।				

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	घरेलू प्रदर्शनी	जनता को हमारे संग्रहों की समृद्धता से बड़े पैमाने पर परिचित कराना और हमारे विगत इतिहास, संस्कृति तथा सौन्दर्यशास्त्र के विषय में बताना तथा भारत के किसी भी महानगर में न्यूनतम एक चल प्रदर्शनी लगाना।			भारत और विदेश में प्रदर्शनियों पर सहयोगी कार्यक्रमों के अतिरिक्त, संग्रहित संग्रह की 43 अस्थायी प्रदर्शनियां लगाई जा सकती हैं। संगठनों के सहयोग से।	फोटोग्राफिक प्रदर्शनी होप्पी का शांति निकेतन का उद्घाटन, वी एण्ड वी संग्रहालय, यू.के. के सहयोग से कालीघाट की पेंटिंग को प्रदर्शनी का उद्घाटन आम जनता के विचारों के लिए किया गया। चार्ल्स डोली की कलाकृतियों पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। गगनेंद्र नाथ टैगोर की कला कृतियों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।			
(iii)	प्रकाशन प्रलेखन, संदर्भ सूची तैयार करना, भण्डारण, कला वस्तुओं के स्टाक का सत्यापन, फोटो प्रलेखन आदि।	उच्च गुणवत्ता प्रकाशन और यूरोपीय कलाकारों के कार्य के हमारे अद्वितीय संकलन पर कुछ प्रमाणिक सूचीपत्र का प्रकाशन।			विक्टोरिया मेमोरियल गार्डेन के समाप्त हुए प्रकाशनों का मुद्रण संग्रह में रखने और संदर्भ सूची बनाने का कार्य, लगभग 1000 कला वस्तुओं का प्रलेखन और प्रलेखन का अंकीकरण।	चार्ल्स डीयली के संदर्भ सूची ग्रंथ का प्रकाशन किया। गंगा से संबंधित एक चित्र पोस्ट कार्ड प्रकाशित किया गया। उच्च संकलय अंकीकरण प्रगति पर हे। वी एम एच द्वारा 1150 संख्याओं का अंकीकरण पूरा हा गया। वी एम एच की 200 कला वस्तुएं अंकीकृत की गईं। वीथियों में 200 संकेतक लगाए गए।			
(iv)	सुरक्षा को सुदृढ़	कलावस्तुओं और स्मारक			सीआईएसएफ की सिफारिश के	सीसीटी के उन्नयन का			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बनाना	की कलाकृतिध्वंसन और चोरी से रक्षा करना तथा सांस्कृतिक संपदा की सुरक्षा करना।			अनुसार धुंए का पता लगाने, सहित सर्विलांस प्रणाली (सीसी टीवी) संस्थापित करने और परिसर दीवार पर 12 फीट ऊंची बारबेड तारों को लगाने, सहित फायर अलार्म और अग्निशमन प्रणाली को संस्थापित करना। 131 सीएसआईएफ सुरक्षा कर्मियों/व्यक्तियों की तैनाती, 6 वाइनोकुलर की खरीद।	कार्य प्रक्रियाधीन है। एकसरे बैगेजस्कैनर मशन, स्थापित कर दी गई। फिक्स किया हुआ धातु का दरवाजा और मेटल डिटेक्अर स्थापित कर दिया गया है। बैटरी चालित 2 और कार्ड प्रक्रियाधीन हैं। कोलकाता पुलिस को 46 तैनातियां जारी हैं। 17 प्राइवेट सुरक्षा कार्मिक लगाए गए हैं। वाकी–टाकी को किराए पर लेना जारी है।			
(v)	वीथियों की स्थापना, आधुनिकीकरण और कला वस्तुओं का भंडारण तथा प्रकाश व्यवस्था, जलवायु नियंत्रण, आगंतुक सुविधाओं आदि को बेहतर बनाना	उपयुक्त प्रदर्शन, प्रकाश प्रणाली और जलवायु नियंत्रण के साथ मेमोरियल की वीथिका की पुनसंरचना, पुनः मॉडल।			3 वीथियों और कुछ भंडारों को आधुनिक बनाया जाएगा। कुछ स्टोरों को जलवायु नियंत्रित फिक्स्चरों से और आधुनिक भण्डार उपस्करों से सुसज्जित किया जाएगा।	टागंतुक व्याख्या केंद्र का विकास और संग्रहालय शाप, जिसके लिए डिजाइन तैयार कर लिया गया है, बोर्ड द्वारा डिजाइन का अनुमोदन हो जाने पर प्रारंभ कर दी जाएगी। वीथियों को हटाने के लिए उनकी पुनः डिजाइन तैयार करने का कार्य जे.यू. कोलकाता द्वारा समझोता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद किया जाएगा।			
(vi)	**कलावस्तुओं का अनुरक्षण,**	आधुनिक भारतीय इतिहास को अनुरक्षित			निरोधक, संरक्षण, 430 तैल–चित्रों का भंडारण, एम	यह एक अनवरत चलने वाली परियोजना है। लगभग 125			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भंडारण और संरक्षण	किया जना है			एस एस, 200 फ्वाइल्स, पुस्तकालय अभिलेख आदि की 20 पुस्तकें।	कलावस्तुओं का संरक्षण किया गया। पुस्तकालय की 18 पुरानी पुस्तकों को संरक्षित किया गया है। 4 बड़ा संगमरमट की मूर्तियां और 27 धातु की वस्तुएं संरक्षित की गई है। 3 थरभो हाइग्रोमीटर खरीदे गए हैं।			
(ग)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यकलापों में कला वस्तुओं का अधिग्रहण, वीथियों और पुस्तकालय तथा फोटोग्राफी इकाई और प्रकाशन को समृद्ध बनाने वाले आरक्षित (संग्रहों) का पुनः संगठन शामिल है।	**2.15**	**2.50**			**1.61**	**0.00**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।
(i)	भवन का पुनरूद्धार	इसका उद्देश्य उपयुक्त रूप से कर्मचारियों और आगंतुकों के लिये अपेक्षित अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराना है।			प्रथम तल पर एकशौचालय का निर्माण, संग्रहालय की दीवार के सामने बच वर्क की मरम्मत। नवीकरण, भण्डारण कक्ष, संग्रहालय के परिसर और निदेशक के बंगला के पास सर्वेन्ट क्वाटर्स में टीन लगाई गई।	मौजूदा भवनों के कुछ भागों को नया लुक दिया गया और इसके साथ–साथ कर्मचारियों तथा आगंतुकों से संबंधित सुविधाओं में भी वृद्धि किये जाने की आशा है।			इन कार्यों की प्रगति यथासमय निधियां उपलब्ध होने पर निर्भर है।
(ii)	पुस्तकालय फोटोग्राफी,	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ करना और			वर्गीकरण, सूचीकरण तथा कम्प्यूटरीकृत पुस्तक माल सूची	विभिन्न विषयों पर 48 पुस्तकें अर्जित की गईं और			पुस्तकालय में 5339 पाठक

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	इनका प्रलेखन और इन्हें सुदृढ़ करना	संग्रहालय द्वारा बड़ी संख्या में पत्रिकाओं तथा सेटों के खंडों को अधिग्रहित करना, कुछ ऐसी पुस्तकों और पत्रिकाओं जो उपलब्ध नहीं हैं, की संग्रहालय कार्मिकों का एक दल भेजकर माइक्रोफिल्म तैयार करना और संग्रहालय के पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिये पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का अधिग्रहण करना।			का नेमी कार्य, पुस्तक जिल्दसाजी, विशेषज्ञ की सेवा लेकर फारसी पाण्डुलिपियों की सूची तैयार करना, पुस्तकालय सॉफ्टवेयर की खरीद, पुस्तकालय पुस्तकों की खरीद। संग्रहालय की कलावस्तुओं का अंकीकरण, कंप्यूटरों, एलसीडी की खरीद, 20 डीवीडी और सीडी प्लैयर। राइटर्स की वृद्धि।	उनका भंडारण किया गया। 700 पुस्तकों का वर्गीकरण और उनकी सूची बनाई गई। जर्नल/पत्रिकाओं के 15 अंकों को नियमित ग्राहक के रूप में प्राप्त किया गया। 6 समाचार–पत्र नियमित रूप से प्राप्त किए गए। पुस्तकालय में 5339 पाठक आए। मेमीनार, व्याखान, कार्यशाला, प्रदर्शनी, वाल–सप्ताह आदि जैसी सभी गतिविधियों को समीक्षाधीन अवधि में पूर्ण रूप से कवन किया गया।			आए और अनेक विद्वानों ने पुस्तकों का अध्ययन किया। इसके साथ–साथ विभिन्न सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां आयोजित की गई।
(iii)	वीथियों का आधुनिकीकरण	उद्देश्यों में काष्ठ पैनलिंग, नए शोकेसों/काष्ठ ब्लाकों की सजावट, और संग्रहालय की विभिन्न मौजूदा वीथियों में आधुनिकीकरण/ पुनर्गठन कार्य शामिल है।			वीथी में शोकेश का नवीकरण, पलिस, रंगाई के कार्य, पैनल बनाना, काष्ठ ब्लाकों की नक्कासी जो कुमार स्वामी हाल में की गई, 3 वीथियों अर्थात् नेहरू वीथी, लघु चित्र कला वीथी और आधुनिक चित्रकला वीथी का आधुनिकीकरण किया गया।	आगंतुकों को हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की बेहतर जानकारी प्रदान करने के लिये आधुनिकीकरण कार्य जारी है।			वीथियों में शोकेस के नवीकरण का कार्य तथा इसके साथ–साथ पॉलिश करने और पेंटिंग कार्य करने से आगंतुकों को आकर्षित किया जाएगा।
(iv)	कलावस्तुओं का	उपयुक्त अंतरालों पर			कला वस्तु खरीद समिति की	कला वस्तुओं की खरीदने का			यह सुनिश्चित

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अधिग्रहण	होने वाली अपनी बैठक में कला वस्तु खरीद समिति के माध्यम से संग्रहालय के लिए कला वस्तुओं को प्राप्त करना।			प्रथम और द्वितीय बैठक सितम्बर, 2011 और फरवरी, 2012 में आयोजित की जा सकती हैं।	कार्य, इस वर्ष में, दिसम्बर, 2011 तक प्रारंभ नहीं किया गया है।			किया जाएगा कि कोई जाली पुरातत्व वस्तु न खरीदी जाए।
(v)	सुरक्षित संग्रह की प्रदर्शनी और प्रदर्शन की व्यवस्था करना। मॉडलिंग अनुभाग। शैक्षिक और अन्य कार्यकलाप, अनुसंधान अध्येतावृति और अन्वेषण तथा रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला	देश के उभरते हुए कलाकारों को प्रोत्साहित करना और पूर्वोत्तर क्षेत्र के धर्म और संस्कृति के ज्ञान में वृद्धि करना।			कास्यों तथा पुरातत्वीय वस्तुओं के लिए शोकेस तैयार करना। प्रसिद्धकलाकारों और पुरस्कार विजेता चित्रकलाओं/मृण–मॉडेल की प्रदशनी, थंगका वीथी की स्थापना, संग्रहालय की श्रेष्ट कृतियों को प्रदर्शनी, अत्तः संग्रहालय की अंर्तराज्य संबंधी प्रदर्शनियों को आगे बढ़ाना।	चित्रकला/स्केच/फोटोग्राफ/पोस्ट की 4 प्रदर्शनियां आयोजित की गईं/ राष्ट्रीय सेमीनार/विशेष व्याख्यान, स्थापना दिवस, सर्तकता जागरूकता सप्ताह, बालदिवस, कार्यशाला, संगोष्ठी भी, सांस्कृतिक गतिविधियों के कार्यक्रम के तहत आयोजित की गईं।			कुल 522 कला वस्तुओं का संग्रह, जिनमें 70 प्रस्तर मूर्तियां, 10 चित्रकारी (पेंटिंग), 300 कास्य धातु और 25 अभिलेखीय दस्तावेजों का संरक्षण किया गया।
(घ)	**राष्ट्रीय कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, कला–वस्तुओं का संरक्षण और पुनरूद्धार तथा संग्रहालय में उनके प्रदर्शन और रखरखाव के विशिष्ट क्षेत्रीं में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना।	**0.27**	**4.00**			**0.16**	**3.00**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	शैक्षिक कार्यक्रम नोएडा परियोजना	कला–इतिहास, संग्रहालय विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्रों में ज्ञान का प्रचार–प्रसार और इसे समुन्नत करना। सेक्टर–62 नोएडा में 3 एकड़ जमीन पर अपने भवन का निर्माण करना।			एम.ए. पाठ्यक्रम और पीएचडी पाठ्यक्रम तथा 3 अल्पकालिक पाठ्यक्रमों–अंग्रेजी भाषा में 2 और हिन्दी भाषा में 1 को दाखिला देकर पाठ्यक्रमों को संचालित करना। एक अंर्तराष्ट्रीय सेमीनार और 3 राष्ट्रीय सेमीनार/कार्यशालाएं, 12 विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाने हैं। वर्ष के दौरान निर्माण कार्य भी प्रारंभ करना है।	28 विद्यार्थियों ने एम.ए. डिग्री पाठ्यक्रम तथा 6 विद्यार्थियों ने पीएचडी डिग्री पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया। अल्पकालिक पाठ्यक्रम में 194 विद्यार्थी दाखील किए गए। तीन राष्ट्रीय–सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनियां/ सम्मेलन आयोजित किए गए। एसएफसी की बैठक न हो पाने के कारण, निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ।			पीएचडी की अवधि 5 वर्ष है। अल्कालिक पाठ्यक्रम 5 माह की अवधि के हैं।
(ङ)	**क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालयों के 'संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम'**	क्षेत्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण का संवर्धन।	––	**15.00**	इस स्कीम के तहत अनुदान प्रदान करके लगभग 50 संग्रहालयों को लाभ पहुंचाया जाएगा, जबकि विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त हुए कुल प्रस्ताव 120 थे।	क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालयों के विकास के लिए 30 नए मामलों में अनुदान प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, 25 पुराने मामले, जिनकें तहत डूसरी/तीसरी किस्त जारी की गई, वे मामले भी निपटाए गए।	––	**8.44**	विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त होने वाले पूरे/उपयुक्त प्रस्तावों की संख्या के आधार पर निधियां जारी की जाती हैं।
(च)	**महानगरों में संग्रहालयों के आधुनिकीकरण की स्कीम**	देश में कुछ संग्रहालयों को विश्व में सर्वोत्कृष्ट संग्रहालयों के बराबर लाने के लिए।	––	**8.00**	कुल 522 कला वस्तुओं का संग्रह, जिनमें 70 प्रस्तर मूर्तियां, 10 चित्रकारी (पेंटिंग), 300 एमएसएस, 110 कास्य धातु और 25 अभिलेखीय	चूंकि, 2010–11 में छत्रपति शिवाजी वास्तु संग्रहालय (मुम्बई), और शासकीय संग्रहालय, एगमोग संग्रहालय (चेन्नई) द्वारा जारी की गई	**0.00**	**0.00**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					दस्तावेजों का संरक्षण किया गया।	अनुदान राशि के संबंध में, प्रयोज्यता प्रभाग –पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, इसलिए अगली किस्त के लिए, समीक्षाधीन वर्ष की अवधि में अनुदान राशि जारी नहीं की जा सकी है।			
(छ)	**वृन्दावन अनुसंधान संस्थान, वृन्दावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण	0.20	0.50	वृज लोक संस्कृति और पांडुलिपि संरक्षण हेतु विभिन्न अनुसंधान, प्रलेखन, सर्वेक्षण और प्रकाशन के कार्य प्रारंभ किए जाएंगे।	वृन्दावन अनुसंधान संस्थान से पांडुलिपियों के साथ प्रकाशन किये गये और बृज लोक संस्कृति के सर्वेक्षण और प्रलेखन का कार्य जारी है। वृज संस्कृति विश्वकोश, पांडुलिपियों का संरक्षण, कार्यशाला/व्याख्यान प्रारंभ किए गए हैं।	0.15	0.38	
28.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के संग्रह के रूप में सेवा प्रदान करना।	23.60	15.00	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासतिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।		16.86	7.80	
(i)	संग्रह निर्माण और पुस्तक तैयार करने संबंधी आंकड़े	भारत में प्रकाशित पुस्तकों और अन्य मुद्रित सामग्रियों का संग्रह करना, विदेशी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं को प्राप्त			डीबी अधिनियम/खरीद के माध्यम से विदेशी पुस्तके – 3500 पत्रिकाएं – 680 अधिगृहित किए जाने वाले	25500 भारतीय प्रकाशन अधिग्रहीत किए गए हैं और 2173 विदेशी पुस्तकों का क्रय किया गया है और 680 विदेशी जर्नलों के			पुस्तकों के परिदान और समाचार–पत्र अधिनियम, 1954 के

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		करना।			भारतीय प्रकाशन – 40000	शीर्षक, जिनमें जर्नल शामिल है, क्रय किए गए हैं।			तहत पुस्तकों का संग्रह प्रकाशकों के सहयोग पर निर्भर है।
(ii)	रेट्रोकन्वर्सन परियोजना तथा पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों (पाठक सेवा) का डिजिटीकरण	प्रयोगशाला, परिरक्षण कम्प्यूटर यूनिटों का रेट्रोकन्वर्सन, डिजिटीकरण तथा आधुनिकीकरण			रिट्रोकन्वर्सन और डिजिटीकरण कार्यक्रम के तहत, 4 लीाख पुरने और जीर्ण–शीर्ण पठन सामग्री का सृजन करने का लक्ष्य का प्रस्ताव है। वर्ष के दौरान 20 लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण किया जाना है।	प्रथम पष्ठों में 5,50,000 कार्ड का सृजन करना है, जिसके लिए वाहरी स्रोत द्वारा कार्य पूर्ण कर लिया गया है।			यथा–समय प्रशासनिक अनुमोदन की शर्त के अधीन मुक्त निविदा के आधार पर फर्मों, एजेंसियों का चयन किया जाएगा।
(iii)	प्रशासन को सुदृढ़ करना	भाषा भवन इत्यादि के फर्नीचर और आंतरिक साज–सज्जा को बेहतर बनाना			भाषा भवन के पुस्तकालय के सभी प्रभागों में फर्नीचर प्रदान किया जाएगा।	यह एक अनवरत चलने वाली परियोजना है।			यह यथा–समय प्रशासनिक अनुमोदन की शर्त के अधीन है।
29.	**दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी**	दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में	**11.70**	**5.00**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।		**8.78**	**3.19**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।							
(i)	संग्रह विकास	दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी का मूल उद्देश्य दिल्ली के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, डी पी एल का सभी सेवा इकाइयों में अपने संग्रह के विकास को सुदृढ़ बनाने का प्रस्ताव है। इसे अद्यतन बनाने के अतिरिक्त, केन्द्रीय पुस्तकालय और सरोजिनी नगर के संदर्भ संग्रह को नई पठन सामग्रियों को प्राप्त करके अद्यतन बनाया जाएगा।			लगभग 5000 शीर्षक (डी पी एल प्रणाली के लिए अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में 60,000 बहुल प्रतियाँ खरीदी जानी हैं। इसके साथ ही श्रव्य और दृश्य कैसेट और संदर्भ पुस्तकें खरीदी जाएंगी।	दिसम्बर, 2011 तक लगभग 16,160 पुस्तकें खरीदी गईं।			पुस्तक सलाहकार समिति के गठन में विलम्ब।
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	जिल्दसाजी संबंधी देखभाल और पुस्तकों और अन्य पठन सामग्रियों की मरम्मत डी पी एल की एक सतत् प्रकिया है। भावी पीढ़ी के प्रयोजन के लिए			लगभग 20–25 हजार नई पुस्तकों की वाणिज्यिक जिल्दसाजों के माध्यम से जिल्द चढ़वानी है।	विभाग ने पुस्तकों की जिल्दसाजी कराने के लिये पुस्तकें जिल्दसाजों को भेजी।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पुस्तकालय में दस्तावेजों के परिरक्षण की बाध्यता है।							
(iii)	आधुनिकीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी विकास पब्लिक इंटरनेट अभिगम सदस्यता अभियान	पुस्तकालय कार्यकलापों का आधुनिकीकरण डी पी एल की सतत् प्रकिया है। पुस्तकालय की कम्प्यूटर प्रणाली का संवर्धन करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए अधिक कंप्यूटर, सर्वर, स्कैनर, प्रचाचल पठन और सूचना सामग्री जो भारत में और विदेशों में निर्मित की गई है, प्राप्त करने की आवश्यकता है।			डीपीएल, पटेल नगर, सरोजनी नगर और केंद्रीय ग्रंथागार में निः शुल्क इंटरनेट अभिगम सेवा प्रदान कर रहा है। ये सेवाएं 6 अन्य इकाइयों में, अर्थात् करोल बाग, विनोबा पुरी, जनक पुरी, नरेला, आर. के.पुरम और शाहदरा पुस्तकालयों तक बढ़ा दी गई है। डीवीडी कार्नर भी, पटेल नगर, सरोजनी नगर और केंद्रीय ग्रंथागार, जनकपुरी, करोल बाग, विनाबा पुरी, रनेला के पुस्तकालयों में स्थापित कर दिए गए हैं।	निःशुल्क इंटरनेट सेवाए, अन्य 6 इकाइयों में, अर्थात् करोलबाग, विनोबा पुरी, जनकपुरी, नरेला, आर.के. पुरम, सैक्टर –8 और शाहदरा के पुस्तकालयों तक बढ़ा दी गई हैं। सेवाएं प्रदान करने वालों को लोज पर लिए गए लाइन ब्राड बैंड कनेक्शन के लिए वार्षिक शुल्क भुगतान किया जाना है। सदस्यों को संख्या 79036 तक पहुँच गई है।			
(iv)	सेमिनार/ व्याख्यान/ प्रशिक्षण प्रकाशन	कर्मचारियों में नई व्यावसायिक योग्यता और क्षमताओं के विकास। पाठकों में डीपीएल के विभिन्न कार्य कलाएं का प्रसार।			वर्ष के दौरान लगभग 25 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाना है। पुस्तकालय की वार्षिक रिपोर्ट	कार्मिकों को विभिन्न प्रशिक्षण तथा सेमिनारों में प्रतिनियुक्त किया गया। कार्य अभी प्रारंभ किया जाना है।			
	नई स्कीमें क. नये	पुस्तकालय सेवाओं को पाठकों के द्वारा तक			समाज के कमजोर वर्गों वाले क्षेत्रों में नये पुस्तकालय	आर डब्ल्यू ए से नया पुस्तकालय खोलने के संवध			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तकालयों की स्थापना ख. पुस्तकालय भवन का निर्माण	पहुंचाना।			स्थापित करने का भी प्रस्ताव किया गया है। अशोक विहार और बवाना के 2 खाली प्लाटों में पुस्तकालय भवन के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाना है।	में प्रार्थना –पत्र प्राप्त हुआ है। आर.के.पुरम प्लाट के लिए 22 लाख रूपये के पुर्न वैधीकरण का मामला 'शहरी विकास मंत्रालय को भेज दिया गया है।			
30.	**राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और सहायता देना।	**3.44**	**30.50 (टी एस पी के लिए प्रावधान)**			**2.58**	**24.75**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।
	मैचिंग स्कीम : क) पुस्तकों का पर्याप्त स्टॉक तैयार करने हेतु सहायता। (ख) सचल पुस्तकालयों तथा ग्रामीण पुस्तक जमा केन्द्रों के संघठन हेतु	पुस्तकालयों के पुस्तक स्टॉक को भरना। दूरस्थ कोनों में पुस्तकालय सुविधा प्रदान करना।			3 करोड़ पुस्तकों के साथ 11000 पुस्तकालयों की सहायता की जाएगी। पुस्तकालय – 10 पुस्तकालय – 3500 संगठन – 80	पुस्तकालय – 8011 पुस्तकालय – 8 पुस्तकालय – 1846 संगठन – 22			कई बार राज्य सरकारें समय पर अपना अंशदान जारी नहीं करती जिसके परिणामस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप दिये जाने में विलम्ब होता

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहायता। (ग) पुस्तकों के भंडारण हेतु सहायता। (घ) सेमिनारों, कार्यशालाओं तथा पुस्तक प्रदर्शनियों हेतु सहायता। (ङ) स्थान संवर्धन हेतु सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता। (च) शैक्षिक प्रयोजनार्थ टी. वी.–सह–वी सी पी सेटों/पुस्तकालय उपयोग हेतु कम्प्यूटर की खरीद हेतु सहायता। **गैर–मैचिंग स्कीम**	भंडारण सामग्रियां प्रदान करना। जागरूकता पैदा करना, पुस्तकालय व्यावसायियों का अनुकूलन। पुस्तकालय भवन का निर्माण। दृश्य–श्रव्य सहायक सामग्री की आपूर्ति तथा आटोमेशन हेतु कम्प्यूटरों की आपूर्ति।			पुस्तकालय – 140 पुस्तकालय – 70	पुस्तकालय – 119 पुस्तकालय – 57			है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	क) सार्वजनिक पुस्तकालय सेवाएं देने हेतु स्वैच्छिक संगठनों को सहायता।	पुस्तकालय सेवा प्रदान करने हेतु स्वैच्छिक उत्साह को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 260	पुस्तकालय – 97			कई बार राज्य सरकारें समय पर अपना अंशदान जारी नहीं करती जिसके परिणामस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप दिये जाने में विलम्ब होता है तथा यह पुस्तक चयन समिति की बैठक पर निर्भर करता है।
	ख) सामान्य सार्वजनिक पुस्तकालयों के बाल खण्ड के बाल पुस्तकालयों को सहायता।	बच्चों में पढ़ने की आदत का संवर्धन करना।			पुस्तकालय – 175	पुस्तकालय – 75			
	ग) पुस्तकों के केन्द्रीय चयन के माध्यम से राज्य केन्द्रीय पुस्तकालयों तथा जिला पुस्तकालयों को सहायता।	नई महंगी पुस्तकों से पुस्तकालय स्टाक भरना।			पुस्तकालय – 479 पुस्तकें – 15 मिलियन	पुस्तकालय – 479 पुस्तकालय – 37			
	घ) केन्द्रीय रूप से प्रायोजित पुस्तकालयों, विश्व भारती के तहत सम्बद्ध पुस्तकालयों को सहायता।	नई महंगी पुस्तकों से पुस्तकालय स्टाक भरना।			पुस्तकालय – 37	संगठन – 10			
	ङ) अखिल	राष्ट्रीय व्यावसायिक							

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भारतीय स्तर के व्यावसायिक निकाय, जैसे आईएलए आदि के सेमिनारों, सम्मेलनों आदि के आयोजन हेतु सहायता।	संगठनों को प्रोत्साहित करना।			संगठन – 5	पुस्तकालय – 21			
	च) शताब्दी समारोहों हेतु सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता।	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 35	पुस्तकालय – 19			
	छ) बच्चों का कार्नर स्थापित करने हेतु सहायता।	बाल प्रयोक्ताओं को आकर्षित करना।			पुस्तकालय – 100				
31	**अन्य पुस्तकालय**								
(क)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता**	कार्यान्वित करना– (क) भारतीय राष्ट्रीय बिब्लियोग्राफी का संकलन और प्रकाशन (रोमन लिपि तथा संबंधित भाषा लिपियों में) जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यताप्राप्त भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी में	**2.15**	**0.60**			**1.69**	**0.29**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		हाल के भारतीय प्रकाशनों की बिब्लियोग्राफी है तथा (ख) इन्डेक्स इंडियाना का संकलन तथा प्रकाशन।							
	भारतीय राष्ट्रीय ग्रन्थ सूची तथा इन्डेक्स इण्डियाना अन्य कार्यकलाप	1. आईएनबी के मासिक अंक 2010 का संकलन प्रकाशन। 2. आई एन बी के मासिक अंक जुलाई –2010 और जनवरी से अक्तूबर, 2011 3. इन्डेक्स इण्डियाना का संकलन और प्रकाशन। 4. ग्रंथ सूची के जतिलताओं में पुस्तकालय विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुता। 5. पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास कार्यक्रम। 6. भाषा ग्रंथ सूचियां, बंगाली, तमिल, हिंदी, मलयालम, उर्दू			(क) आई एन बी के 2010 का वार्षिक खण्ड। (ख) 2010/11 आई एन बी के 12 मासिक अंक। 100 प्रतियां पुस्तकालयध्यक्ष के पद हेतु प्रशिक्षित किए जाने के लिए 40 विद्यार्थी 3 प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमीनार/ कार्यक्रम 250प्रतियां	(क) प्राप्त। आई एन बी 2009 के वार्षिक खंड की 250 प्रतियां प्रकाशन। (ख) प्राप्त। पांडुलिपियों को प्रेस में भेजा गया। (ग) आई एन बी 2010 के 12 मासिक अंकों को प्राप्त किया जाता है। (घ) प्रेस के लिए तैयार पांडुलिपि की 100 प्रतियां तैयार की जा रही है। क. 30 विद्यार्थियों को 6 बैचों को प्रशिक्षित किया गया। ख. 2 प्रशिक्षण सह कार्यशाला/सेमीनार आइजोल, मिजोरम ओर गुवाहाटी में आयोजित किया गया। ग. यह प्रस्ताव एन आई सी के पास है। घ. इंदौर (मध्य प्रदेश) और कोट्टायम, केरल में सी आर			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एल प्रकाशन के विक्रय और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ङ. भारत भर में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में आई एन बी का विज्ञापन प्रशशित किया गया।			
(ख)	**खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना**	यह पुस्तकालय मौलवी मोहम्मद बख्श के व्यक्तिगत संग्रह से बना है जो साहित्य प्रेमी तथा पुस्तकों के प्रेमी थे। इसमें 20 हजार से अधिक पांडुलिपियां तथा कुछ दुर्लभ मुद्रित पुस्तकें हैं।	**2.25**	**1.50**			**2.25**	**0.93**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए होता है।
i)	अधिग्रहण : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों तथा वीडियो और ऑडियो कैसेटों की खरीद	पुस्तकें, पांडुलिपियां, माइक्रोफिल्म तथा ऑडियों वीडियो सीडी पाठकों के उपयोग के लिए प्राप्त करना।			5000 मुद्रित पुस्तकें, 50 पांडुलिपी एवं पत्रिकाओं के 120 शीर्षक खरीदे गए।	3703 पुस्तकें 2 पांडुनिलपि एवं 82 पत्रिकाएं, 27 समाचार–पत्रों को खरीदा गया।			
ii)	अनुसंधान और प्रकाशन : दुर्लभ सामग्री का	पांडुलिपियों के विवेचित संस्करणों को प्रकाशित करना, दुर्लभ मूल्यवान			20 पुस्तकों का प्रकाशन। 3 अंग्रेजी अनुवाद, 1 हिन्दी अनुवाद तथा 2 दुर्लभ	6 पुस्तके प्रकाशित की, 1 सेमिनार, 1 वार्षिक व्याख्यान, 3 विस्तार व्याख्यान, 3			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन, कैटलॉग का मुद्रण, अनुसंधान सेमिनार, व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम, खुदाबक्श अनुसंधान फैलोशिप और तिमाही प्रत्रिका का प्रकाशन।	पुस्तकों का प्रकाशन, विशिष्ट विद्वानों द्वारा व्याख्यान। बाहर से आने वाले लोगों को छुपे हुए कोश–विवरणात्मक कैटलॉग से परिचित कराना। विशिष्ट व्यक्तियों के व्याख्यानों एवं सेमिनारों का आयोजन करना। जाने माने विद्वानों को फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति प्रदान करना।			पांडुलिपियों की अनुकृतियों का प्रकाशन। कैटलॉग के 2 खण्डों तथा हैंड लिस्ट के 1 खंड का मुद्रण– 2 राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन, 1 वार्षिक व्याख्यान, 4 एक्सटेंशन व्याख्यान, 12 लोकप्रिय व्याख्यान,	लोकप्रिय व्याख्यान, 3 प्रदर्शनियां 3 मुशायरा 2 प्रदर्शनी तथा कुछ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 2 सीनियर फैलो और 5 जूनियर फैलो कार्यरत हैं। 1 टैगोर राष्ट्रीय फैलों भी कार्यरत है। तिमाही पत्रिकाओं के 2 अंकों का प्रकाशन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम अनेक वरिष्ठ फेलोशिप 3 कनिष्ठ फेलोशिप विद्वानों को 7 अनुसंधान परियोजनाओं का आबंटन। तिमाही पत्रिकाओं के 4 अंकों का प्रकाशन।			
iii)	संरक्षण और परिरक्षण : परिरक्षण प्रयोगशाला और पुस्तक परिरक्षण और रैप्रोग्राफिक सुविधाओं का विकास। आधुनिकीकरण एवं ऑटोमेशन।	नित्य अनुरक्षण, क्युरेटिव एवं निवारक तथा परिरक्षण हेतु परिरक्षण प्रयोगशाला। पुस्तकों को अच्छी स्थिति में रखने के लिये।			पुस्तकों एवं पांडुलिपियों के निवारक, क्युरेटिव एवं परिरक्षण हेतु नित्य कार्यकलाप। मुद्रित पुस्तकों और पाण्डुलिपियों को संविदा आधार पर प्राप्त करना। पांडुलिपियों के कार्यों को पुनः स्केनिंग करने का कार्य शुरू	74 पांडुलिपियों और 40 पुद्रित पुस्तकों की जिल्दसाजी संविदा आधार पर की गई। तिमाही जाँच कार्य प्रारंभ किया गया है और जारी है। कंप्यूटरों के लिए 5 कैबिनेट, मेज और कुर्सी खरीदी गइ। 1 डिजिटल कैमरा की खरीद गया। कंप्यूटर और अन्य आधुनिक उपस्कर की खरीद।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन।				किया जाएगा। एक ई–लाइब्रेरी की संस्थापना की परियोजना जिसे एन आई सी एस आई को सौंपा जाएगा।				
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	यह संस्कृति और ज्ञान का एक अमूल्य भंडार है इसकी परिकल्पना 16वीं शताब्दी में रॉयल पैलेस पुस्तकालय के रूप में की गई थी।	–	0.50			0.00	0.00	
i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि में पांडुलिपि से पुस्तकों का प्रकाशन	पांडुलिपियों का अनुवाद, लिप्यांतरण और पुस्तकों को प्रकाशित करना।			वर्ष के दौरान 14 नई पुस्तके और 10 पुनर्मुद्रण का कार्य शुरू किया जाएगा।	कार्य प्रगति पर है।			
ii)	संरक्षण	ताड़ के पत्तों पर सिट्रोनेला तेल लगाना तथा कागज पर लिखी गई पांडुलिपियों/बहुमूल्य पुरानी पुस्तकों इत्यादि को परिरक्षित करना।			पाण्डुलिपियों के 110000 पृष्ठ साफ किए जाने हैं और 2000 पुस्तकों की मरम्मत और उन्हे परिरक्षित किया जाना है।	यह पुस्तकालय का नियमित कार्यकलाप है।			
iii)	रेप्रोग्राफी	पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्म और दुर्लभ			1000 नई तमिल पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्म	यह पुस्तकालय का नियमित कार्यकलाप है।			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पुस्तकों का परिरक्षण।			की जानी है और साफ की जानी है।				
(घ)	**तिब्बती कार्यों एवं पुरालेखों हेतु पुस्तकालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश**	इसका उद्देश्य तिब्बती पुस्तकों और पांडुलिपियों को प्राप्त करना और संरक्षित करना तथा गहन संदर्भ सेवा प्रदान करना और तिब्बती पांडुलिपियों, चित्रों तथा कला वस्तुओं के केन्द्र के रूप में कार्य करना है।	**1.25**	**0.50**	इस संस्थान की स्थापना तिब्बती सभ्यता एवं भारत तिब्बत अध्ययन की समृद्ध विरासत को परिरक्षित एवं प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण से की गई थी।	संस्थान ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान अनुसंधान सुविधाएं विशेष रूप से बौद्ध दर्शन और तिब्बती कला तथा संस्कृति में अनुसंधान सुविधाएं प्रदान की हैं।	**0.94**	**0.38**	
(ङ)	**रामपुर रजा पुस्तकालय, रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत–इस्लामी पांडुलिपियों, लघु चित्रों, पुस्तकों तथा पुस्तकालय में कला और विज्ञान की अन्य वस्तुओं को प्राप्त करना और संरक्षित करना है तथा संदर्भ और शोध के एक केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कला केन्द्र के रूप में भी कार्य करना है।	**1.25**	**3.00**			**0.94**	**2.25**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक तथा स्थापना व्यय के लिए उपयोग में लाया जाता है।
i)	प्रकाशन और मुद्रण	अरबी, फारसी और संस्कृत पांडुलिपियों के पाठ की पुस्तकों का			पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं, तकनीकी रिपोर्ट और चित्रों आदि का प्रकाशन।	3 पुस्तकें प्रकाशित की गई और शेष पुस्तकों का मुद्रण कार्य जारी है।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रकाशन।							
ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण और नवीकरण।	रज़ा पुस्तकालय के दो ऐतिहासिक महलों नामतः हामिद मंज़िल और रंग महल, पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं, इसकी तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है जिसका अनुमोदन रामपुर रज़ा पुस्तकालय बोर्ड की 37वीं बैठक में दिया गया था।			हामिद मंज़िल के कमरों की नक्काशीदार छत के अधिकांश हिस्से का पिछले आठ वर्षों में पुनरुद्धार किया गया है और शेष का पुनरुद्धार वित्त वर्ष 2011–12 में किया जाएगा।	पुनरीक्षधीन अवधि के दौरान मामूली मरम्मत किया गया है।			
iii)	पुस्तकों, एमएसएस की प्राप्ति छात्रवृत्तियां एवं अवार्ड सेमिनार/ कार्यशालाएं/ प्रदर्शनियां संकलनों का संरक्षण, कम्प्युटरीकरण तथा आईटी का प्रयोग, सीआईएसएफ	शोध अध्येताओं की मांग की पूर्ति हेतु दुर्लभ एमएसएस, पुस्तकों तथा कला वस्तुओं को प्राप्त करना। अध्येताओं, शिक्षाविदों के साथ मेलजोल हेतु अकादमी तथा संस्कृति संबंधी कार्यकलापों का आयोजन। पुस्तकालय में अमूल्य संग्रह को संरक्षित करना।			यह पुस्तकालय दुर्लभ एमएसएस, मुद्रित पुस्तकें और कला वस्तुएं प्राप्त करेगा। 12 छात्रवृत्तियां और 3 पुरस्कार, 3 सेमिनार, 2 कार्यशालाएं, 2 प्रदर्शनियां तथा 2 व्याख्यान मुशायरा और कवि सम्मेलन। एमएसएस, चित्रों कला वस्तुओं आदि का प्रलेखन किया जाएगा। दुर्लभ एमएसएस, कला वस्तुओां, पुस्तकों, चित्रों के 8000 पृष्टों का संरक्षण। सुलेखन के लगभग 5 लाख एमएसएस नमूनों को अंकीकृत	186 पुस्तकों और 19 एमएसएस की खरीद की गई है। 6 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई। अरबी और फारसी की 4 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान की गईं। 1 सेमीनार आयाजित किया गया। एमएमएस के 2010 पृष्ठों, पुस्तकालय संग्रह की मुद्रित पुस्तकों के 1450 पृष्ठों की वैज्ञानिक रूप से मरम्मात की गई है। लगभग 2 लाख पृष्ठों का अंकीकरण किया गया है। 28 सुरक्षा गार्डों को			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	की तैनाती, दरबाल हॉल संग्रहालय का आधुनिकीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम				किया जाना है।	तैनात किया गया है।			
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटेलॉग बनाना, उनका संरक्षण करना और संग्रह करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना, कैटेलॉगों और गौरवपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना है।	––	**7.00**			**0.00**	**5.17**	दिसंबर, 2011 तक पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2 संरक्षण कार्यशालाओं, 1 पांडुलिपि विज्ञान कार्यशाला और 2 सेमिनारों का आयोजन किया गया।
(i)	पांडुलिपि संसाधन केंद्रों (एमआरसी) को वार्षिक अनुदान	एम पी सी में उपलब्ध पांडुलिपियों का प्रलेखन।			फिलहाल 48 एम आर सी और 4 नवसृजित एम आर सी है। 4.5 लाख प्लस 4.5 लाख प्लस 4.5 लाख प्लस 6 लाख की दर से अनुदान जारी किए जाते हैं जो वास्तविक कार्य निष्पादन तथा सीमित होता है।	48 मौजूदा एम आर सी और 4 नवसृजित एमआरसी के लिए पहली किस्त जारी की गई। 1.04 लाख पांडुलिपियों का प्रलेखन किया गया है। प्रलेखन एम एस एस 33 लाख तक पहुँच गया।			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	पांडुलिपि संरक्षण केंद्रों (एमसीसी) को वार्षिक अनुदान	इसका उद्देश्य संरक्षण और संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना है।			फिलहाल 33 एमआरसी हैं। 12 और एमसीसी को नवसृजित किया गया है। अनुदान 2.5 लाख प्लस 2. 5 लाख की दर से जारी किए जाते हैं जो वास्तविक कार्य निष्पादन तक सीमित होता है।	33 मौजूदा एमसीसी को पहली किस्त जारी की गई। 12 और एमसीसी को नवसृजित किया गया है। निवारक संरक्षण 5.01 लाख उपचारात्मक संरक्षण 0.64 किया गया।			
(iii)	संरक्षण कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	मांग के आधार पर उपचारात्मक दुर्लभ सहयोग, क्युरेटिव कार्यशाला इत्यादि का आयोजन करना।			निवारक, दुर्लभ सहायता, उपचारात्मका कार्यशालाओं को आयोजन करना तथा मांग आधार पर संरक्षण प्रदान करना।	16 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया एवं 395 अभ्यर्थियों को संरक्षण कार्य में प्रशिक्षण दिया गया।			
(iv)	अनुसंधान एवं प्रकाशन	मुद्रित पुस्तकों का सम्पादन तथा प्रकाशन करना।			अनुसंधान एवं प्रकाशन	न्यूज लेटर्स कीर्ति अक्शाना को जारी की जानेवाली 2 पुस्तकें जारी की गईं।			
(v)	डिजिटिलीकरण	महत्वपूर्ण पांडुलिपियों को डिजिटाइज्ड करना।			महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का अंकीकरण करना।	20% जारी किया गया। 20 लाख चित्रों को डिजिटाइज्ड किया गया।			वर्ष के दौरान 1 करोड़ और चित्रों का अंकीकरण किया जाएगा।
(vi)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण (राज्यवार) एवं पोस्ट सर्वेक्षण	पाण्डुलिपियों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			सर्वेक्षण में दर्शाए गये एमएसएस की पहचान करना तथा प्रलेखन करना।	कार्य चल रहा है। 3 राज्यों में सर्वेक्षण आयोजित किया गया।			
(vii)	पाण्डुलिपि शास्त्र	विश्वविद्यालयों के माध्यम			कार्यशालाओं और प्रशिक्षण का	आयोजित की गई 9			

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	और पेलियोग्राफी कार्यशालाएं तथा प्रशिक्षण	से पाण्डुलिपि शास्त्र का संवर्धन करना।			आयोजन करना।	कार्यशालाओं में 425 अध्येताओं को पांडुलिपि शास्त्र और पेलियोग्राफी में प्रशिक्षित किया गया।			
(छ)	**पुस्तकालयों के संबंध में एक राष्ट्रीय मिशन की स्थापना जिससे आगे चलके एक आयोग का गठन किया जा सके।**	सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर केन्द्रित ध्यान देना और एक समय–सीमा के भीतर सार्वजानिक पुस्तकालयों की अवसंरचना तथा प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का उन्नयन करना।	––	**0.40**	राष्ट्रीय पुस्तकालय आयोग हेतु प्रारंभिक कार्य को आरंभ करने के लिए टोकन प्रावधान किये जा चुके हैं।	वर्ष 2012–13 से यह स्कीम कार्यान्वित की जाएगी।	**0.00**	**0.00**	यह निर्णय लिया गया है कि मिशन का गठन इस स्तर पर आवश्यक प्रतीत नहीं होता है क्योंकि आर आर आर एल एफ पुस्तकालयों क संवर्धन के लिए समन्वयक निकास के रूप में काम कर सकता है।
(ज)	**एशियाटिक सोसायटी, मुम्बई**	यह अनुसंधान संस्थान सामान्यतः एशिया और विशेषतः भारत के संदर्भ में दर्शनशास्त्र, भाषा,	–––	**1.00**	650 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, प्रतिदिन 700 पृष्ठों की माइक्रोफिल्मिंग, दुर्लभ पुस्तकों के 650 पृष्ठों का प्रतिदिन	120 मुद्रित पत्रिकाओं तथा 90 प्री–मॉडर्न पुस्तकों और आधुनिक विषयों की 360 पुस्तकों की खरीद की गई।	---	**0.53**	अब तक धुमीकरण द्वारा 941 पुस्तकों का

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कलाओं और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शीर्ष संस्थान हैं। अपनी भूमिका को बनाए रखने और उसे बढाने के लिए सोसायटी दुर्लभ पाण्डुलिपियों और शिल्प तथ्यों के पुस्तकालय तथा विरासत संग्रहालय का रख–रखाव करती है।			डिजिटाइजेशन, 1300 संरक्षित/रासायनिक रूप से उपचारित पुस्तकों का धुमीकरण, 60000 पृष्ठों का पुन क्षारीकरण, 58500 पृष्ठों का टिश्यूकरण तथा 1900 मानचित्रों का धुमीकरण किया जाएगा।	16086 पृष्ठों की 48 पुस्तकों की माइक्रोफिल्मिंग की गई। 23206 पृष्ठों की 1112 पांडुलिपियों को भी माइक्रोफिल्म किया गया तथा 1590 प्रिंट जारी किए गए।			संरक्षण, 24158 पृष्ठों का पुनः क्षारीकरण, 23149 पृष्ठों का टिश्यूकरण तथा 840 मानचित्रों का धुमीकरण किया गया है तथा 83 मानचित्रों का पुनः क्षारीकरण मानचित्रों की सूची तैयार की जा रही है।
(झ)	**ऑडियो–विडियो सामग्रियों हेतु राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह समेकित ज्ञान एवं वास्तविक प्रलेखन सामग्री के लिये अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के केन्द्रीय डाटा बैंक तथा नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।	––	**0.40**	यह एक नई योजना है तथा वर्ष के दौरान स्कीम तैयार करने हेतु प्रारंभिक कार्य तथा अन्य संबंधित मुद्दों को शुरू किया जाएगा।	पुनरीक्षधीन अवधि के दौरान इस स्कीम को कार्यान्वित नहीं किया जा सका, किंतु वर्ष 2012–13 के दौरान इसके कार्यान्वयन के लिए इस स्कीम के ब्यौरे तैयार कर लिए गए हैं।	––	**0.00**	

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ञ)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 और पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के उपबंधों के अंतर्गत पुस्तकें और पत्रिकाएं प्राप्त करना तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना।	0.30	0.20			0.23	0.00	
	राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण/ कम्प्यूटरीकरण/ डिजिटीकरण/ स्तरोनयन	दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना : डी बी ए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण/ प्रतिरूपांतरण।			डीबीए खण्ड में प्रापण योग्य 17000 पुस्तकों, 800 पत्रिकाओं, 500 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से संसाधित करके और इसे 2 लाख पाठकों को उपलब्ध कराना है।	वर्ष 2012–13 के दौरान, डी बी ए अनुभाग में प्राप्त 20,000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 300 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से संसधित किया गया है तथा लगभग 2 लाख पाठकों को पुस्तकालय सेवाएं प्रदान कर दी गई हैं।			
(ट)	**कोन्नेमारा सार्वजनिक पुस्तकालय, चेन्नई**	यह 1954 के पुस्तक और समाचार–पत्र वितरण (सार्वजनिक पुस्तकालय) अधिनियम, यथा संशोधित के उपबंधों के अंतर्गत भारतीय प्रकाशन 4 डिपॉजिटरीज में से एक है जो भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को	0.35	0.60	सही उपयोगकर्ताओं को सही समय पर सही जानकारी प्रदान करने के लिये पुस्तकालय का स्तरोनयन करना। मुद्रित दस्तावेजों का अंकीकरण, पठन सामग्री की खरीद	पुस्तकालय का उन्नयन तथा सही समय पर सही प्रदोक्ताओं को सही जानकारी प्रदान करने का कार्य प्रारंभ किया गया है अथवा इसका ध्यान रखा गया है। पुस्तकालय द्वाराशेष चालू कार्यक्रम चलाना जा रहा है।	0.26	0.45	

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। यह एक यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है। यह एशियाई विकास बैंक के प्रकाशनों की भी एक डिपॉजिटरी है।							
	नई स्कीम।								
	पुस्तक मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों के लिए वित्तीय सहायक तथा अंर्तराष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रकाशन कार्यक्रमों में प्रतिभागी	पुस्तक मेलों, पुस्तक प्रदर्शनियों में सहायता तथा अंर्तराष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रकाशन कार्यक्रमो में भागीदारी	**0.00**	**1.00**	वर्ष के दौरान पत्र ओवरक को पुस्तक के दौरान इस स्कीम को कार्यान्वित किया जाना है।	समीक्षाधीन अवधि के दौरान इस स्कीम को कार्यान्वित किया जाना है।	0.00	0.00	
	कुल (राजस्व)		**553.00**	**745.00**			**423.18**	**49.68**	
32.	**पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम की परियोजनाओं, स्कीमों के लिए प्रावधान।**								**पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यकलापों हेतु दिसम्बर 2010 तक के खर्च को

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									संबंधित योजना शीर्षों/स्कीमों में शामिल कर लिया गया है।
32.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु परियोजना/ स्कीम।**	पूर्वोत्तर राज्यों में अद्वितीय कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण करना।	--	62.59	पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न शहरों में कला और संस्कृति के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम/स्कीमें आयोजित करना और विभागीय स्कीमों के माध्यम से एनजीओ/ व्यक्तियों को लाभ देना।		–	**	पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यकलाप के लिए वर्ष 2010–11 के व्यय को संबंधित योजनाशीर्षो/ स्कीमों मेंशामिल किया गया है।
32.2	**पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय**	पुरातत्व, अभिलेखागारों और संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।	--	4.10	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में एन ई आर में एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना।।				
32.3	**पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों को बढ़ावा देना।	--	11.81	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास।		--	**	
		योग (एन ई आर हेतु प्रावधान)	--	78.50					

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
33 संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की भवन परियोजनाएँ									
1	**राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली**	राष्ट्रीय संग्रहालय में विभिन्न लेबित कार्यों का नवीकरण और उन्नयन	--	2.00	राष्ट्रीय संग्रहालय में सिविल और विद्युत कार्य	राष्ट्रीय संग्रहालय की आधिकारिक विंग एवं वीथियों में बेहतर सुविधाएं प्रदान करना।	--	1.30	एनजीएमए और एनआरएस सी की परियोजनाओं के लिए व्यय शामिल है।
2.	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**		--	3.00			--	0.73	
	(i)	एन ए आई भवन के लिए वातानुकूलित संयंत्र का प्रतिस्थापन।			एन ए आई भवन के लिए वातानुकूलित संयंत्र का प्रतिस्थापन।	अध्यधिक कार्य को पूरा करने के लिये बेहतर सुविधाएं प्रदान करना तथा अभिलेखागार में उपलब्ध बहुमूल्य रिकार्डो का संरक्षण करना।			
	(ii)	एन ए आई परिसर में छात्रवास का निर्माण			एन ए आई परिसर में छात्रवास का निर्माण				
	(iii)	अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यात्मक भवन का निर्माण।			अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यात्मक भवन का निर्माण।				
	(iv)	एनएआई मुख्य/एनेक्सी भवन, रिकॉर्ड सेंटर जयपुर और पांडीचेरी तथा क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के कार्यों में परिवर्धन और परिवर्तन			एनएआई मुख्य/एनेक्सी भवन, रिकॉर्ड सेंटर जयपुर और पांडीचेरी तथा क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के कार्यों में परिवर्धन और परिवर्तन				

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
3.	**भारतीय मानव–विज्ञान सर्वेक्षण**		––	2.80			––	0.09	
	(i)	साल्ट लेक, कोलकाता में कार्यालय भवन का निर्माण।			इन परियोजनाओं को शुरू करने हेतु केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन निर्माण हेतु प्रारंभिक अनुमानों के बारे में सूचित कर दिया गया है।	अतिरिक्त कार्यालय आवास का सृजन।			
	(ii)	भूमि का प्रापण तथा केन्द्रीय क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर में संग्रहालय का निर्माण।							
	(iii)	पश्चिमोत्तर क्षेत्रीय केंद्र देहरादून में अतिथि गृह का निर्माण।			पश्चिमोत्तर क्षेत्रीय केंद्र देहरादून में अतिथि गृह का निर्माण।				
	(iv)	अतिरिक्त भूमि का प्रापण और एसआरसी मैसूर में इंटरनेशनल स्टैडर्ड गेस्ट हाउस, डीएनए लैब का निर्माण।			कार्य चल रहा है।				
	(v)	एसआरसी, जगदलपुर में कार्यालय भवन और संग्रहालय का निर्माण।							
4.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ (एनआरएलसी)**	एनआरएलसी अतिथि–गृह के परिसर में प्रशिक्षण संस्थान/सभागार का निर्माण।	––	4.00	कार्य प्रगति पर है।	एनआरएलसीसीपी, लखनऊ के लिये प्रयोगशाला, प्रशिक्षण संस्थान–सह–छात्रावास/अतिथि –गृह के लिये महत्वपूर्ण कार्यकलाप।	––	@	@ राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने दर्शाए गए व्यय के अंतर्गत शामिल।

परिणाम बजट – 2012–13
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2011–12

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20011–12 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
5.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला वीथी**	एनजीएमए, दिल्ली एवं बंगलौर के नये सौध भवनों का नवीकरण साज–सज्जा।	––	**4.00**	कार्य प्रगति पर है।		––	@	@ राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने दर्शाए गए व्यय के अंतर्गत शामिल।
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	एएसआई नागपुर के कार्यालय भवन हेतु निर्माण कार्य ग्रेटर नोएडा में पुरातत्व संस्थान का निर्माण, सामंतपुर, भुवनेश्वर में एएसआई की स्वयं की जमीन पर समग्र कार्यालय भवन का निर्माण, 24, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में भवन का निर्माण,	**––**	**24.00**	कार्य प्रगति पर है।	एएसआई स्टाफ के आवास की समस्या को सुलझा लिया जाएगा।	––	**11.09**	
7.	**सार्वजनिक पुस्तकालय**	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय** इसके कार्यालय में वातानुकूलन सुविधाओं की स्थापना से संबंधित कार्य।	––	**0.20**	यह कार्य 2011–12 में पूरा किया जाएगा।	कार्यालयी कार्यों में दक्षता प्रदान करने हेतु कार्यालय में कार्य करने की सुविधाएं प्रदान करना।	––	**0.00**	
		योग (भवन परियोजनाएँ)	––	**40.00**				**13.21**	
		सकल योग (कला और संस्कृति)	**553.00**	**785.00**			**423.18**	**503.89**	